THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 299 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.7 2080 बुधवार, 17 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ज्ञानवापी टैंक की सफाई का सुप्रीम कोर्ट का आदेश

कहा- संरचना से छेड़खानी नहीं होनी चाहिए, डीएम की देखरेख में होगा काम

वाराणसी, 16 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में बने टैंक की 20 महीने बाद सफाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इसका आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि टैंक की सफाई डीएम वाराणसी की देख-रेख में होगी। इस दौरान टैंक में बनी संरचना से छेड़खानी नहीं होनी चाहिए। ज्ञानवापी के वजूस्थल में बने टैंक में मई 2022 में कमिश्नर सर्वे के दौरान कथित शिवलिंगनुमा आकृति मिली थी।

हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि यह शिवलिंग है। जबकि मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने इसे फव्वारा बताया था। इसके बाद 17 मई 2022 को वाराणसी कोर्ट ने इस वजूस्थल को सील करने का आदेश दिया था। तब से परिसर का यह एरिया सील है।

इसी साल, 2 जनवरी को हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग के सील वाले इलाके की साफ-सफाई को लेकर मांग की थी। उन्होंने दावा किया कि कथित शिवलिंग के पास मौजूद पानी के टैंक में मछलियां मर गई हैं। उसे मई 2022 से साफ नहीं किया गया। इस पर मंगलवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सफाई का आदेश दिया।

16 मई को मिला था कथित शिवलिंग

वाराणसी कोर्ट के आदेश पर ज्ञानवापी परिसर का 2022 में 6 से 16 मई के बीच कमिश्नर सर्वे हुआ था। इस दौरान वजूस्थल पर कथित शिवलिंगनुमा आकृति मिली थी। इस आकृति को हिंदू पक्ष ने शिवलिंग बताते हुए कोर्ट में अर्जी देकर उस स्थान को सील करने की मांग उठाई थी। तर्क था कि मुस्लिम पक्ष छेड़छाड़ कर सकता है। इसके बाद सिविल जज सीनियर डिवीजन ने तत्काल प्रभाव से वजूस्थल को सील करने का आदेश दिया था।

इसके अगले दिन यानी 17 मई को डीएम ने वजूस्थल को सील कर दिया था। सीआरपीएफ को वजूस्थल की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी थी। तब से वजूस्थल में 24 घंटे सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। इसके बाद हिंदू पक्ष ने वजूस्थल को छोड़कर संपूर्ण परिसर का सर्वे कराने की कोर्ट की मांग की थी।

लेपाक्षी में पीएम मोदी

486 साल पुराने वीरभद्र मंदिर में पूजा की, राम भजन गाया एनएसीआईएन इंस्टीट्यूट का इनॉगरेशन किया

अमरावती, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में प्राणप्रतिष्ठा से ठीक 6 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के आंध्र प्रदेश-केरल दौरे पर हैं। मंगलवार को उन्होंने लेपाक्षी पहुंचकर 486 साल पुराने वीरभद्र मंदिर में पूजा की। मंदिर परिसर में बैठकर पीएम मोदी ने राम भजन भी किया।

इसके बाद, पीएम मोदी सत्यसाई जिले के पलासमुद्रम पहुंचे। जहां उन्होंने नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम, इनडायरेक्ट टैक्स एंड नार्कोटिक्स (एनएसीआईएन) इंस्टीट्यूट का इनॉगरेशन किया। 17 जनवरी की सुबह केरल के गुरुवयूर मंदिर में पूजा और दर्शन करेंगे, साथ ही शाम 7:15 बजे केरल के कोच्चि में रोड शो भी करेंगे।

क्यों खास है लेपाक्षी :

लेपाक्षी का वीरभद्र मंदिर करीब 486 साल पुराना है। मंदिर को 'हैंगिंग पिलर टेंपल' के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में कुल 70 खंभे हैं, जिसमें से एक खंभा जमीन से जुड़ा नहीं है। वो रहस्यमयी तरीके से हवा में लटका हुआ है। रामायण में भी इसका खास महत्व है। दरअसल, जब रावण माता सीता का अपहरण कर रहा था तो उससे युद्ध के बाद जटायु घायल होकर यहीं गिर पड़ा था। मरते हुए जटायु ने भगवान राम को बताया था कि माता सीता को रावण दक्षिण की ओर ले गया है।

एनएसीआईएन इंस्टीट्यूट में प्रदर्शनी विजिट की :

पीएम एनएसीआईएन ऑफिस के फर्स्ट फ्लोर पर बने स्मगलिंग सेंटर, नार्कोटिक्स स्टडी सेंटर और वाइल्ड लाइफ डिटेक्शन सेंटर की विजिट की। यहां उन्होंने ग्राउंड फ्लोर पर बने एक्स-रे और बैगेज स्क्रीनिंग सेंटर का भी मुआयना किया। इसके बाद एजुकेशन ब्लॉक का दौरा करेंगे, जहां वे ट्रेनी आईआरएस अधिकारियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

अब जानिए क्या है एनएसीआईएन :

आंध्र प्रदेश में एनएसीआईएन की स्थापना को केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 के तहत मंजूरी दी थी। 2022 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कैंपस के भूमि भूजन में हिस्सा लिया था। तब निर्मला ने कहा था कि इंस्टीट्यूट के लिए पहले चरण में 729 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे।

आईएएस अधिकारियों को जिस तरह मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री एकेडमी और आईपीएस अधिकारियों को हैदराबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल एकेडमी में ट्रेनिंग दी जाती है। उसी तरह आंध्र प्रदेश के पलासमुद्रम में बना एनएसीआईएन इंस्टीट्यूट आईआरएस अधिकारियों को ट्रेनिंग देगा।

आदिवासी विधायकों ने गृह मंत्री शाह को लिखी चिट्ठी

निलंबित अधिकारियों को बहाल करने का किया अनुरोध

इंफाल, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के दस आदिवासी विधायकों ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने गृह मंत्री से उन अधिकारियों को सेवाओं में बहाल करने का अनुरोध किया, जिन्हें स्कूलों को सीबीएसई संबद्धता प्राप्त करने में मदद करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। इनमें चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों के 26 स्कूल शामिल थे।

आदिवासी विधायकों का गृह मंत्री को चिट्ठी :

अपनी चिट्ठी में आदिवासी विधायकों ने अमित शाह से राज्य सरकार को तीनों अधिकारियों के निलंबन को खारिज करने के निर्देश जारी करने की अपील की है। इन सभी विधायकों में सात भाजपा के हैं। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर में जतीय हिंसा के बाद सीबीएसई संबद्धता प्राप्त करने के लिए 26 स्कूलों को अनापत्ति प्रमाण (एनओसी) पत्र जारी करने के लिए राज्य शिक्षा विभाग के कुकी-जोमी अधिकारियों को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह सर्वे पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हिंदू पक्ष की मांग स्पष्ट नहीं, हाईकोर्ट ने कमिश्नर सर्वे का दिया था आदेश

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर का सर्वे के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। मंगलवार को मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय लिया। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में दाखिल अस्पष्ट आवेदन पर भी सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने हिंदू पक्ष से कहा कि सर्वे कमिश्नर की नियुक्ति के लिए एक अस्पष्ट आवेदन दायर नहीं कर सकते हैं। इसका मकसद स्पष्ट होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर इस केस से जुड़े हुए हिंदू संगठन, भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और अन्य से जवाब मांगा है। इस केस पर अगली सुनवाई 23 जनवरी को होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सर्वे केस के अलावा ईदगाह से जुड़े अन्य सभी केस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई चलती रहेगी।

इससे पहले 14 दिसंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका स्वीकार करते हुए परिसर का सर्वे कराने के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष यानी वक्फ बोर्ड की उन दलीलों को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने याचिका को सुनने योग्य नहीं होने का दावा किया था।

लाइव लॉ के मुताबिक, वकील तहसीम अहमदी मुस्लिम पक्ष की तरफ से कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने तर्क दिया कि हाईकोर्ट को उस याचिका पर आदेश जारी नहीं करना चाहिए, जो कि 1991 वर्शिप एक्ट के तहत विचाराधीन है। वहीं, वादी वकील श्याम दीवान ने सुप्रीम कोर्ट के सर्वे पर रोक लगाने के आदेश के खिलाफ आपत्ति की। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ कुछ कानूनी पहलू हैं। इसके बाद कोर्ट ने आदेश पर रोक लगा ली।

प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम मोदी-आरएसएस का फंक्शन

राहुल बोले- इसे चुनावी कलेवर दिया गया, कांग्रेस से जो जाना चाहे जाए, मुझे धर्म का फायदा नहीं उठाना

कोहिमा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाला रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का फंक्शन है। इसे पूरी तरह से चुनावी कलेवर दिया गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को नगालैंड की राजधानी कोहिमा में ये बातें कहीं।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तीसरे दिन राहुल ने कहा, 22 जनवरी का कार्यक्रम एक राजनीतिक कार्यक्रम बन गया है। हिंदू धर्म के जो लीडर/ऑथारिटी हैं, उन्होंने कहा है कि वो इस राजनीतिक कार्यक्रम में नहीं जा पाएंगे। आरएसएस-बीजेपी ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को चुनावी कलेवर दे दिया है, इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष जी ने वहां जाने से इनकार किया था।

जहां तक धर्म की बात है, हम सभी धर्मों के साथ हैं। हम ये कहना चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी से जो भी जाना चाहे, वो जा सकता है। जो सचमुच धर्म को मानते हैं, वो धर्म के साथ 'पर्सनल रिश्ता' रखते हैं। वे अपने जीवन में धर्म का प्रयोग करते हैं। जो धर्म के साथ 'पब्लिक रिश्ता' रखते हैं, वो धर्म का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

राहुल ने कहा, मैं अपने धर्म का फायदा उठाने की कोशिश नहीं करता हूं, मैं अपने धर्म के सिद्धांतों पर जिंदगी जीने की कोशिश करता हूं। इसलिए मैं लोगों की इज्जत करता हूं, अहंकार से नहीं बोलता, नफरत नहीं फैलाता। ये मेरे लिए हिंदू धर्म है। हम नफरत और बंटा हुआ हिंदुस्तान नहीं चाहते हैं। हम मोहब्बत और भाईचारे का हिंदुस्तान चाहते हैं।

6 मेट्रो एयरपोर्ट्स पर वार रूम बनेंगे

उड़ानों में देरी पर सिविल एविएशन मिनिस्टर के नए नियम, डीजीसीए ने जारी की है एसओपी

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कोहरे के कारण उड़ानों में देरी को देखते हुए केंद्रीय सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को नए नियम जारी किए। इसके अनुसार सभी 6 मेट्रो एयरपोर्ट्स पर पैसेंजर्स की सुविधा के लिए वॉर रूम बनाए जाएंगे। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरू, चेन्नई और कोलकाता मेट्रो एयरपोर्ट्स हैं।

6 मेट्रो एयरपोर्ट्स पर दिन में तीन बार किसी भी घटना की रिपोर्टिंग करनी होगी। सीआईएसएफ की चौबीस घंटे मौजूदगी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा डीजीसीए के निर्देशों, एसओपी लागू करने पर निगरानी रखी जाएगी और इसकी रिपोर्टिंग की जाएगी। यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए कल सभी एयरलाइनों को स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) जारी की गईं है।

इंटरनेशनल डंकी नेटवर्क से जुड़े 9 लोग गिरफ्तार

इनमें 3 भारतीय, दिल्ली पुलिस ने 26 फर्जी पासपोर्ट और वर्क परमिट बरामद किए

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने इंटरनेशनल लेवल पर मानव तस्करी करने वाले डंकी नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 मानव तस्कर हैं, जबकि 3 गैरकानूनी रूप से विदेश जाने वाले नागरिक।

गिरफ्तार लोगों से 7 लैपटॉप और 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इसके अलावा पुलिस ने फेक पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट, नकली एजुकेशन सर्टिफिकेट, यूरोपीय देशों में काम करने का नकली वर्क परमिट, नकली बांग्लादेशी नोटरी डॉक्यूमेंट्स भी बरामद किए हैं।

4 जनवरी 2023 को पुलिस ने मयूर विहार इलाके से एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा। उसके साथ दो और बांग्लादेशी लोगों को पकड़े गए। पूछताछ के दौरान पुलिस ने उनसे वैध ट्रैवल डॉक्यूमेंट मांगे। लेकिन उनके पास फर्जी डॉक्यूमेंट मिले। उनके फोन चेक करने पर पता चला कि वे तस्करों के संपर्क में थे।

आरोपी बोले- यूरोपीय देश जाने की उम्मीद में भारत आए थे :

इस पूछताछ में तीनों के पास से कई भाषाओं के डॉक्यूमेंट्स मिले। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे इस उम्मीद से भारत में रह रहे थे कि यहां से किसी यूरोपीय देश निकल जाएंगे। वे एक डंकी नेटवर्क के जरिए भारत भेजे गए थे और दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे थे।

उन्होंने बताया कि बांग्लादेश की एक मैनपावर कंसल्टेंसी के साथ मिलकर तस्कर बड़े स्तर पर काम कर रहे थे। पुलिस ने तीनों पर कई धाराओं में एफआईआर की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच में तीन नए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं से पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बरामद किए।

इलाज के लिए एलएनजेपी अस्पताल में मनीष सिसोदिया!

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में कड़ी सुरक्षा वाली तिहाड़ जेल में बंद आप नेता मनीष सिसोदिया को आर्थोपेडिक इलाज के लिए एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। जेल के एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

सूत्र ने कहा कि सिसोदिया को जेल अस्पताल के डॉक्टर ने आर्थोपेडिक इलाज पर परामर्श के लिए अस्पताल रेफर किया था। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे उन्हें एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया। 10 जनवरी को दिल्ली की एक अदालत ने आप सांसद संजय सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 20 जनवरी तक बढ़ा दी थी। शराब घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के लिए सिसोदिया को पिछले साल 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने उन्हें उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 9 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था।

ईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुईं बीआरएस नेता के. कविता

जल्द फिर जारी हो सकता है समन

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय के नोटिस के बावजूद एजेंसी के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुईं।

गौरतलब है कि उन्हें दिल्ली शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बताया गया है कि कविता ने एक ईमेल के जरिए ईडी को पेश न होने की जानकारी दी थी।

उनके वकील नितेश राणा ने कहा था कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश है, जिसके तहत ईडी के. कविता को समन नहीं कर सकता। हालांकि, ईडी के सूत्रों ने बताया कि बीआरएस नेता को सर्वोच्च न्यायालय से सिर्फ अंतिरम राहत मिली थी, जो कि अब वैध नहीं है। माना जा रहा है कि एजेंसी जल्द ही उन्हें नया नोटिस जारी कर सकती है।

इससे पहले पिछले साल भी प्रवर्तन निदेशालय ने कविता को समन किया था। तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य कविता से दिसंबर 2022 में इसी मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पूछताछ की थी। 13 जनवरी को ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति में अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच में चौथी बार समन जारी किया था। केजरीवाल को 18 जनवरी को पेश होने को कहा गया है। इससे पहले तीन बार समन किए जाने के बाद भी केजरीवाल ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे।

गंगा सागर से लौट रहे 182 तीर्थयात्रियों को भारतीय तटरक्षक बल ने काकद्वीप के पास बचाया

काकद्वीप, 16 जनवरी (एजेंसियां)। गंगा सागर मेले में हिस्सा लेने आए तीर्थयात्री, जो नामखाना (काकद्वीप) के पास फंस गए थे, उन्हें बचाने के लिए भारतीय तटरक्षक बल ने एक त्वरित और सराहनीय बचाव अभियान चलाया। नामखाना, काकद्वीप के पास एक नौका पर फंसे लगभग 182 तीर्थयात्रियों को बचाने के लिए हल्दिया से होवरक्राफ्ट तैनात किए गए थे। यह घटना तब घटी, जब तीर्थयात्री मकर संक्रांति पर पवित्र स्नान के बाद गंगा सागर से लौट रहे थे, और बेहद कम दृश्यता के कारण नौका फंस गई थी।

जानकारी के मुताबिक तीर्थयात्रियों से भरी नौका खराब विजिबिलिटी के चलते एक अनिश्चित स्थिति में फंस गई। इसकी जानकारी तुरंत भारतीय तटरक्षक के बलों को दी गई। भारतीय तटरक्षक बलों ने मौके की नजाकत को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की। अपने अत्याधुनिक होवरक्राफ्ट के साथ तेजी से घटनास्थल पर पहुंचे और अपने तकनीकी कौशल से 182 तीर्थयात्रियों को बचाया।

यह घटना प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान समुद्री परिवहन के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करती है। ऐसी चुनौतियों को तेजी से और प्रभावी ढंग से निपटने में भारतीय तटरक्षक की क्षमता उनके कठोर प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों और नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दक्षता और वीरता से भरपूर यह बचाव अभियान नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू के पहले ही दिन 90 घायल

घायलों में 2 पुलिसकर्मी भी, मदुरै के अवनियापुरम में 841 बैल और 600 खिलाड़ी शामिल हुए

चेन्नई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में मकर संक्रांति पर पोंगल उत्सव मनाया जाता है। जल्लीकट्टू इसका ही एक हिस्सा है। मदुरै के अवनियापुरम में मट्टू पोंगल पर शुरू हुए पहले दिन के खेल में दो पुलिस कर्मियों समेत 90 लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल 9 लोगों को इलाज के लिए मदुरै के राजाजी अस्पताल में रेफर किया गया था।

अवनियापुरम में हुए जल्लीकट्टू में लगभग 841 सांडों और 600 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को अवनियापुरम जल्लीकट्टू उत्सव में एक कार दी गई। इस बार केवल पास वाले बैल मालिकों, काबू पाने वालों को ही अवनियापुरम जल्लीकट्टू में प्रवेश की अनुमति दी गई है।

क्या है जल्लीकट्टू का खेल

'जल्लीकट्टू' तमिल शब्द है। यह 'कालीकट्टू' से बना है। 'काली' का मतलब कॉइन यानी सिक्का और 'कट्टू' का मतलब बांधना होता है। पहले बैलों के सींग पर सिक्कों की पोटली बांध दी जाती थी और जीतने वाले को इनाम में वहीं पोटली मिलती थी। इसमें एक एंट्री गेट से बैलों को छोड़ा जाता है। जो शख्स 15 मीटर के दायरे में बैल को पकड़ लेता है, वह विजेता हो जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल कहा था- जल्लीकट्टू सांस्कृतिक विरासत :

2014 में सुप्रीम कोर्ट ने इस खेल पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने केंद्र से इस खेल को जारी रखने के लिए अध्यादेश लाने की मांग की। 2016 में केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी की और कुछ शर्तों के साथ जल्लीकट्टू के आयोजन को हरी झंडी मिल गई।

मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जहां पशु क्रूरता अधिनियम में बदलावों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई। इस बार पेटा ने फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका लगाई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मई 2023 में तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र में होने वाली बैलों की परंपरागत दौड़ पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा था कि तमिलनाडु में जल्लीकट्टू पिछली एक सदी से होता आ रहा है।

चंद्रबाबू नायुडू की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट जजों में मतभेद

मामला सीजेआई के पास भेजा, नायुडू ने स्किल डेवलपमेंट घोटाले में एफआईआर को चुनौती दी थी

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। 330 करोड़ के स्किल डेवलपमेंट घोटाले में आरोपी बनाए गए आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के जजों में मतभेद हो गया। फैसला सुनाते हुए जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी ने कहा कि सेक्शन 17ए पर हमारे अलग-अलग मत हैं, इसलिए उचित निर्देश के लिए केस को सीजेआई के पास भेजते हैं।

चंद्रबाबू ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने याचिका लगाई थी। इस केस के सिलसिले में नायुडू 53 दिन जेल में रहे थे। फिलहाल उन्हें आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट से जमानत मिली हुई है। फैसला सुनाते हुए जस्टिस त्रिवेदी ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 17ए की मंजूरी का अभाव एफआईआर रद्द करने का आधार नहीं हो सकता, खासकर जब आईपीसी के तहत अपराध भी दर्ज किए गए हों। वहीं जस्टिस बोस ने कहा कि टीडीपी प्रमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच करने के लिए पहले परमिशन लेने की जरूरत थी। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 17ए को 26 जुलाई 2018 से एक संशोधन के जरिए पेश किया गया था। इसमें प्रावधान है कि एक पुलिस अधिकारी को किसी लोकसेवक के द्वारा किए गए अपराध की जांच करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से परमिशन लेना जरूरी है। आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट ने 22 सितंबर 2023 को चंद्रबाबू की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। 17 अक्टूबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

नौकरी के बदले महिला से यौन संबंध बनाने की मांग करने पर अधिकारी बर्खास्त

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विकास निगम ने नौकरी के बदले एक महिला उम्मीदवार से यौन संबंध बनाने की मांग करने के आरोप में पुलिस द्वारा एक अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद उसे बर्खास्त कर दिया गया है।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मध्य प्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम ने सोमवार शाम को संविदा पर काम कर रहे कृषि उत्पादन अधिकारी संजीव कुमार तंतुवाय की सेवाएं समाप्त कर दीं। यह कार्रवाई इसलिए की गयी है क्योंकि उनके खिलाफ आरोप सही पाए गए हैं। बर्खास्तगी आदेश के अनुसार, शिकायत के बाद 13 जनवरी को ग्वालियर पुलिस की अपराध शाखा द्वारा अधिकारी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354-ए (शारीरिक संपर्क, यौन संबंधों की मांग सहित अवांछित यौन व्यवहार) के तहत मामला दर्ज किया गया। आदेश में कहा गया है कि निगम में एक पद के लिए तीन जनवरी को साक्षात्कार लेने के बाद आरोपी ने एक महिला उम्मीदवार को व्हाट्सएप पर संदेश भेजे, जिसमें उसने नौकरी के बदले में उससे यौन संबंध बनाने की मांग की थी।

माय लॉर्ड! इस दिन हमारे खिलाफ कोई भी आदेश पारित न हो। वकीलों ने क्यों लगाई गुहार?

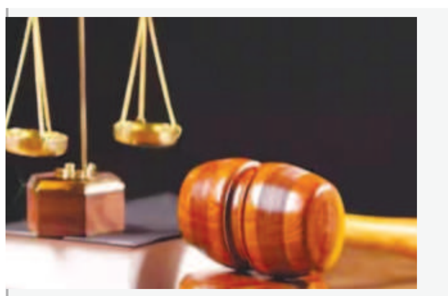

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते दिल्ली की अदालतों में वकीलों के पेश न होने को लेकर एक विशेष गुजारिश बार एसोसिएशन की तरफ से की गई है। नई दिल्ली बार एसोएशन ने पटियाला हाउस कोर्ट के इंजार्ज जज को इस बाबत पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि अगर उस दिन कोई वकील सुनवाई के लिए पेश नहीं हो सके तो उसकी अनुपस्थिति में कोई प्रतिकूल आदेश न जारी किया जाए। दरअसल, नई दिल्ली बार एसोसिएशन के सचिव ओएन शर्मा ने पटियाला हाउस के जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय गर्ग को पत्र लिखा है। इसमें उनकी तरफ से कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है। लिहाजा सभी ज्युडिशनल अधिकारियों से यह अनुरोध है कि अगर इस दौरान कोई वकील या वादी कोर्ट में सुनवाई पर हाजिर नहीं हो पाता है तो उसके प्रतिकूल यानि खिलाफ कोई आदेश न पारित किया जाए। बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है, जिसको लेकर न केवल रामनगरी बल्कि पूरे देश में जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। इस अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह वाले दिन पूरा परिसर संगीतमय रहेगा। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की बांसुरी तथा ढोलक से लेकर तमिलनाडु के मृदंग जैसे देशभर के विभिन्न शास्त्रीय वाद्ययंत्र बजाये जाएंगे। मंदिर न्यास की ओर से यह जानकारी दी गई। 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 22 जनवरी को भव्य समारोह के दौरान प्रस्तुति के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से संगीतकारों का चयन किया गया है। लोगों द्वारा ''अधूरे मंदिर'' में समारोह आयोजित को लेकर उठाये जा रहे सवालों पर राय ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं किसी भी आलोचना का जवाब नहीं दूंगा।'' उन्होंने कहा कि मंदिर में रामलला की मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा' का कार्यक्रम दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और दोपहर एक बजे तक इसके पूरा होने की उम्मीद है। राय ने बताया कि यह समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंदिर न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की गरिमामय उपस्थिति में होगा।

वी सोमन्ना ने अमित शाह-जेपी नड्डा से की मुलाकात

राज्यसभा सीट और 3 लोकसभा सीटों का मांगा प्रभार

बेंगलूरु, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक बीजेपी में महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। लिंगायत नेता वी सोमन्ना ने पार्टी आलाकमान से मुलाकात की है। उन्होंने कर्नाटक से राज्यसभा सीट के साथ-साथ आगामी चुनावों में तीन लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी की मांग की है। यह घटनाक्रम लगभग एक महीने बाद आया है, जब उन्होंने घोषणा की थी कि वह 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में दो सीटों पर अपनी हार पर चर्चा करने के लिए पार्टी आलाकमान से मिलेंगे। सोमन्ना ने शनिवार और रविवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। साथ ही उन्होंने अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। शिकारीपुरा विधायक बीवाई विजयेंद्र और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे को कर्नाटक भाजपा प्रमुख के रूप में नियुक्त करने पर भी चर्चा की। पार्टी ने तुमकुर निर्वाचन क्षेत्र से 2024 के लोकसभा चुनाव लड़ने की सोमन्ना की आकांक्षाओं पर पहले ही पर्दा डाल दिया है। सोमन्ना ने अब पार्टी आलाकमान से उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य बनाने की मांग की है। कर्नाटक से चार राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल 2 अप्रैल को खत्म हो जाएगा। चार सीटों में से तीन पर कांग्रेस और एक पर बीजेपी का कब्जा है।

सीएम भगवंत मान को जान से मारने की मिली धमकी

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने की हिमाकत

चंडीगढ़, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जान से मारने की धमकी मिली है। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भगवंत मान को जान से मारने की धमकी दी है। आगामी 26 जनवरी को मुख्यमंत्री भगवंत मान पर हमला करने के लिए खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने गैंगस्टर को साथ आने को कहा है।

इतना ही नहीं, पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को भी जान से मारने की धमकी दी गई है। बताया जा रहा है कि खालिस्तानियों और गैंगस्टर पर हो रही लगातार कार्रवाई से पन्नू समेत अन्य गैंगस्टर और खालिस्तानी समर्थक बौखला गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान को दी गई धमकी इसी का उदाहरण है। बता दें कि पंजाब पुलिस ने गैंगस्टर और खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपना रखी है और बीते कुछ समय से ताबड़तोड़ एक्शन देखे जा रहे हैं। खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून की यह धमकी उस धमकी के एक सप्ताह बाद आई है, जब उसने 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर के अभिषेक समारोह पर भारत सरकार को धमकी दी थी। उसने मुस्लिम समुदाय से इस समारोह का विरोध करने का भी आग्रह किया था।

पंजाब सरकार से सीखे हरियाणा, फ्री बिजली के बाद भी हो रहा मुनाफाः पूर्व सांसद सुशील गुप्ता

चंडीगढ़, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब से राज्यसभा के पूर्व सांसद और आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुशील गुप्ता ने हरियाणा की बिजली समस्या को लेकर राज्य की मनोहर लाल खट्टर सरकार को घेरा है। आप नेता ने कहा दिल्ली और पंजाब फ्री बिजली है और 24 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। वहीं उसके पड़ोसी राज्य हरियाणा में लंबे समय तक बिजली कटौती होती है और महंगी बिजली के कारण राज्य के लोग परेशान हैं। आप ने कहा हरियाणा के लोग चाहते है कि राज्य में बढ़े हुए और महंगे बिजली बिल सरकार द्वारा माफ कर दिए जाएं। गलत बिजली बिल से हरियाणा के लोग बहुत परेशान हैं। इतना ही नहीं गलत बिलली का बिल ठीक करवाने के लिए लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है।

सुशील गुप्ता ने कहा कई वर्षों तक किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन नहीं लगते और सरकार किसानों को चोर समझती है। तार कट के नाम पर किसानों के बिजली कनेक्शन काट देती है। आप नेता ने कहा आज हरियाणा के गांवों में जो लंबे-लंबे कट लग रहे हैं, उस पर सीएजी ने भी मुहर लगा दी है। 2015-16 से लेकर आज तक बिजली विभाग को 15,576 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। सीएजी ने साफ लिखा है कि सरकार की कमजोर प्लानिंग की वजह से हरियाणा में बिजली व्यवस्था का बुरा हाल है।

सारंगपुर के खेतों में दिखा तेंदुआ, दहशत में किसान, खेत-खलिहान जाना बंद किया

राजगढ़, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सारंगपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगली क्षेत्र में तेंदुआ दिखाई दिया है। इसके बाद से जिन किसानों के आसपास खेत-खलिहान है, उनमें दहशत का माहौल है। वे वहां जाने से भी डर रहे हैं। तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक सारंगपुर के बाईपास रोड पर स्थित रफीक पटेल के खेत पर देर रात एक तेंदुए को देखा गया है। इसका वीडियो भी मोबाइल में कैद किया गया है। बताया जा रहा है कि लगभग आठ दिन से सारंगपुर की उप-जेल से लेकर कच्ची खेड़ी जटपुरा सारंगपुर बाईपास पर तेंदुआ लगातार विचरण कर रहा है। तेंदुए की दहशत से किसान अपनी फसलों के लिए अपने खेत पर नहीं जा पा रहे हैं।

'यह हमारे लिए बड़ा अवसर'

दावोस रवाना होने से पहले बोले महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उद्योग मंत्री उदय सामंत और 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार सुबह दावोस में विश्व आर्थिक मंच के लिए रवाना हुए, जहां उनके महाराष्ट्र में 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से 20 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है। सीएम शिंदे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'डब्ल्यूईएफ 2024 में दुनिया भर से लोग और कंपनियां शामिल होंगी और इस तरह यह हमारे लिए एक बड़ा अवसर है।'

क्या बोले सीएम एकनाथ शिंदे?

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2024 में भाग लेने के लिए दावोस रवाना होने से पहले आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाराष्ट्र को प्रदर्शित करने का एक बड़ा अवसर है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दुनिया भर से लोग और कंपनियां डब्ल्यूईएफ 2024 में भाग लेंगी, और इस प्रकार यह हमारे लिए एक बड़ा अवसर है।

सीएम शिंदे ने कहा, मैं 15 से 19 जनवरी तक स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित होने वाले विश्व आर्थिक सम्मेलन के लिए आज रवाना हुआ। इससे पहले उन्होंने इस दौरे को लेकर मीडिया से बातचीत की।

इस कॉन्फ्रेंस के जरिए तीन लाख दस हजार करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे। इस मौके पर उन्होंने यह भी कहा कि वह दूसरे देशों के मंत्रियों के साथ-साथ बड़ी कंपनियों और वित्तीय संस्थानों से भी चर्चा कर राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश लाने की पूरी कोशिश करेंगे।

दावोस यात्रा को लेकर विपक्ष की आलोचना पूरी तरह से बेबुनियाद है क्योंकि इस यात्रा में कोई फिजूलखर्ची नहीं हुई है और खर्च होने वाले एक-एक रुपये का ब्योरा आम जनता के सामने लाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य सरकार के दावोस दौरे के प्रतिनिधिमंडल के सहकर्मी उपस्थित थे।

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट होने से 6 लोग घायल दो की हालत गंभीर

बेंगलुरु, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में मंगलवार को एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने से कम से कम 6 लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है और दोनों को विक्टोरिया अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। अन्य घायल मरीजों का फिलहाल येलहंका सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि येलहंका में लाल बहादुर शास्त्री लेआउट के एक आवास में रखे सिलेंडर में विस्फोट हुई जिससे पड़ोस के पांच घर भी इसके चपेट में आ गए। यह घटना येलहंका पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। पांच घायल व्यक्तियों की पहचान वसीया बानू, सलमा, शहीद, असमा और अफरोज के रूप में की गई है। छठे व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मोदी सरकार विजय माल्या, नीरव मोदी

संजय भंडारी जैसे भगोड़ों को लाएगी देश में वापस, एनआईए, ईडी और सीबीआई मिलकर करेंगी सर्जिकल स्ट्राइक

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मोदी सरकार देश के साथ करोड़ों-अरबों की ठगी करने वाले और देश छोड़कर विदेशों में छुपे हुए, जालसाजों को उनके सिखचों से खिंचकर स्वदेश लाने की तैयारी में जुट गई है। जी हां, भारत सरकार ने उन चूनाबाजों को देश वापस लाने के लिए कमर कस ली है, जिन्होंने देश के करोड़ों करदाताओं की गाढ़ी कमाई को लेकर विदेश चंपत होने का काम किया है। सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर किये एक पोस्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है, रक्षा डीलर संजय भंडारी, हीरा व्यापारी नीरव मोदी और किंगफिशर एयरलाइंस के प्रमोटर विजय माल्या सहित भारत के सर्वाधिक वांछित भगोड़ों के प्रत्यर्पण में तेजी लाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय टीम जल्द ही लंदन जाएगी। बताया जा रहा है कि सरकार देश से घपला करके विदेश भागने वालों की जल्दी वापसी के लिए तेजी से काम करने का मूड बना रही है। इसके अलावा जांच एजेंसियों की टीमे लंदन में आराम फरमा रहे सभी भगोड़ों की अवैध कमाई का पता लगाने का प्रयास करेंगी, जो उन्होंने भारत से लूट गये पैसों से ब्रिटेन सहित अन्य देशों में खरीदी है। खबरों के अनुसार भगोड़ों को विदेश से लाने वाले दल की अगुवाई विदेश मंत्रालय के एक

वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं। इसके लिए लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने वहां के अधिकारियों के साथ बैठकें भी तय कर ली हैं। भारत से जा रहे अधिकारियों की कोशिश होगी कि वो इन बैठकों में उन सबूतों को इकट्ठा करेंगे, जिनसे पता चल सके कि इस सभी भगोड़ों ने लंदन में कितनी संपत्ति जमा की है और उनके बैंक खातों में किस तरह के लेनदेन हुए हैं। मालूम हो कि हथियार डीलर संजय भंडारी साल 2016 में फरार है। इससे पहले आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने यूपीए सरकार के दौरान हुए कई रक्षा सौदों की जांच शुरू की थी।

आसमान छूने वाले जेट एयरवेज के नरेश गोयल की दयनीय हालत

वायरल तस्वीरों में दिखी मजबूरी, जेल में मरने देने की कर चुके अपील

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल कभी देश के टॉप के अमीरों की लिस्ट में शामिल थे पर आज उनकी बुरी हालत के बारे में वायरल तस्वीरों से पता चल रहा है और वो बेहद दयनीय स्थिति में हैं। बंद पड़ी एयरलाइन जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल बीते शनिवार यानी 13 जनवरी को आर्थर रोड जेल से बाहर आए। उन्हें उनकी बीमार पत्नी को देखने के लिए मानवीय आधार पर कोर्ट ने बाहर जाने की मंजूरी दी। नरेश गोयल की तस्वीरें तभी से वायरल हैं और उनकी हालत देखकर आंखों पर यकीन नहीं हो रहा कि कभी आसमान छूने वाले उद्यमी नरेश गोयल इस समय कितनी बुरी हालत में हैं। इससे पहले शनिवार 6 जनवरी को स्पेशल कोर्ट के सामने पेशी के दौरान उनकी आंखों में आंसू थे और वह बोले- मैं जिंदगी की हर उम्मीद छोड़ चुका हूं। ऐसी स्थिति में जीने से अच्छा होता कि जेल में ही मुझे मौत आ जाए।

बिट्स गोवा के छात्रों को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया सामुदायिक सेवा देने का आदेश

चोरी करते पकड़े गए थे

गोवा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा में बॉम्बे हाई कोर्ट ने निलंबन को रद्द कर दिया और बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, गोवा में पढ़ने वाले दो छात्रों को प्रतिदिन दो महीने और दो घंटे सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया। कथित तौर पर छात्रों को कॉलेज परिसर में स्टॉलों से चॉकलेट, पेन, डेस्क लैंप सहित कुछ सामान चोरी करते हुए पकड़ा गया था। वुरिबिंदी मोक्षिथ रेड्डी और करी किशोर रामचंद्र रेड्डी, जिनकी उम्र क्रमशः 18 और 19 वर्ष है, तीन अन्य लोगों के साथ चोरी करते पकड़े गए। प्रारंभ में सभी पांच छात्रों को सेमेस्टर आई (2023-24) और दो आगे सेमेस्टर के दौरान पंजीकरण से वंचित कर दिया गया था। हालाँकि, अपीलीय प्राधिकारी ने तीन अन्य छात्रों पर सेमेस्टर रद्द करने का जुर्माना हटा दिया, लेकिन 50,000 का जुर्माना बरकरार रखा। याचिकाकर्ताओं सहित पांच छात्रों ने स्वीकार किया कि उन्होंने स्टालों से चिप्स और चॉकलेट जैसी कुछ खाने की चीजें और मोबाइल फोन स्टैंड और स्पीकर जैसी अन्य चीजें उठाईं, लेकिन दावा किया कि उन्हें लगा कि ये वस्तुएं स्टालों पर छोड़ दी गई हैं। इन सभी ने न सिर्फ तुरंत सामान लौटाया बल्कि लिखित में माफी भी मांगी। हालाँकि, दो याचिकाकर्ताओं के मामले में, निदेशक ने निलंबन को रद्द करने और 50,000 के जुर्माने को बरकरार रखा, जिससे उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली गोवा डिवीजन बेंच ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि उच्च न्यायालय के कहने के बावजूद, संस्थान के निदेशक और वरिष्ठ प्रोफेसर ने दी गई सजा को संशोधित करने से इनकार कर दिया और दावा किया कि इस स्तर पर सजा में कोई भी कमी नहीं की जाएगी। छात्रों को संस्थान द्वारा दिए गए निर्णयों के खिलाफ अदालत के हस्तक्षेप की मांग करने के लिए प्रोत्साहित करें, जो संस्थान की समय-परीक्षित अनुशासनात्मक प्रणाली को कमजोर करता है।

ट्रेन-फ्लाइट के बाद अब मुंबई मेट्रो सेवा ध्वस्त, ट्रैक पर पैदल चलते दिखे लोग

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। आपने ट्रेनों के लेट से चलने की बात तो कई बार सुनी होगी। बीते कई दिनों से फ्लाइट भी देरी से चल रही हैं, लेकिन अब मायानगरी मुंबई में मेट्रो सेवा भी लड़खड़ा गई है। मुंबई मेट्रो की 7 लाइन पर दहिसर से कांदिवली के बीच कई ट्रेनें फंस गई हैं। इसके बाद से अप और डाउन दोनों लाइन की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। वहीं मेट्रो सेवा काफी समय से बंद होने के कारण यात्री परेशान हैं।

मेट्रो ट्रैक पर चल रहे लोग

बता दें कि एकसार रोड स्टेशन के पास मेट्रो खराब हो गई। इसके बाद मेट्रो में सवार यात्री भी किसी तरह से बाहर निकले और यात्री मेट्रो के ट्रैक पर ही चलते हुए दिखाई दिए। इसका वीडियो भी सामने आया है। पूरा मामला आज सुबह 8:30 बजे का है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर एक और वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ यात्री एयरपोर्ट के रनवे पर बैठे हुए दिख रहे हैं। यह वीडियो भी मुंबई एयरपोर्ट का ही बताया जा रहा है। दरअसल इन यात्रियों की उड़ान पहले घंटों तक डिले हुई जिसे बाद में डायवर्ट कर दिया गया। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स ने दावा किया कि, गोवा से दिल्ली के बीच उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट बीते 14 जनवरी को 18 घंटे डिले रही, जिसे बाद में मुंबई डाइवर्ट कर दिया गया। इसके अलावा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक अन्य वीडियो में एक पायलट यात्रियों के सामने कुछ अनाउंसमेंट कर रहा होता है तभी पीछे से पीले रंग की हुडी पहना एक शख्स आता है उसे मुक्का मार देता है। इसके बाद वह पायलट से कहता है, 'चलाना है चला, नहीं चलाना है मत चला, खोल गेट।' इसके बाद एक एयर होस्टेस कहती हुई सुनाई दे रही है कि आपने जो भी किया गलत किया। इस बात को सुनकर वह शख्स फिर से कहता है कि हम कितनी देर से बैठे हैं।

दिल्ली में फिर दिखा रफ्तार का कहर, दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में एक शख्स की मौत

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में दो कारों के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक शख्स की मौत हो गई जबकि 4 लोग बुरी तरह घायल हैं। पुलिस ने बताया कि उत्तरी दिल्ली में सलीमगढ़ रोड के पास मंगलवार तड़के दो कारों की टक्कर हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। मृतक की पहचान गौरव मल्होत्रा के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि एक तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर देर रात 1:30 बजे विपरीत दिशा से आ रही दूसरी कार से टकरा गई। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में 4 लोग घायल हुए हैं जिसमें एक की हालत गंभीर है।

'सत्येंद्र और केजरीवाल पर सुकेश ने फोड़ा 'लेटर बम', सीबीआई-एलजी से की शिकायत

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। करीब 200 करोड़ की ठगी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने एक और बड़ा बम फोड़ा है। सुकेश चंद्रशेखर ने सीबीआई और दिल्ली एलजी को दी शिकायत में दावा किया है कि उसने सतेन्द्र जैन, अरविंद केजरीवाल और पूर्व डीजी तिहाड़ संदीप गोयल को घूस के तौर पर लाखों रुपए दिए हैं। ठग सुकेश ने अपनी शिकायत में दावा किया है

कि उसने सत्येंद्र जैन, अरविंद केजरीवाल और पूर्व डीजी तिहाड़ संदीप गोयल को घुस के तौर पर लाखों रुपए दिए हैं। महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक लेटर सीबीआई को दी है, जिसमें सतेन्द्र जैन, अरविंद केजरीवाल और एक्स डीजी तिहाड़ सन्दीप गोयल के खिलाफ शिकायत है। इसमें सतेन्द्र जैन की महाठग सुकेश के साथ बातचीत के चैट्स के तीन स्क्रीन शॉट्स लगाए हैं। इतना ही नहीं, सुकेश चंद्रशेखर ने दूसरी शिकायती पत्र एलजी विनय कुमार सक्सेना को दी है, जिसमें जांच की बात की है। उसने आरोप लगाया है कि उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को लाखों की रिश्वत दी थी।

पहले भी कर चुका है शिकायत

इससे पहले भी सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के एलजी को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शिकायत की थी। इसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की उस शिकायत को धमकी की कार्रवाई के लिये केंद्रीय गृह

मंत्रालय के पास भेज दिया था, जिसमें उसने अपने अधिवक्ता को धमकी भरे कॉल मिलने के संबंध में शिकायत की थी। मनी लॉन्ड्रिंग और विभिन्न लोगों को ठगने के आरोप में फिलहाल दिल्ली की जेल में बंद चंद्रशेखर ने पिछले साल आठ जुलाई को उपराज्यपाल को दी शिकायत में दावा किया कि उसके अधिवक्ता अनंत मलिक को धमकी भरे फोन आ रहे हैं।

शिकायत में क्या कहा था

ठग सुकेश चंद्रशेखर ने अपनी शिकायत में कहा था कि वकील अनंत मलिक को 'मुख्यमंत्री (अरविंद) केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व गृह मंत्री सत्येन्द्र जैन की ओर से बोलने का दावा करने वाले लोगों से धमकी भरे फोन आए थे।' चंद्रशेखर ने अपनी शिकायत में दावा किया कि फोन करने वाले ने कथित तौर पर मंडोली जेल में उन्हें परोसे जाने वाले भोजन में जहर मिलाने की धमकी दी थी।

किस मामले में आरोपी है सुकेश

ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच की जा रही 200 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश चंद्रशेखर मुख्य आरोपी है। वह कई अन्य मामलों में भी आरोपी है, जिसकी जांच ईडी, दिल्ली पुलिस और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा की जा रही है। चंद्रशेखर और उसकी पत्नी लीना मारिया पॉल दोनों को दिल्ली पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस और ईडी की आर्थिक अपराध शाखा मामले की जांच के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, नोरा फतेही और अन्य कई नाम भी सामने आए थे।

माणिपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मोरेह एसडीपीओ की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

इंफाल, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसा अभी जारी है। मोरेह के एक उपसंभागीय पुलिस अधिकारी की हत्या में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को विशेष कमांडो टीम ने सोमवार शाम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मोरेह कॉलेज के पास गश्त के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा, जिन्होंने सुरक्षाकर्मियों के वाहनों पर गोलियां चलाईं और मकानों में जाकर छिप गए।

सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और मोरेह कॉलेज के पास घरों को घेर लिया। बाद में, दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया। उनके कब्जे से एक आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद जब्त होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, महिलाओं के एक समूह ने मोरेह पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया। इन लोगों ने दोनों व्यक्तियों की रिहाई की मांग की।

सुविचार

गीता में लिखा है जो
तुम्हारा साथ दे तुम
उसका साथ दो जो
तुम्हें त्याग दे उसे
तुम भी त्याग दो..!!

हाल ही में कांग्रेस में आईं शर्मिला को मिली आंध्र की कमान, प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा और आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को हाल ही लगातार दो बड़े झटके लगे। पहले, कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने साथ छोड़ा। फिर, आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष पद से गिदुगु रुद्र राजू ने इस्तीफा दे दिया। ऐसे में अब कांग्रेस पार्टी ने आंध्र प्रदेश में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने वाई एस शर्मिला रेड्डी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। बता दें, शर्मिला सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन हैं।

गौरतलब है, वाईएस शर्मिला इस महीने की शुरूआत में कांग्रेस में शामिल हुई थीं। दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी की मौजूदगी में उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा था।

पार्टी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस बात की जानकारी दी। पार्टी ने बताया, कांग्रेस अध्यक्ष ने वाईएस शर्मिला रेड्डी को तत्काल प्रभाव से आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, राजू को कांग्रेस कार्यसमिति का विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है।

पहले से तय था अध्यक्ष बनना

पहले से ही ये कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस शर्मिला को आंध्र प्रदेश की कमान सौंप सकती है। दरअसल, आंध्र प्रदेश के कांग्रेस तत्कालीन अध्यक्ष राजू ने 15 जनवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। ये इस्तीफा आलाकमान के इशारे पर हुआ था। पार्टी ने पहले ही शर्मिला की ताजपोशी की स्क्रिप्ट लिख ली थी।

खड़गे से की मुलाकात :

आंध्र प्रदेश में कांग्रेस नेताओं को पिछले साल नवंबर में तेलंगाना विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद राज्य में पार्टी की संभावनाओं की उम्मीद है। कांग्रेस ने तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति को सत्ता से बेदखल कर दिया।

आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ होंगे, जो इस साल अप्रैल-मई में संभावित हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद शर्मिला ने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की।

जाना माना चेहरा है वाईएस शर्मिला :

शर्मिला राजनीतिक परिवार से हैं और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की राजनीति का जाना-माना चेहरा हैं। उनके पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी अविभाजित आंध्र प्रदेश के सबसे बड़े नेताओं में शामिल थे। वाईएस शर्मिला ने हाल ही में हुए तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। उन्होंने चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कथित भ्रष्ट और जनविरोधी शासन को खत्म करने के लिए कांग्रेस को समर्थन देने की बात कही थी।

राम मंदिर सभी हिंदुओं का: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने उस विवाद पर अपने विचार व्यक्त किए जो चार शंकराचार्यों द्वारा 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने के फैसले के बाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि राम मंदिर सभी हिंदुओं का है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) श्धार्मिक राजनीतिश् में लगी हुई है। उद्घाटन से कुछ दिन पहले, तेलंगाना के सीएम ने उल्लेख किया कि वह तेलंगाना के भद्राचलम में राम मंदिर का दौरा करते थे, और उन्हें अयोध्या में राम मंदिर से कोई अंतर नहीं मिला। सोमवार को सीएम ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे से मुलाकात की। उन्होंने डब्ल्यूईएफ के आयोजकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ तेलंगाना में निवेश के अवसरों के बारे में भी चर्चा की। बाद में, रेवंत रेड्डी ने इथियोपिया के उप प्रधान मंत्री डेमेके हसन से मुलाकात की।विश्व आर्थिक मंच का 54वां वार्षिक सम्मेलन स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रहा है।

माइंडस्पेस आरईआईटी ने भरोसा केंद्र के लिए दो करोड़ रुपये

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआर फंड के लिए डिमांड ड्राफ्ट अविनाश नाश मोहंती, साइबराबाद पुलिस आयुक्त और एससीएससी के महासचिव रमेश काजा को आयुक्त कार्यालय में एक सादे कार्यक्रम में श्रवण गोन, मुख्य परिचालन अधिकारी (तेलंगाना और एपी) द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रवण गोन ने कहा कि "माइंडस्पेस आरईआईटी", महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ सामुदायिक सेवा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है। पोषण संबंधी वातावरण प्रदान करने के महत्व को पहचानते हुए, हम असाधारण सुविधाओं वाला एक केंद्र बनाने के लिए समर्पित हैं जहां महिलाएं न केवल आरामदायक महसूस करती हैं और उनकी अच्छी तरह से देखभाल की जाती है बल्कि उनकी बात भी सुनी जाती है।

इस सुविधा के निर्माण में हमारा योगदान गर्व का स्रोत है क्योंकि इसका उद्देश्य हमारे समुदाय में महिलाओं का उत्थान और सशक्तीकरण करना है। यह उन समुदायों में मूल्य जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिनमें हम काम करते हैं। रमेश काजा ने कहा कि जब महिला सुरक्षा की बात आती है तो एससीएससी हमेशा सबसे आगे रहता है और महिलाओं को उनकी शिकायतों के निवारण के लिए स्थायी सुविधा प्रदान करने की दिशा में यह एक और महत्वपूर्ण कदम है। एससीएससी माइंडस्पेस आरईआईटी को धन्यवाद देना चाहता है जिसने आगे आकर सुविधा की लागत का वित्तपोषण करने का निर्णय लिया है। अविनाश मोहंती, साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने कहा कि "माइंडस्पेस आरईआईटी" ने समाज के लाभ के लिए कई पहल की हैं और यह इमारत संकटग्रस्त महिलाओं के लिए संपर्क सुविधा का एक बिंदु बन जाएगी। इस इमारत में भरोसा सहायता केंद्र शामिल होगा महिलाएं और बच्चे। इसका उद्देश्य निजी और सार्वजनिक स्थानों पर, परिवार के भीतर, समुदाय और कार्यस्थल पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं का समर्थन करना है। उम्र, वर्ग, जाति के बावजूद शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक शोषण का सामना करने वाली महिलाएं , शिक्षा की स्थिति, वैवाहिक स्थिति, नस्ल और संस्कृति को परामर्श, कानूनी सहायता आदि जैसी विशेष सेवाओं के साथ समर्थन और निवारण की सुविधा प्रदान की जाए

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

(1) निविदा सं. 30245066, दिनांक : 10.01.2024

कार्य का नाम : (1) RDSO विनिर्देश सं.ETI/PSI/14 (1/86) REV-1 के अनुसार सपोर्ट इन्सुलेटर के साथ DO Fuse असेम्बली-88 संख्यक। (2) RDSO विनिर्देश सं.ETI/PSI/14(1/86) REV-1 अथवा तत्समान के अनुसार सपोर्ट इन्सुलेटर के साथ DO Fuse असेम्बली-08 संख्यक । मात्रा : 96 संख्यक, TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 90 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

वारंटी अवधि : सीनियर सेक्शन इंजीनियर/आरआरडी/पीएसआई/जगदलपुर एवं सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ओएचई/सिह्माचलम नॉर्थ/विशाखापट्टनम में सुपुर्दगी की तारीख से 30 महीने।

(2) निविदा सं. 30245082, दिनांक : 10.01.2024

कार्य का नाम : स्मार्ट कंट्रोलर एवं लैपटॉप के साथ ड्रोन कैमरा Mavic 3T, मेक : KAM/IDEAFORGE/TECHNOEAGLE INNOVATIONS (इन्टेल कोर i5 प्रोसेसर 16 GB DDR4-3200 RAM 512 GB SSDD हार्ड ड्राइव 2GB ग्राफिक कार्ड, लैपटॉप मेक DELL/HP/ASuS)। मात्रा : 04 सेट, TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 45 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

वारंटी अवधि: सीनियर सेक्शन इंजीनियर / कैरिज एवं वैगन / बीडी / विशाखापट्टनम में सुपुर्दगी की तारीख से 30 महीने।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.02.2024 को 1500 बजे। (दोनों निविदा के लिए)

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-984/O/23-24

अग्रवाल समाज गच्ची बावली व महिला शाखा की मकर संक्रांति उत्सव

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा एवं महिला विंग की मकर संक्रांति एवं नव वर्ष उत्सव एस एम आर आईकॉनिया कोंडापुर हैदराबाद में धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर हाल को मकर संक्रांति के उत्सव की तरह सजाया गया। सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन की पूजा अर्चना की गई, महिला विंग शाखा की अध्यक्षा कमलेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अंजना टिंबरेवाल, एवं पूर्व अध्यक्ष गीता अग्रवाल आदि ने आगुंतकों का तिलक लगाकर सम्मानित किया।

अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इसमें म्यूजिकल नाइट पर्सनल सिंगर के द्वारा बॉलीवुड म्यूजिक पर प्रस्तुत की गई जिसमें सदस्यों के द्वारा अनेक गानों पर अग्र बंधुओ ने ठुमके लगाकर आनंद लियाद्य इस अवसर पर तेलंगाना अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल ने आकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मनीष अग्रवाल ने मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए सभी अग्र बंधुओं से अनुरोध किया कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने को लेकर पूरा भारत एवं विश्व रोमांचित है। हमें अपने घर में दीपावली जैसा उत्सव मनाना चाहिए। शाखा अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल द्वारा तेलंगाना अध्यक्ष को शॉल उढा कर सम्मानित किया गया। गच्ची बावली शाखा मानद मंत्री कृष्ण प्रकाश अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष, संस्थापक) ने तेलंगाना अध्यक्ष मनीष अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंट किया। अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल का सम्मान कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल एवं संतोष टांटिया द्वारा किया गया गया। मानद मंत्री कृष्ण प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि शाखा 1%वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इसमें लगातार सदस्यों की संख्या संख्या बढ़ती जा रही है।

विभिन्न प्रकार के गेम मीतू सिंगला, अजय संघी-कीर्ति संघी, शिवानी अग्रवाल और रिशु अग्रवाल ने शानदार तरीके से कराए। इसमें प्रकाश अग्रवाल, अंकिता अग्रवाल, मीतू सिंगला, अनीता अग्रवाल विजयी रहे ,विजय केडिया , गीता अग्रवाल, वरुण अग्रवाल आदि ने गीत कविता भजन आदि सुनाकर सभी को मंत्र मुक्त कर दिया, सदस्यों को सहयोग पात्र योजना के अन्तर्गत धन पात्र वितरित किये गए। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल एवं संतोष टाटिया को कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए सम्मानित किया गया।

राजा सिंह ने हैदराबाद कमिश्नर को लिखा पत्र

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने मंगलवार, 16 जनवरी को हैदराबाद पुलिस आयुक्त को एक शिकायत पत्र में आरोप लगाया कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से धमकी भरे फोन आ रहे हैं और उन्होंने तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया। राजा सिंह ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्हें पिछले तीन दिनों से विभिन्न अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कॉल आ रही थीं, जहां कॉल करने वालों ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने और उनके बेटे का अपहरण करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस साल शहर में श्री राम नवमी शोभा यात्रा के आयोजन के खिलाफ भी चेतावनी दी गई थी। कॉल के स्क्रीनशॉट संलग्न करते हुए, सिंह ने कहा कि उन्होंने पुलिस को कई मौखिक और लिखित शिकायतें सौंपी थीं, हालांकि, कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एनके सिंह की माता सावत्री देवी जी की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भाग लेते हुए चंदेश्वर प्रसाद (सांसद जहानाबाद) बागी वर्मा (विधायक), पूर्व कृषि मंत्री प्रेम कुमार, महेश यादव जिला पार्षद, रवि कुमार सिंह व अन्य। अतिथियों का सम्मान एनके सिंह, मनोहर सिंह, नंदकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह, गौरव सिंह, सौरव सिंह, शंकर प्रसाद सिंह, रामजी सिंह, विनय सिंह, अवाम अन्य परिवार के लोगों ने किया।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-PromoKi-001

(1) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-PrKiosk-41-24-1 (Misc-Static-Services-Promotional Kiosk)

कार्य का नाम : संलग्न दस्तावेज में उल्लेखित अनुसार चिन्हित स्थान में विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में प्रमोशनल कियोस्क के जरिए व्यावसायिक विज्ञापन/प्रमोशनल गतिविधि। (प्लेटफॉर्म नं.1 में फाटक नं.2 के निकट अपर क्लास प्रतीक्षा प्रकोष्ट के सामने)।

(2) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-CHE-PrKiosk-43-24-1 (Misc-Static-Services-Promotional Kiosk)

कार्य का नाम : संलग्न दस्तावेज में उल्लेखित अनुसार चिन्हित स्थान में श्रीकाकुलम रेलवे स्टेशन में प्रमोशनल कियोस्क के जरिए व्यावसायिक विज्ञापन / प्रमोशनल गतिविधि। (748/34 के निकट प्लेटफॉर्म नं.2)।

(3) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VZM-PrKiosk-42-24-1 (Misc-Static-Services-Promotional Kiosk)

कार्य का नाम : संलग्न दस्तावेज में उल्लेखित अनुसार चिन्हित स्थान में विजयनगरम रेलवे स्टेशन में प्रमोशनल कियोस्क के जरिए व्यावसायिक विज्ञापन / प्रमोशनल गतिविधि। (प्लेटफॉर्म नं.4/5 में स्थान नं.1)।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 24.01.2024 को 1100 बजे (सभी क्रम संख्या हेतु), लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 24.01.2024 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु) एवं 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु)।

न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-985/O/23-24

सरकार को सिरिसिल्ला पावरलूम उद्योग का समर्थन करना चाहिए: केटीआर

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने सरकार को पावर लूम कपड़ा उद्योग के लिए पिछली सरकार द्वारा किए गए कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए कहा है, ताकि यह संकट में न आए। उन्होंने सिरिसिल्ला पावर लूम इंडस्ट्री पर ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में इंडस्ट्री का विकास हुआ है। इसका मुख्य कारण भारत सरकार द्वारा दिया गया सहयोग है। उन्होंने कांग्रेस सरकार से पावरलूम उद्योग के साथ खड़े होने और इसे मजबूत करने के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोग से तमिलनाडु के तिरुपुर के कपड़ा उद्योग के साथ बराबरी से प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों में इस सेक्टर को लेकर जो खबरें आ रही हैं वो चिंताजनक हैं। अगर सरकार ने तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दी, तो इंडस्ट्री गंभीर संकट में चली जाएगी।

ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद का वार्षिक समारोह के लिए बैठक संपन्न

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद द्वारा आगामी वार्षिक समारोह का आयोजन हेतु प्रेमशंकर सिंह (कोषाध्यक्ष, ब्रह्मर्षि समाज, हैदराबाद) के निवास स्थान पर विशेष बैठक बुलाई गई। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने प्रेस को बताया कि समाज के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा ने अध्यक्षता करते हुए इस वार्षिक समारोह के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विषयों पर बात की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दंडी स्वामी अनंतानंद सरस्वती पीठाधीस्वर, राजगुरु मठ, काशी वाराणसी, होंगे। हमारा सौभाग्य है कि ऐसे महापुरुष हमारे मंच की शोभा बढ़ायेंगे। प्रत्येक वर्षानुसार इस वर्ष भी यह आयोजन 26 जनवरी शुक्रवार को मध्याह्न 3रू30 बजे से सरोजिनी देवी हॉल, रामकोट, हैदराबाद में संपन्न होगा। सह सचिव पंकज कुमार ने संपूर्ण कार्यक्रम की रूप रेखा बनाया और उसके अनुसार विभिन्न विषयों पर बातें की गई। पिछली बैठक में भी इस आयोजन से संबंधित कई विषयों पर चर्चा की गई थी और विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी विभिन्न सदस्यों ने लिया था। सदस्यों ने अबतक पूरे हो चुके कार्यों का ब्योरा बैठक में दिया। उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राय, सुधा राय, प्रियंका सिंह, गीतू शर्मा और मीतू शर्मा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बातें करते हुए कहा कि उनकी निगरानी में बच्चे और अन्य प्रतिभाशाली सदस्य गायन, वादन, नृत्य, नाटिका, हास्य, चुटकुले आदि की जमकर तैयारी कर रहे हैं। अवसर पर उपयोगी चीजें जैसे टेंट, म्यूजिक सिस्टम, डिजिटल एल ई डी स्क्रीन, लाइट, माइक इत्यादि की व्यवस्था एवं देखभाल महासचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य मोहन सिंह करेंगे। बैठक के अंत में समाज के सभी बंधुओं से गुजारिश की गई कि वे संपूर्ण परिवार के साथ 22 जनवरी को श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में और 26 जनवरी को वार्षिक समारोह में शामिल हों और इसे सफल बनायें।

तेलंगाना के चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्र के सांसद जी. रंजीत रेड्डी ने दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन से रेल निलयम, सिकंदराबाद में मुलाकात की। सांसद ने अपने इलाके से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग में तेलंगाना शीर्ष स्थान पर

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने 2022 के लिए राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है।इस मान्यता की घोषणा केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा की गई थी। कुल 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने रैंकिंग में भाग लिया, जो उभरते उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए की गई पहल पर आधारित है। महाराष्ट्र और ओडिशा के साथ तेलंगाना को वर्ष 2022 के लिए राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जबकि गुजरात, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में मान्यता दी गई है।केंद्र ने व्यापक समर्थन प्रदान करने के लिए एक सक्रिय तंत्र स्थापित करने, विभिन्न पृष्ठभूमि के उद्यमियों के विकास के लिए समावेशी नीतियां तैयार करने और ग्रामीण, सामाजिक और प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए धन बनाने सहित कदमों के लिए तेलंगाना सरकार की सराहना की। राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग भी जारी की जो प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद की भावना को बढ़ा रही है, स्टार्टअप को सक्षम कर रही है। इस पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि तेलंगाना ने वर्ष 2022 के लिए राज्य स्टार्टअप रैंकिंग में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता को बरकरार रखा है। यह पिछले दस वर्षों में बनाए गए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमाण है।

डीजीपी कार्यालय में पूर्व मंत्री की जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के डीजीपी कार्यालय में मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एस जयपाल रेड्डी की जयंती मनाई गयी. इस मौके पर डीजीपी कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीजीपी रविगुप्ता, अतिरिक्त डीजीपी महेश एम भागवत, आईजीपी स्टीफन रवींद्र, एम. रमेश, चंद्रशेखर रेड्डी और अन्य ने पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। सरकार के निर्देशानुसार पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी की जयंती के अवसर पर खुफिया विभाग के कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंटेलिजेंस चीफ बी शिवधर रेड्डी, ओएसडी शिवकुमार, एसपी श्रीधर, सिरिशा और अन्य ने भाग लिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया गया।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं. eT-East-WAT-47-2023, दिनांक : 23.12.2023

कार्य का नाम : मेन (Main) लाइन में वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/ईस्ट/वाल्टियर एवं मण्डल अभियन्ता/ साउथ/वाल्टियर के अधिकार के अधीन विभिन्न स्टेशन यार्ड में रोबोटिक वेल्डिंग का उपयोग कर पॉइंट एवं क्रॉसिंग का रीकंडिशनिंग।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 83,67,903.35, EMD: ₹ 1,67,400/-

(2) निविदा सूचना सं. eT-East-WAT-01-2024, दिनांक : 02.01.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन नौपाड़ा-कोटबोम्माली के बीच कि.मी. 703 से कि.मी. 706 के बीच जलापूर्ति पाइप लाइन की मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 92,81,494.83, EMD : ₹ 1,85,600/-

(3) निविदा सूचना सं. eT-East-WAT-02-2024, दिनांक : 08.01.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन सोनार इको आधारित ऑटोमैटिक परिमार्जन (Scour) निगरानी प्रणाली की आपूर्ति एवं स्थापना के साथ प्रस्तावित रिवर बेड मैपिंग एवं उर्लाम-श्रीकाकुलम रोड के बीच पुल नं.1354 UP के लिए परिमार्जन (Scour) निगरानी हेतु वार्षिक रख-रखाव ठेका (AMC) का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 38,67,270.09, EMD : ₹ 77,400/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (क्रम सं.1 हेतु), 03 (तीन) महीने (क्रम सं.2 हेतु) एवं 08 (आठ) महीने (क्रम सं.3 हेतु)।

निविदा बंद होनेकी तिथि व समय : दिनांक 18.01.2024 को 1500 बजे (क्रम सं.1 हेतु), दिनांक 24.01.2024 को 1500 बजे (क्रम सं.2 हेतु) एवं दिनांक 31.01.2024 को 1500 बजे (क्रम सं.3 हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-986/O/23-24

यूपी में मिशन 80 के लिए बीजेपी ने लगाई ताकत

'शुक्रिया मोदी भाईजान' से 2024 में बनेगा काम ?

लखनऊ, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारी को और तेज धार देना शुरू कर दिया है। बीजेपी की नजर अब मुस्लिम वोटरों पर हैं, जिसे रिझाने के लिए पार्टी ने एक नए कार्यक्रम की शुरुआत की है, जिसका पहला आयोजन नवाबों की नगरी लखनऊ में किया गया। बीजेपी ने इसे 'शुक्रिया मोदी भाईजान' का नाम दिया है। इसके नाम से साफ है कि बीजेपी ये बताने की कोशिश कर रही है कि मोदी सरकार ने जो काम हिन्दुओं के लिए किया है वहीं मुस्लिमों के लिए भी किया है। बीजेपी ने अब यूपी में मुस्लिमों को रिझाने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने यूपी में सभी 80 सीटों को जीतने को लक्ष्य रखा हैं, जिसके लिए मुस्लिम मतदाताओं का साथ आना भी जरूरी है क्योंकि कई सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। ऐसे में पार्टी ने इन सीटों पर भी जमीनी काम शुरू कर दिया है। लखनऊ के अलावा बीजेपी बरेली और मेरठ जैसी सीटों पर भी 'शुक्रिया मोदी भाईजान' कार्यक्रम करेगी।

मुस्लिम वोटरों पर बीजेपी की नज़र

बीजेपी ने जहां एक तरफ राम मंदिर के जरिये हिंदू वोटर को साधने की कोशिश है, तो वहीं मुस्लिम महिलाओं के बीच जाकर भी विकास की योजनाएं गिनाई जा रही है और ये बताने की कोशिश हो रही है कि मोदी सरकार का मिशन सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास है। बीजेपी ने किसी के साथ भेदभाव नहीं किया है। बीजेपी प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शहनवाज़ हुसैन ने भी इस कार्यक्रम को लेकर कहा कि मोदी सरकार ने मुस्लिमों के लिए भी उतना ही काम किया है, जबकि विपक्षी दल कांग्रेस हो या सपा-बसपा सभी ने मुस्लिमों को बीजेपी का डर दिखाकर उनका वोट हासिल किया है। मुस्लिमों को भाजपा का डर दिखाया जा रहा है, जबकि मोदी सरकार ने मुस्लिम महिलाओं के लिए जो काम किए वो आजतक किसी ने नहीं किए।

मुस्लिमों वोटरों को जोड़ने की कोशिश

मुस्लिम महिलाओं को लेकर बीजेपी का नजरिया शुरू से ही अलग रहा है। पहले तीन तलाक के मुद्दे पर उन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिश हुई और अब विकास योजनाओं के सहारे उन्हें रिझाया जा रहा है। पिछले कुछ चुनावों में बीजेपी को इसका फ़ायदा भी मिला है। तीन तलाक क़ानून के बाद बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने बीजेपी के पक्ष में वोट किया है।

करणी सेना के कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या दो फरार

बदायूं, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में सनसनीखेज वारदात हुई है। दातागंज कोतवाली क्षेत्र में सोमवार रात गांव सादुल्लागंज निवासी सुधीर कुमार सिंह (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सुधीर सिंह करणी सेना से जुड़े हुए थे। उनके चचेरे भाई करणी सेना के पदाधिकारी हैं। वारदात से गांव में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सुधीर कुमार सिंह के भाई राजीव ने बताया कि सोमवार रात पड़ोसी नन्हे नाम के व्यक्ति ने उनके भाई सुधीर को गोली मार दी, जो उनके पेट में जा लगी। गंभीर घायल सुधीर को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने राजीव की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

दारा सिंह चौहान के लिए खुल गए रास्ते

क्या बनेंगे मंत्री? इस वजह से हो रही चर्चा

लखनऊ, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लंबे वक्त से योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार की चर्चा है। इस बीच बड़ी खबर यह है कि समाजवादी पार्टी का दामन छोड़ भारतीय जनता पार्टी का हाथ थामने वाले दारा सिंह चौहान योगी सरकार में मंत्री बन सकते हैं। इस बात की चर्चा इसलिए शुरू हुई है कि क्योंकि यूपी में विधान परिषद की एक सीट पर उपचुनाव होना है। इस उपचुनाव के लिए 18 को नामांकन का आखिरी दिन है। ऐसे में बीजेपी की यूपी इकाई ने 10 नामों की सूची हाईकमान को भेजी है। जानकारी के मुताबिक यूपी में विधानपरिषद की एक रिक्त सीट के लिये होने वाले चुनाव के लिए बीजेपी कोर कमेटी की बैठक में 10 नामों पर चर्चा हुई। कोर कमेटी ने 10 नाम केंद्रीय नेतृव को भेज दिए हैं। कोर कमेटी ने जिन नामों का पैनल भेजा है उन्हीं नाम में से किसी एक नाम को हरी झंडी मिल सकती है।

दारा को दे दी गई है जानकारी?

सूत्रों का दावा है कि उन 10 नामों में एक नाम दारा सिंह चौहान का भी है। दारा जब भाजपा में आए तो अपनी विधायकी की सदस्यता छोड़ के आए थे। सूत्रों की माने तो दारा का नाम फाइनल होने की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार दारा को अंदरखाने इस बात की जानकारी दे दी गई है। एक या दो दिन के भीतर बीजेपी उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सकती है। नामांकन का आखिरी दिन 18 जनवरी है। 18 तारीख को बीजेपी का उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करेगा।

बता दें सोमवार को ही निर्वाचन आयोग ने इस सीट के लिए चुनाव की तारीखों में बदलाव किया है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक 29 जनवरी को होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारी वापस लेने का आखिरी दिन 22 जनवरी थी। अब वह 23 जनवरी तय हो गई है और उपचुनाव 30 जनवरी को होगा।

13 फरवरी को हाजिर हों उदयनिधि स्टालिन

विवादित बयान पर पटना कोर्ट से समन जारी

पटना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मंत्री और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन को पटना की एक अदालत ने नया समन जारी किया। उदयनिधि ने अपने बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की थी। उनके बयान के खिलाफ यहां शिकायत दर्ज कराई गई थी। पटना की एमपी-एमएलए अदालत ने उदयनिधि स्टालिन को 13 फरवरी को अदालत में हाजिर होने के लिए कहा है। उदयनिधि के बयान के खिलाफ वकील डॉ। कौशलेंद्र नारायण ने सीजेएम कोर्ट पटना में केस दायर किया और बाद में केस को एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया।

6 दिसंबर को एमपी-एमएलए कोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन को आईपीसी की कई धाराओं के तहत समन जारी किया था। सोमवार को भी कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई।

तमिलनाडु में सभा के दौरान दिया था बयान

बता दें कि उदयनिधि स्टालिन पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप है। तमिलनाडु के एक शहर में सभा के दौरान उन्होंने भाषण देते हुए सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया, कोरोना वायरस जैसी बीमारियों से कर दी थी। यह भी कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए बल्कि नष्ट कर देना चाहिए। उनके इस तरह के बयान के बाद सियासी बवाल मच गया था।

सुशील कुमार मोदी ने की थी गिरफ्तारी की मांग

तमिलनाडु के मंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा 'सनातन धर्म' के खिलाफ की गई टिप्पणी को बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने 'देशद्रोह' करार देते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। कहा था, सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से करने के लिए उदयनिधि स्टालिन को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और जेल भेजा जाना चाहिए।

कुछ दिन पहले पीएम मोदी से मिले थे उदयनिधि

इस पूरे विवाद के बाद चार जनवरी को तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। सनातन पर विवादित बयान देने के बाद उदयनिधि की यह पहली मुलाकात थी। पीएम मोदी के साथ बैठक के दौरान उदयनिधि ने तमिलनाडु के बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत, बहाली और पुनर्वास कार्यों के लिए अतिरिक्त फंड तत्काल जारी करने की मांग की थी।

बाथरूम में नहा रही थी 11वीं की छात्रा, लीक होने लगा गीजर का गैस और फिर दम घुटा

बदायूं, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा नहाने के लिए बाथरूम में घुसी और गीजर का गैस लीक होने से वहीं पर उसका दम घुट गया। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ कर उसे बाहर निकाला। आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। घटना बदायूं के बिसौली कस्बे में रविवार दोपहर की है। परिजनों ने बताया मृत छात्रा मेघा शर्मा के पिता अरुण शर्मा की पहले ही मौत हो चुकी है। वह खुद बरेली के मानस्थली स्कूल में पढ़ाई करती है। उसका छोटा भाई सक्षम भी इसी स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ता है। सर्दी की छुट्टियां पड़ने की वजह से दोनों भाई बहन 30 दिसंबर को बिसौली आ गए थे।

अयोध्या में मस्जिद निर्माण की बात से इकबाल अंसारी ने झाड़ा पल्ला, कही ये बात

अयोध्या, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बाबरी ढाचा विध्वंस मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आए चार साल से ज्यादा का समय हो गया है। इस फैसले के बाद से अयोध्या में मंदिर निर्माण का कार्य शुरू हुआ और आज राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार अयोध्या के ही धन्नीपुर में मस्जिद का भी निर्माण किया जाना था, लेकिन धन्नीपुर की मस्जिद का काम कितना हुआ है, इस बारे में लोगों को कोई भी जानकारी नहीं है। यही सवाल जब अयोध्या मामले के पूर्व मुस्लिम पक्षकार इकबाल अंसारी से पूछा गया तो वह मस्जिद निर्माण की बात से पल्ला झाड़ते दिखे।

चार साल पहले आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

एक सवाल का जवाब देते हुए इकबाल अंसारी ने कहा कि 'वक्फ बोर्ड को जमीन मिले हुए चार साल बीत चुके हैं। इन चार सालों में मीडिया मस्जिद को लेकर तमाम सवाल पूछती रहती है कि मस्जिद कहां तक बनी। हम तो यही देखते हैं कि वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जफर फारुकी हैं, जो सिर्फ नक्शा दिखाते रहते हैं, जो धर्म के विपरीत है। हर धर्म की अलग पहचान है, उनके चाहिए कि जो काम उनको दिया गया है वह काम पूरा करें, नक्शा दिखाने से काम नहीं चलेगा।'

मस्जिद कब बनेगी, हमारी जिम्मेदारी नहीं

आगे उन्होंने कहा कि 'जफर फारुकी खुद बोर्ड के चेयरमैन हैं, जो उनके समझ में आए वो करें हमारी इसमें कोई निजी राय नहीं है। जो भी राय देनी थी हम दे चुके हैं। अब हमारा यही कहना है कि उनको जमीन मिली है, उनका प्राइवेट ट्रस्ट है, अब वो कब बनाते हैं, कब नहीं बनाते हैं ये हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं।' उन्होंने कहा कि 'हमारा मसला अयोध्या का रहा। सुप्रीम कोर्ट ने इसमें फैसला दे दिया और पूरे देश ने इस फैसले का सम्मान किया।

पूरे देश में कहीं एक पत्ता तक नहीं हिला, ना कोई धरना ना कोई प्रदर्शन हुआ। चार साल बीत चुके हैं, मंदिर बनकर तैयार है, स्वयं प्रधानमंत्री जी आ रहे हैं, देश-विदेश से लोग आ रहे हैं, अयोध्या भी सवर चुकी है। लोगों में दर्शन के लिए उत्साह भी है। सबसे बड़ी बात यही है कि लोग अयोध्या आएं और भगवान राम के बताए रास्ते पर चलें।'

भाई का अपमान सहन न कर सकी विवाहिता, ससुराल में कर लिया सुसाइड

बांदा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के बांदा में एक बहन को अपने भाई का अपमान इस कदर नागवार गुजरा कि उसने आत्महत्या कर ली। मृतका के परिजनों ने इसका आरोप उसके ससुराल वालों पर लगाया है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, 27 साल की अभिलाषा उर्फ चुन्नी का शव घर में फंदे के सहारे छत से लटका मिला। जब ससुरालीजनों ने शव को देखा तो उनके होश उड़ गए। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला के मायके पक्ष के लोगों का कहना है कि मकरसंक्रांति के त्योहार के लिए बीते दिन मृतका का भाई उसके ससुराल आया था। वह बहन को कुछ दिन के लिए मायके ले जाना चाहता था। लेकिन बहन के ससुराल वालों ने न सिर्फ उसका अपमान किया। बल्कि, उसे घर से भी निकाल दिया।

सीट शेयरिंग पर जेडीयू एमएलसी खालिद अनवर का कांग्रेस पर हमला, कहा- बदकिस्मती है

पटना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी की सरकार को हटाने के लिए इंडिया गठबंधन में शामिल दलों ने तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन सीटों के बंटवारे को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति बन रही है। लगातार इंडिया गठबंधन के नेता बैठक भी कर रहे हैं पर सीट शेयरिंग में हो रही देरी को लेकर अब सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू सीधे तौर पर कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार ठहराने लगी है। जेडीयू एमएलसी खालिद अनवर ने कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। मंगलवार को दिए बयान में उन्होंने गंभीर आरोप लगाए हैं। खालिद अनवर ने कहा कि कांग्रेस कभी इलेक्शन तो कभी अन्य चीजों में व्यस्त रही जिसके कारण सीट शेयरिंग में देरी हुई। सीट शेयरिंग का मामला अभी तक फंसा हुआ है। बदकिस्मती है कि जिस पार्टी की लीडरशिप में आगे बढ़ना चाह रहे थे उस पार्टी की रफ्तार वह नहीं जो हमलोग चाह रहे। कांग्रेस में पार्टी का सिस्टम ज्यादा है। उसमें कई ग्रुप हैं। जिस उदार दिल से काम होना चाहिए था वह नहीं हुआ। खालिद अनवर ने आगे कहा कि हम देश में सत्ता परिवर्तन की बात कर रहे हैं और कांग्रेस सीटें गिनने में लगी है। 17 सीट तो हमारी है ही। यह हमें मिलनी ही चाहिए। बाकी सीटों पर आरजेडी और कांग्रेस को जल्द बात करनी चाहिए। नीतीश कुमार ने कांग्रेस को मजबूत करने के लिए विपक्षी एकता नहीं की थी। देश के 130 करोड़ लोगों के लिए किया है। हम अपने उसूलों से समझौता नहीं कर सकते। बाकी पार्टियों को तय करना है। उन्हें हमारे साथ रहना है या नहीं।

बेटे को मिली अहम जिम्मेदारी तो राजनाथ सिंह पहुंचे कानपुर

अपने संबंधों से मजबूत कर गए पंकज सिंह की जमीन

राजनाथ सिंह ने किया कानपुर का दौरा
पार्टी के नेताओं से राजनाथ सिंह ने की मुलाकात
बेटे पंकज सिंह को मिली अहम जिम्मेदारी

कानपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दो दिन के दौरे ने भाजपा नेताओं को उस दौर की याद दिला दी जब वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और फिर बाद में मुख्यमंत्री थे। मुलाकात करने में वह जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तक ही सीमित नहीं रहे, उन्होंने सभी पूर्व जिलाध्यक्षों से भी मुलाकात की और यह भी दर्शाया कि संबंधों की गर्माहट अब भी पहले जैसी है। पार्टी नेताओं का मानना है कि उनका दो दिन का प्रवास महानगर और युवा मोर्चा के प्रभारी उनके बेटे पंकज सिंह को बहुत मदद करेगा। एक तरह से वह उनकी जमीन मजबूत कर गए।

पंकज सिंह के कंधों पर है बड़ा दायित्व

अभी कुछ समय पहले युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी पंकज सिंह को महानगर भाजपा का प्रभारी बनाया गया है। एक तरफ उन पर लोकसभा चुनाव में भाजपा को सफलता दिलाने की जिम्मेदारी है और अब युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन के मिलने के साथ एक और बड़ा दायित्व कंधों पर आ गया है। इसके लिए उन्हें वरिष्ठ और युवा सभी नेताओं को साथ में लेकर चलना पड़ेगा।

बेटे के लिए आए राजनाथ सिंह

जिस दिन पंकज सिंह अधिवेशन मिलने के बाद मैदानों का निरीक्षण और बैठक कर रहे थे, उसी दिन उनके पिता राजनाथ सिंह भी आ गए थे। उनके स्वागत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एयरपोर्ट पर सभी जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय व जिलाध्यक्ष थे, वहीं उनके गुरु जी के आवास पर कार्यकर्ताओं की भीड़ उनका इंतजार कर रही थी। सर्किट हाउस में पूर्व जिलाध्यक्षों से जिस जोश से वह मिले, उसने पुलिस अधिकारियों को भी संदेश दे दिया जिनसे पूर्व जिलाध्यक्षों का कुछ देर पहले विवाद हो रहा था।

पंकज सिंह को लेकर युवाओं में आकर्षण

पूर्व जिलाध्यक्ष और पूर्व महापौर रवींद्र पाटनी के मुताबिक पंकज सिंह मिलनसार हैं और युवाओं में उनको लेकर आकर्षण भी है। वहीं शहर के लोगों का राजनाथ सिंह से पुराने संबंधों को लेकर भावनात्मक लगाव है। इसलिए यह लगाव पंकज सिंह के साथ भी है।

लोगों से है राजनाथ सिंह का खास संबंध

उत्तर जिलाध्यक्ष दीपू पांडेय का मानना है कि राजनाथ सिंह से यहां के लोगों के आत्मीय संबंध हैं। इसी वजह से इतने लोग उनसे मिलने पहुंचे। वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ताओं से उनका जुड़ाव है और इसका लाभ महानगर प्रभारी के रूप में कार्य कर रहे पंकज सिंह को भी मिलेगा।

नाबालिग प्रेमिका संग भागे दो बच्चों के पिता की हत्या, पेड़ से लटका मिला शव

पातेपुर (वैशाली), 16 जनवरी (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र के बहुआरा पोखरा गांव के दो बच्चे के पिता की नाबालिग लड़की संग प्रेम-प्रसंग में हत्या कर शव को मालपुर गांव के बगीचे में पेड़ से लटका दिया गया। इससे आक्रोशित ग्रामीणों व स्वजन ने सुबह में मालपुर गांव के पास शव रख कर महुआ-ताजपुर रोड को जाम कर दिया। आक्रोशित लोग आरोपित एसआई हसन सरदार को मौके पर बुलाने एवं आरोपितों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पातेपुर, बलिगांव, तिसीऔता और हरलोचपुर थाने की पुलिस के साथ जंदाहा इंस्पेक्टर अभय सिंह, बीडीओ मनोज कुमार राय, सीओ मुन्ना प्रसाद आदि मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय बुद्धिजीवियों के सहयोग से आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर छह घंटे बाद सड़क जाम समाप्त कराकर यातायात चालू कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर पहुंचाया। मृतक के पिता ने थाने में प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया है, जिसमें प्रेम-प्रसंग की बात स्वीकार की है तथा नाबालिग के पिता समेत अन्य स्वजन पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने थाने के एक दारोगा एवं सरपंच पति पर भी हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आवेदन ले लिया है, प्राथमिकी अभी अंकित नहीं की गई है। पुलिस आत्महत्या व हत्या दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। थानाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने बताया कि युवक 24 वर्षीय संतोष कुमार पहले से विवाहित एवं दो बच्चों का पिता था। वह मुस्लिम समुदाय की नाबालिग लड़की के घर गाय दुहने जाता था। इसी क्रम में गत वर्ष 17 दिसंबर को वह नाबालिग के साथ भाग निकला। नाबालिग के पिता ने एक जनवरी को थाने में शादी की नीयत से अपहरण की प्राथमिकी कराई थी, जिसमें युवक संतोष कुमार, उसके पिता सत्यनारायण चौधरी, मां एवं दो भाइयों को नामजद किया था।

कितने फीसद मुसलमान राम मंदिर निर्माण से हैं खुश? मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के सर्वे से पता चला

अयोध्या, 16 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने दावा किया है कि देश के अधिकतर मुसलमानों का मानना है कि भगवान राम ''सभी'' के हैं और उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में अपनी राय दी है। गुजरात के एक धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से किए गए सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला देते हुए, एमआरएम ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य चाहते हैं कि ''तथाकथित'' उलेमा, मौलाना और विपक्षी नेता जो इस्लाम के नाम पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं, उनका ''पूर्ण बहिष्कार'' किया जाना चाहिए। आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार के नेतृत्व वाले एमआरएम ने सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 74 प्रतिशत मुस्लिम अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से खुश हैं। एमआरएम ने एक बयान में कहा, "सर्वेक्षण में 74 फीसदी मुसलमानों ने राम मंदिर के पक्ष में और 72 फीसदी मुसलमानों ने मोदी सरकार के पक्ष में खुलकर अपनी राय दी। इसमें दावा किया गया कि 26 प्रतिशत मुसलमानों ने मोदी सरकार पर कोई भरोसा नहीं जताया और ''धार्मिक कट्टरता'' के आरोप लगाए।

गठबंधन के लिए मायावती के मना करते ही कांग्रेस का सपा को फोन, क्या हुई बात?

लखनऊ, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मायावती ने मन नहीं बदला। वे अभी भी अपने पुराने स्टैंड पर हैं। न एनडीए में और न ही इंडिया गठबंधन में। बीएसपी अध्यक्ष मायावती अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेंगी। अपने बर्थ डे पर उन्होंने इसकी घोषणा की। इसके बाद से ही समाजवादी पार्टी नेताओं का जोश हाई है। अखिलेश यादव के लोग मन ही मन बड़े खुश हैं। वे नहीं चाहते थे कि गठबंधन में बीएसपी की एंट्री हो। कांग्रेस वाले दो नावों पर सवारी करना चाहते थे। पार्टी के कई नेता मायावती से गठबंधन की अपील कर रहे थे। मायावती के इनकार के बाद भी कुछ नेता आस लगाए हैं। बीएसपी के अकेले लड़ने पर यूपी में विपक्ष के वोटों का बंटवारा हो सकता है।

राहुल गांधी इन दिनों भारत न्याय यात्रा पर हैं। पर उनकी टीम के लोग काम पर लग गए हैं। इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर होमवर्क जारी है। यूपी में लोकसभा की सबसे अधिक 80 सीटें हैं। लेकिन सीटों के तालमेल पर कोई काम नहीं हो पाया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की मीटिंग 12 जनवरी को दिल्ली में तय थी। लेकिन अचानक कैंसिल कर दी गई। वो भी बैठक से पांच घंटे पहले। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि उनके नेता दूसरे काम में बिजी हैं। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने बताया कांग्रेस ने होमवर्क ही नहीं किया था। कांग्रेस के मन में तब मायावती से गठबंधन की प्लानिंग चल रही थी। कांग्रेस जानबूझ कर समाजवादी पार्टी से बातचीत लटकाए रखना चाहती थी। उन्हें मायावती के कैंप से गुड न्यूज की उम्मीद थी। ऐसा नहीं हुआ।

दोनों पार्टियों में क्या हुई बात?

मायावती के मना करते ही कांग्रेस की तरफ से समाजवादी पार्टी को फोन आ गया। ये बताया गया कि 17 जनवरी को हम मीटिंग करना चाहते हैं। दिल्ली में ये बैठक तय की गई है। सीटों के बंटवारे पर समाजवादी पार्टी जल्द से जल्द फार्मूला तय करना चाहती है। अखिलेश यादव तो हर हाल में इसी महीने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर देने के मूड में हैं। समाजवादी पार्टी कम से कम 60 सीटों पर लड़ना चाहती है। आरएलडी की डिमांड आठ सीटों की है। कांग्रेस 2009 का फार्मूला चाहती है। तब कांग्रेस के 23 नेता चुनाव जीते थे। इस आधार पर कांग्रेस 25 सीटें मांग रही है। अखिलेश यादव को अपने कोटे में कुछ सहयोगी दलों को भी एडजस्ट करना है।

सीटों के समझौते के लिए समाजवादी पार्टी ने पांच नेताओं की एक कमेटी बना दी है। राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव अब तक ये काम अकेले कर रहे थे।

लेकिन अखिलेश यादव ने उनके साथ चार और नेताओं को जोड़ दिया है। जावेद अली खान, लालजी वर्मा, संग्राम सिंह यादव और उदयवीर सिंह भी इस कमेटी में हैं। अखिलेश यादव ने कांग्रेस से कहा है कि वे सीट के साथ साथ अपना कैंडिडेट भी बतायें। यहीं मामला फंस रहा है। इमरान मसूद और दानिश अली के लिए अखिलेश सीट छोड़ने को तैयार नहीं हैं। दो ऐसी सीटें हैं जहां अखिलेश ने अपना टिकट फाइनल कर दिया है। अब कांग्रेस भी वहां से टिकट मांग रही है।

बेटी की याद में महिला ने की 7 करोड़ की जमीन दान

गणतंत्र दिवस पर सीएम स्टालिन करेंगे सम्मानित

चेन्नई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। स्कूल के विकास के लिए जमीन दान करने वाली 52 वर्षीय महिला को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम।के।स्टालिन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। मदुरै जिले की रहने वाली और बैंकर के तौर पर कार्यरत आई अम्मल उर्फ पूरनम को गणतंत्र दिवस पर मेडल से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि स्कूल को हाई स्कूल बनाने के लिए पूरनम ने पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल, कोडिकुलम, मदुरै को एक एकड़ से अधिक भूमि दान में दी है। इस जमीन की कीमत लगभग 7 करोड़ रुपये आंकी गई है और यह वर्तमान स्कूल भवन के नजदीक है। केनरा बैंक में काम करने वाली 52 वर्षीय पूरनम ने अपनी दिवंगत बेटी यू।जननी की याद में जमीन दान की है, जिसका कुछ साल पहले निधन हो गया था। यह खबर तब सामने आई जब उन्होंने जमीन की रजिस्ट्री स्कूल के नाम पर कर दी और जमीन के दस्तावेज शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सौंप दिए। 'एक्स'(पूर्व में ट्विटर) पर इसकी घोषणा करते हुए, मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, 'शिक्षा ही वास्तविक, अविनाशी धन है। मदुरै के कोडिकुलम की आई अम्माल उर्फ पूरनम ने सरकारी स्कूल के लिए एक अतिरिक्त भवन बनाने के लिए अपनी एक एकड़ और 52 सेंट जमीन दान में दी है। स्टालिन ने आगे लिखा 'आई अम्मल दिखाती है कि तमिल शिक्षा और शिक्षण को कितना महत्व देते हैं। उन्हें आगामी गणतंत्र दिवस पर सरकार ओर सीएम की ओर से एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पूर्णम की बेटी जननी, जिनका दो साल पहले निधन हो गया था, एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं और वंचित बच्चों के शैक्षिक उत्थान के लिए काम कर रही थीं।'

2 दिन पहले मां बनी और इंटरव्यू के लिए 300किमी दूर बुला लिया

जीपीएससी पर भड़का गुजरात हाईकोर्ट

अहमदाबाद, 16 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए राज्य लोक सेवा आयोग को "पूर्ण लैंगिक असंवेदनशीलता" के लिए फटकार लगाई है। कोर्ट ने यह टिप्पणी उस मामले की सुनवाई के दौरान की जिसमें गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) ने एक महिला उम्मीदवार के इंटरव्यू को स्थगित करने या कोई विकल्प प्रदान करने का अनुरोध ठुकरा दिया था। महिला ने कहा था कि वह बच्चे को जन्म देने के 2 दिन बाद इंटरव्यू के लिए उपस्थित होने की स्थिति में नहीं है।

लैंगिक असंवेदनशीलता पर कोर्ट ने लगाई फटकार

जस्टिस निखिल कारियल की कोर्ट ने कहा कि उम्मीदवार द्वारा दायर याचिका में हस्तक्षेप की आवश्यकता है और जीपीएससी को नोटिस जारी कर 12 जनवरी तक जवाब मांगा। कोर्ट ने आयोग को सहायक प्रबंधक (वित्त और लेखा) श्रेणी -2 के पद के लिए इंटरव्यू के रिजल्ट घोषित नहीं करने का भी निर्देश दिया, जिसके लिए महिला ने आवेदन किया था। कोर्ट ने 9 जनवरी के अपने आदेश में कहा, "याचिका में उठाई गई शिकायत सबसे पवित्र प्राकृतिक प्रक्रियाओं में से एक यानी बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया के प्रति प्रतिवादियों की पूर्ण लैंगिक असंवेदनशीलता को दर्शाती है।'' याचिकाकर्ता ने 2020 में जीपीएससी द्वारा विज्ञापित पद पर चयन के लिए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उसको एक या दो जनवरी, 2024 को इंटरव्यू की तारीखों के बारे में 18 दिसंबर, 2023 को सूचित किया गया था।

महिला ने 31 दिसंबर को दिया बच्चे को जन्म

याचिकाकर्ता ने उसी दिन जीपीएससी को एक ईमेल लिखकर सूचित किया कि वह प्रेग्नेंट है और उसकी प्रसव तिथि जनवरी 2024 के पहले हफ्ते में है और उसके लिए गर्भावस्था के अंतिम चरण में लगभग 300 किमी दूर गांधीनगर की यात्रा करना असंभव होगा। याचिकाकर्ता महिला ने 31 दिसंबर, 2023 को बच्चे को जन्म दिया और जीपीएससी को एक ईमेल के माध्यम से सूचित किया कि उसने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है और अनुरोध किया कि इंटरव्यू या तो स्थगित कर दिया जाए या उसे इसके लिए कोई वैकल्पिक समाधान दिया जाए। जीपीएससी ने अपने जवाब में याचिकाकर्ता को दो जनवरी को इंटरव्यू के लिए उपस्थित रहने के लिए कहा। उसने बताया कि उस तारीख के बाद अभ्यर्थी को कोई और समय नहीं दिया जाएगा।

3 साल बाद घोषित हुए थे रिजल्ट

हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा पद के लिए आवेदन करने के तीन साल बाद लिखित परीक्षा के परिणाम आठ दिसंबर, 2023 को घोषित किए गए थे। महिला के लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उसे इंटरव्यू के लिये बुलाया गया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, "इस कोर्ट की सुविचारित राय में प्रतिवादियों द्वारा ऐसा उत्तर पूर्ण लैंगिक असंवेदनशीलता को दर्शाता है, विशेष रूप से तब जब यह स्पष्ट था कि याचिकाकर्ता जो एक मेधावी उम्मीदवार थी, बच्चे को जन्म देने के बाद तीसरे दिन इंटरव्यू में भाग लेने में शारीरिक रूप से सक्षम नहीं होगी।" कोर्ट ने कहा कि जब ऐसी स्थिति में उम्मीदवार द्वारा उचित अनुरोध किया गया था तो यह जीपीएससी पर निर्भर था कि या तो इंटरव्यू प्रक्रिया को स्थगित कर दिया जाए या ऑनलाइन इंटरव्यू जैसा वैकल्पिक समाधान प्रदान किया जाए, यदि यह नियमों के अनुसार स्वीकार्य हो। कोर्ट ने कहा कि चयन प्रक्रिया भी "तेज गति" से नहीं चल रही थी, वर्ष 2020 में जारी एक विज्ञापन के लिए लिखित परीक्षा के रिजल्ट दिसंबर 2023 में घोषित किए गए थे।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का संजय राउत के बयान पर बड़ा पलटवार

कहा मैं मूर्खों को जवाब नहीं देता

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीती में आए दिन बयान बाजी चलती रहती है। शिवसेना उद्धव गुट के प्रवक्ता और सांसद संजय राउत के बयान पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार करते हुए कहा की वे हिंदुओं का अपमान करना बंद करें। फडणवीस ने कहा की मेरा यह फलसफा है कि मैं मूर्खों को जवाब नहीं देता लेकिन मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे हिंदुओं का अपमान करना छोड़ दें। फडणवीस ने कहा की आपका राम जन्मभूमि के आंदोलन में कोई योगदान नहीं है। वहीं फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा की यह जो उद्धव ठाकरे जी की सेना करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम कर रही है जोकि गलत है।

संजय राउत का बयान !

संजय राउत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी की आलोचना की है। उन्होंने कहा की बीजेपी का नारा था मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन आपको वहां जाकर देखना चाहिए कि मंदिर बना है या नहीं। जहां मंदिर बनाने की बात थी वहां मंदिर नहीं बना है, वहां से चार किमी दूर एक मंदिर बना हुआ है, इसे कोई भी बना सकता है। उन्होंने कहा हम उस पर चर्चा नहीं करना चाहते, वह विवादित जगह आज भी वैसी ही है। राउत ने कहा कि बीजेपी को इस बारे में बात करनी चाहिए।

एमपी: किसान के मुंह से अंग्रेजी सुन आगबबूला हुई थी तहसीलदार मैडम, बोली- 'अंडे से निकले चूजे'

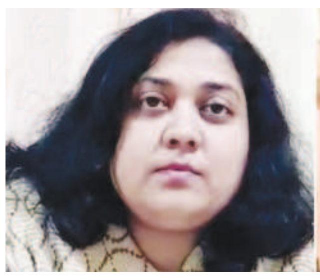

भोपाल, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में अधिकारियों की बदजुबानी थमने का नाम नहीं ले रही है। शाजापुर में ड्राइवर से 'औकात' पूछने वाले कलेक्टर के बाद अफसरशाही का एक और मामला सामने आया है। गुरुवार को देवास जिले के सोनकच्छ की तहसीलदार अंजली गुप्ता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। सोनकच्छ के निकट कुमारिया राव गांव में खड़ी फसल के बीच खेतों में बिजली के पोल लगाने को लेकर किसान और तहसीलदार अंजली गुप्ता आमने -सामने हो गए। इस दौरान किसान के बेटे ने अंग्रेजी में कह दिया- 'यू आर रिस्पॉन्सिबल' यह शब्द सुनते ही तहसीलदार भडक़ उठीं और कहा, चूजे हैं ये। अंडे से निकले नहीं, बड़ी-बड़ी मरने-मारने की बात करते हैं। मैं अभी तक आराम से बात कर रही थी लेकिन आज इसने कैसे बोल दिया मैं कैसे जिम्मेदार हूं 50 सेकंड का यह वीडियो गुरुवार दोपहर वायरल होने के बाद रात होते-होते तहसीलदार मैडम मुख्यालय अटैच कर दी गईं। सीएम डॉक्टर मोहन यादव के निर्देश पर कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने अंजली गुप्ता को जिला मुख्यालय के निर्वाचन कार्यालय में अटैच कर दिया।

यह थी पूरी वजह

दरअसल, मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कल। (एमपीपीटीएल)सोनकच्छ क्षेत्र में 132 के व्ही। लाइन बिजली के टॉवर खड़े कर रही है। टॉवर किसानों के खेत में लगाए जाने हैं। चूंकि फसल खड़ी है, ऐसे में उचित मुआवजा मिलना है। पहले तहसीलदार एमपीपीटीएल के अधिकारियों के साथ बुधवार को किसानों से बातचीत करने गई थीं।

बताया जा रहा है कि किसान समझाइश के बाद भी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर रहे थे। उन्हें समझाया गया। समझाने के बाद गुरुवार को भी किसानों ने व्यवधान उत्पन्न किया। मौके पर पहुंची तहसीलदार को जैसे ही किसान ने इंग्लिश में कहा 'यू आर रिस्पॉन्सिबल'। तो तहसीलदार मैडम ने आपा खो दिया। गुस्से में मैडम बोल उठीं, 'चूजे हैं ये'... अंडे से निकले नहीं इतनी बड़ी-बड़ी मरने-मारने की बात करते हैं।"

प्रेमी ने प्रेमिका की निजी तस्वीरें रिश्तेदारों को भेजीं फिर उठाया खौफनाक कदम, अब पहुंचा जेल

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। नवी मुंबई के तुर्भे इलाके में स्थित एक लॉज में 35 वर्षीय महिला के मृत पाए जाने के कुछ दिनों बाद पुलिस ने उसकी गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि आरोपी और महिला के बीच प्रेम संबंध होने का पता चला है। उन्होंने बताया कि महिला का शव 9 जनवरी को मिला था। मुंबई के साकी नाका के रहने वाले आरोपी सोहेब कलम शेख (24) को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि महिला और आरोपी के बीच प्रेम संबंध थे। शेख उससे शादी करना चाहता था और उस पर दबाव बना रहा था। उसने महिला को धमकी दी थी कि वह उसकी निजी तस्वीरें उसके रिश्तेदारों को भेज देगा।

लक्षदीप की तरह गंगासागर का प्रचार करने की मांग स्थानीय लोगों ने कहा- यहां भी आएं पीएम मोदी

कोलकाता, 16 जनवरी (एजेंसियां)। गंगासागर के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि उन्होंने पिछले दिनों जिस तरह लक्षद्वीप का प्रचार किया, उसी तरह सागरद्वीप के बारे में भी कहें। स्थानीय लोगों को विश्वास है कि पीएम मोदी सागरद्वीप का उल्लेख करेंगे तो पूरी दुनिया का ध्यान इस पर जाएगा। इससे यहां विकास की राहें खुलेंगी। बता दें कि गंगासागर का ही दूसरा नाम सागरद्वीप है। रूद्रनगर इलाके की रहने वाली सहेली ताला ने कहा कि पीएम मोदी बेहद प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले हैं। देश-दुनिया में उनके करोड़ों फॉलोअर्स हैं। पीएम मोदी के लक्षद्वीप प्रवास का वीडियो सामने आने के बाद वहां पर्यटन तेजी से बढ़ गया है। लोग मालदीव जाना भूल गए हैं। वे अगर सागरद्वीप के बारे में कहेंगे तो इस क्षेत्र व यहां के लोगों का भी काफी भला होगा।

गंगासागर में पर्याप्त विकास कार्य नहीं

मध्य प्रदेश के सागर क्षेत्र मे स्थित स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाली सहेली ने आगे कहा कि देश का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल होने के बावजूद गंगासागर में उद्योग नहीं हैं। रोजगार की कमी है। अच्छे शिक्षण संस्थान नहीं हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था उन्नत नहीं है। स्थानीय युवकों को काम के लिए दूसरे राज्यों का रूख करना पड़ता है। मकर संक्रांति पर गंगासागर मेला लगने के समय ही यहां इतना ताम-झाम देखने को मिलता है और लाखों तीर्थयात्रियों की भीड़ उमड़ती है। बाकी समय कुछ ही पर्यटक आते हैं। उनके ठहरने के लिए यहां अच्छे होटल भी नहीं हैं।

गंगासागर पर भी दें ध्यान

स्थानीय दुकानदार बलराम दास कहते हैं कि पीएम मोदी ने सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए बहुत कुछ किया है। गंगासागर हिंदुओं के सबसे प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है इसलिए उन्हें इसपर विशेष ध्यान देना चाहिए। पीएम मोदी देश के कितने ही धार्मिक व तीर्थ स्थलों का दौरा कर चुके हैं। हम चाहते हैं कि वे एक बार गंगासागर भी आएं। लक्ष्मीबाजार इलाके के रहने वाले गोपीनाथ दास का मानना है कि सागरद्वीप के पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो पाने का एक प्रमुख कारण इसका मेनलैंड से भू-संपर्क नहीं होना है। दशकों बीत जाने पर भी मूड़ी गंगा नदी में पुल का निर्माण नहीं हो पाया है।

कोलकाता से 100 किमी दूर गंगासागर

बता दें कि सागरद्वीप कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर दक्षिण 24 परगना जिले में चारों ओर से पानी से घिरा प्राकृतिक तौर पर निर्मित द्वीप है। यह दुनिया के सबसे बड़े मैंग्रोव फारेस्ट सुंदरवन का ही एक हिस्सा है। यहां की जनसंख्या दो लाख से कुछ अधिक है। सागरद्वीप की जीविका मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। ज्यादातर लोग पान की खेती करते हैं। यहां के पान का देश के विभिन्न हिस्सों में निर्यात होता है।

विदिशा के लटेरी स्वास्थ्य केंद्र में धमाके से मची अफरा-तफरी, स्टोर रूम में रखे फ्रीज में ब्लास्ट

विदिशा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। विदिशा के लटेरी स्वास्थ्य केंद्र में बने स्टोर रूम के फ्रीज में अचानक ब्लास्ट होने से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि देर शाम लगभग पांच बजे लटेरी स्वास्थ्य केंद्र के स्टोर रूम में रखे एक फ्रीज में ब्लास्ट होने की वजह से आग लग गई। फ्रीज में लगातार ब्लास्ट होने की वजह से भयंकर धुएं के गुबार उठने लगे। अस्पताल में भर्ती मरीजों को इस धुएं से परेशानी का सामना करना पड़ा। धमाका किस वजह से हुआ है, इसका पता नहीं चला है। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। अस्पताल में डिलीवरी कराने आई महिलाओं के बच्चों को लेकर परिजन तत्काल जच्चा वार्ड से बाहर आ गए। बताया जा रहा है कि ब्लास्ट स्टोर रूम के रखे फ्रीज में हुआ।

मैंने ऐसा कहा ही नहीं कि मैं सब छोड़ कर गांव चली जाऊंगी, पूर्व सीएम उमा भारती का बयान

भोपाल, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती का बड़ा बयान सामने आया है। दरअसल, उमा भारती ने अपने वक्तव्य को लेकर कहा कि मैंने ऐसा कहा ही नहीं है कि मैं सब छोड़ करके गांव चली जाऊंगी। उमा भारती ने एक्स पर लिखा कि परसों मेरे साथ कार सेवा में एवं राम रोटी यात्रा में अयोध्या साथ जाने वाले भोपाल के कुछ सीमित लोगों के साथ अयोध्या के संस्मरण साझा करने एवं जलपान का मैने आमंत्रण दिया था। मैं अपने भोपाल शहर के प्रिंट एवं टेली मीडिया को घर का समझती हूं तो उन्हें भी बुला लिया। उमा ने कहा कि आप सब लोग मेरा डेढ़ घंटे का वीडियो देख लीजिए मैंने ऐसा कहा ही नहीं है कि मैं सब छोड़ करके गांव चली जाऊंगी। कुछ समाचार पत्रों में ऐसा छप जाने से भ्रम उत्पन्न हुआ, मैं और मेरे ऑफिस के लोग सफाई दे दे कर परेशान हैं। मेरी बात को ध्यान से सुना करो, ऐसा मत किया करो।

क्या कहा था पहले

बता दे मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उमा भारती ने अपने भोपाल आवास पर समर्थकों से मिलकर इसे अपनी 'अंतिम मुलाकात' बताया था। भावुक होकर उन्होंने कहा था कि 'ये मेरी अंतिम विदाई है'। उन्होंने बताया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए वह 17 से लेकर 22 जनवरी तक अयोध्या में रहेंगी, और इसके बाद अपने गांव लौट जाएंगी, फिर वहीं रहेंगी। इस दौरान, उमा भारती ने राम मंदिर आंदोलन के समय को भी याद किया। राम मंदिर उद्घाटन से पहले उमा भारती ने 1992 में हुए राम मंदिर आंदोलन को याद किया। उन्होंने बताया कि अयोध्या में राम जन्मभूमि के साथ-साथ उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर के मुद्दे को भी उठाया था। वहीं, कल्याण सिंह को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज हमने उन्हें भुला दिया है। साथ ही, लाल कृष्ण आडवाणी को लेकर कहा कि उन्होंने राम मंदिर के लिए मरने तक की इच्छा जताई थी। देवराह बाबा ने कहा था कि विवादित ढांचे की एक एक ईंट लोग अपने साथ लेकर जाएंगे और हुआ भी कुछ ऐसा ही। राम मंदिर का न्योता ठुकराने पर उमा भारती ने कांग्रेस पर भड़कीं।

उन्होंने कहा कि अगर देश में रामराज्य लाना है, तो सबको साथ आना होगा, यह राजनीति का विषय नहीं। उमा भारती ने राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम का न्योता ठुकराने के कांग्रेस के फैसले को 'अशोभनीय' बताया और कहा कि राहुल गांधी को अगर अपनी यात्रा शुरू ही करनी थी तो अयोध्या से या फिर पाक अधिकृत कश्मीर से करते।

कोरोना से होने वाली मौतों ने बढ़ाई चिंता; देश में एक दिन में तीन की मौत, 180 नए संक्रमित भी मिले

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना महामारी एक बार फिर तेजी से पैर पसार रहा है। हर दिन नए मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि भारत में सिर्फ एक दिन में कोविड-19 के 180 नए मामले सामने आए हैं। इससे संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 2,804 हो गई है।

स्वास्थ्य महकमे की चिंता बढ़ी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे अद्यतन आंकड़ें जारी किए गए। पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में संक्रमण से तीन लोगों की मौत हुई। पांच दिसंबर तक मामलों में कमी दर्ज की गई थी। लेकिन ठंड का मौसम आते ही मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कोविड-19 का एक नया वेरिएंट सामने आने से भी स्वास्थ्य महकमे की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, फिलहाल इस वेरिएंट के नए मामले सामने नहीं आ रहे हैं।

4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित

2020 की शुरुआत में महामारी अपने चरम पर थी, तब हर दिन आने वाले मरीजों की संख्या लाखों में थी। तब से देश भर में लगभग चार वर्षों में 4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। वहीं, 5.3 लाख से अधिक मौतें हो चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि पिछले साल 31 दिसंबर को 841 नए मामलों की एक दिन में वृद्धि दर्ज की गई, जो मई 2021 में रिपोर्ट किए गए चरम मामलों का 0.2 प्रतिशत है। कुल सक्रिय मामलों में से, इनमें से अधिकांश (लगभग 92 प्रतिशत) होम आइसोलेशन के तहत ठीक हो रहे हैं।

इतने लोगों को लगा टीका

मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4.4 करोड़ से अधिक हो गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। देश में अब तक कोविड टीकों की 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

24 साल के शेख ने गला दबाकर ली 35 साल की प्रेमिका की जान, करना चाहता था शादी

ठाणे, 16 जनवरी (एजेंसियां)। (महाराष्ट्र)। नवी मुंबई के तुर्भे इलाके में स्थित एक लॉज में 35 वर्षीय महिला के मृत पाए जाने के कुछ दिनों बाद पुलिस ने उसकी गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि आरोपी और महिला के बीच काफी दिनों से प्रेम संबंध था। आरोपी मृतक महिला से शादी करना चाहता था, लेकिन वो इनकार कर रही थी। ऐसे में एक दिन उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने जांच के बाद 24 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, महिला का शव 9 जनवरी को मिला था। जांच के बाद मुंबई के साकी नाका के रहने वाले आरोपी सोहेब कलम शेख (24) को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने कहा, "प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि महिला और आरोपी के बीच प्रेम संबंध थे।

'जो राम के नहीं, वो किसी के नहीं', आलाकमान के फैसले से दुखी कांग्रेस नेता ने दिया इस्तीफा

ग्वालियर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। भाजपा नेताओं द्वारा लगातार मंदिरों की सफाई की जा रही है। वहीं, कांग्रेस आलाकमान ने इस समारोह में शामिल होने का एलान कर दिया है। हालांकि, कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का अयोध्या न जाने का फैसले से पार्टी के कई नेता नाराज हैं। इस नाराजगी की वजह से ग्वालियर कांग्रेस के उपाध्यक्ष व तीन बार पार्षद रहे आनंद शर्मा ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस आलाकमान के शामिल न होने के फैसले से दुखी होकर उन्होंने यह फैसला लिया है। कांग्रेस से नाता तोड़ने को लेकर उन्होंने कहा जो कांग्रेस राम की नहीं है, वह अब किसी की नहीं है। राम से विमुख हुई कांग्रेस का हर कार्यकर्ता आज शीर्ष नेतृत्व से व्यथित है। शर्मा का कहना है कि वे आज अपने पड़ोसी से आंख से आंख मिलाकर बात नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि उनका एक ही सवाल है कि रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से कांग्रेस ने दूरी क्यों बनाई? इस सवाल का जवाब हम जैसे कार्यकर्ता के पास तो नहीं है। आनंद शर्मा ने मीडिया से राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि आज यह जो कुछ हो रहा है कि उसकी आधारशिला कांग्रेस ने ही रखी थी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के समय की कांग्रेस की नीतियों की वर्तमान में अवहेलना हो रही है। बता दें कि वो पिछले 48 सालों से कांग्रेस से जुड़े थे। बता दें कि कुछ दिनों पहले मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। इस्तीफा देने के बाद मिलिंद ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति घुटन भरी और जहरीली लग रही है।' शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता ने कहा कि वही पार्टी है जिसने 30 साल पहले आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी, वह अब एक ऐसी पार्टी बन गई है जो उद्योगपतियों, व्यापारियों को गाली दे रही है और व्यापारियों को 'देश-विरोधी' कह रही है।

एक्शन में सीएम, अधिकारियों के बाद अपराधियों पर कार्रवाई, इनामी बदमाशों के चार मकानों पर चला बुलडोजर

उज्जैन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव अब एक्शन में नजर आ रहे हैं। जनता से अभद्र व्यवहार करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने के साथ ही अब उनकी नजर ऐसे इनामी बदमाशों पर भी है, जोकि अब तक लोगों को डरा धमकाकर उन पर बेवजह दबाव बना रहे थे। पुलिस और प्रशासन ने शाम को उज्जैन में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चार मकानों को तोड़ दिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 17 जनवरी - 2024

अमर रहेगा गुरू गोविन्द सिंह का बलिदान

निरंकार सिंह

सिख धर्म के दसवें और अन्तिम गुरू में प्रसिद्ध गुरू गोविन्द सिंह की जयंती आज पूरे देश में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनायी जा रही है। सिख गुरू गोविन्द सिंह जयंती को गुरू पर्व के रूप में मनाते हैं। गुरू गोविन्द सिंह आध्यात्मिक जगत के सन्त थे। गुरू गोविन्द सिंह जी को सर्वस्व दानी कहा जाता है। शासकों द्वारा आम लोगों पर किये जाने वाले अत्याचार और शोषण के खिलाफ लड़ाई में उन्होंने अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। अपने पिता, मां और अपने चारों बेटों को उन्होंने खालसा के नाम पर कुर्बान कर दिया।अपने युग के सर्वाधिक शक्तिशाली शासन के अनाचारों के विरूद्ध उन्होंने लोहा लिया था। उनके पास कोई संघटित सैन्य शक्ति नहीं थी, शिक्षित सेनानायक नहीं थे। युद्ध करना उनके जीवन का लक्ष्य नहीं थां। कहीं भी या कभी भी उन्होंने धन-धरती पाने के लिए या भौतिक सम्पदाओं को हस्तगत करने के उद्देश्य से युद्ध का आह्वान नहीं किया। युद्ध तभी उचित कहा जा सकता है जब वह मनुष्य के सद्गुणों के उद्बोधन के लिए हो और मनुष्यता की उस अपार महिमा के संरक्षण के लिए हो जो पीढ़ियों की तपस्या, त्याग और बलिदान द्वारा गौरवान्वित है। निर्भीक भाव से अन्यायी से जूझना, दुर्बल की रक्षा में प्राण दे देना, सबसे बड़ा तप है। गुरू गोविन्द सिंह इसके सामने धन-दौलत की तो बात क्या ऋद्धि-सिद्धि को भी तुच्छ समझते हैं। उनके जीवन और उपलब्धियों को देखकर बहुत लोग उन्हें महान गुरू, कवि और योद्धा सन्त कहते हैं। गुरू गोविन्द सिंह का जन्म 22 दिसम्बर 1666 में सिखों के नवें गुरू-गुरू तेगबहादुर जी और माता गुजरी के घर बिहार के पटना में हुआ था। उनकी जयंती की तारीख की गणना हिन्दू कलेण्डर के अनुसार की जाती है, जो अंग्रेजी कलेण्डर में हर साल अलग-अलग तारीख को पड़ती है। गुरूजी महान् सन्त थे। परिस्थितियों ने उन्हें शस्त्र ग्रहण करने की चुनौती दी। उन्होंने उसे स्वीकार किया। इतिहास के पण्डितों ने आश्चर्य के साथ देखा है कि गुरू गोविन्द सिंह ने अद्भुत चमत्कार कर दिखाया। जनता निराश थी, उसमें किसी प्रकार का आत्मसम्मान नहीं रह गया था। अत्याचार और अनाचार को भाग्य का दोष कहकर स्वीकार कर लिया था। ऐसे ही लोगों में उन्होंने महान् शूरवीर पैदा कर दिये। मृत्यु के भय को मानो मंत्र के बल से उड़ा दिया। सिर हथेली पर रखकर इन वीरों ने अन्याय को ललकारा, और देखते ही देखते इतिहास पलट दिया। इतिहास में ऐसी अघटित घटना कम ही देखी गयी है। काल के रथ-चक्र को इस प्रकार मोड़ देना, गुरूजी की ही करामात थी। इतिहास का पण्डित इसका कारण नहीं खोज पाता। वह अनुमान और अटकल का सहारा लेता है। परन्तु कारण स्पष्ट है। वे कालातीत अर्थात अकाल तत्व के संस्थापक थे। वे उस दुनिया में विचरते थे, जहाँ काल स्तब्ध है। वह अकाल पुरूष का लोक है। उसके इंगित से ही सीमाबद्ध काल रूप ग्रहण करता है। इसी निराकार, रूपहीन नित्य शक्ति की महिमा में उनका विश्वास था। ऐसे महापुरूष ही काल की गति को अपने इशारे से मोड़ दिया करते हैं। गुरू हरगोविन्द ने अपने पिता की अकाल-मृत्यु से क्षुब्ध होकर सिख सम्प्रदाय को सैनिक रूप देना आरम्भ किया था। गुरू गोविन्द ने इस प्रक्रिया को पूर्णता पर पहुँचा दिया। गुरू हरगोविन्द ने शान्तिप्रिय सिख धर्म पर खड्गवाद की छोटी सी कलम लगायी थी। गुरू गोविन्द ने उसे विशाल वृक्ष बना दिया। सिख धर्म की सारी मानसिकता को बदलने के उद्देश्य से उन्होंने एक विचित्र लीला रची। आनन्दपुर के एक वैशाखी मेले में उन्होंने सभी सिखों को एकत्र किया। फिर एक बड़े चबूतरे पर चारों ओर से कनात खड़ी करवायी और उसके भीतर कुछ बकरे बँधवा दिये। तब वे तलवार खींचकर कनात से बाहर आये और बोले कि धर्म की रक्षा के लिए चण्डी बलिदान चाहती हैं। तुममें से जो प्राण देने को तैयार हो वह कनात में आये। मैं अपने हाथों से महाचंडी के आगे उसका बलिदान करूंगा। गुरू की ललकार पर एक आदमी कनात में जाता, गुरू उसे वहाॅ बिठा देते और एक बकरे की गरदन काटकर रक्त भरी तलवार लिये बाहर निकल आते। इस प्रकार, पाँच वीर कनात के भीतर पहुँचे। जब छठा आदमी नहीं उठा तब गुरू ने उन पाँच वीरों को बाहर निकाला और कहा ये 'पाँच प्यारे' धर्म के खालिस अर्थात शुद्ध सेवक हैं और उन्हें लेकर मैं आज से खालसा धर्म की नींव डालता हूॅ। उसी समय उन्होंने एक कड़ाह में पवित्र जल भरवाया, उनकी धर्मपत्नी ने उसमें कुछ बताशे घोले और गुरू ने तलवार से उस जल को आलोड़ित किया तथा तलवार से ही उसे 'पॉच प्यारों' पर छिड़का। इसी अमृत को पीकर लोग खालसा धर्म की सेवा में प्रवृत्त हुए। गुरू गोविन्द सिंह जी ने किसी छोटे उद्देश्य से तलवार नहीं उठायी थी, उन्होंने देह की, भौतिक सम्पदा की अनित्यता और कालातीत महाअकाल की नित्यता पर बार-बार बल दिया है। पर वे ऐसे ज्ञान की महिमा में विश्वास करते हैं, जो कातरता के कूड़े को साफ करता है, बुद्धि को ऐसे दीपक की ज्योति देता है जो नश्वर पदार्थो से अविनश्वर आत्मा को स्पष्ट रूप से पृथक दिखा सकता है और मनुष्य को कभी भी, किसी भी अवस्था में उतावला और डरपोक नहीं बनने देता, जो मन को काबू में रखता है और भुजाओं को अन्याय के प्रतिकार के लिए सचेष्ट रखता है। वे मानते थे कि समस्त परिदृश्यमान जगत्प्रपंच काल का परिणाम है-ब्रह्म भी, विष्णु भी, शिव भी, योगी भी और सिद्ध, गन्धर्व, नाग, यक्ष तथा असुर भी। इस कालपरिणामी जगत प्रपंच में काल के परे केवल एक नित्य विराजमान शाश्वत तत्व अकाल है और सुकाल सबै बस काल के एक ही काल अकाल सदा है। गुरू गोविन्द सिंह जी ने सिख धर्म और खालसा पंथ के धार्मिक कथ्यों और ग्रंथ को नाम दिया 'गुरू ग्रंथ साहिब'। सिखों का यह सबसे पवित्र ग्रंथ ही इस धर्म का प्रमुख प्रतीक है। सिख समाज का वर्तमान संगठन बहुत कुछ गुरू गोविन्द सिंह का ही किया हुआ। सिखों में पगड़ी बांधने की प्रथा उन्हीं की चलायी हुई है और उन्हीं ने पंच ककारों के धारण को सभी सिखों के लिए अनिवार्य बना दिया। ये पंच ककार हैं - (1) कंघी (बाल सुलझाने के लिए), (2) कच्छा (फुर्ती के लिए), (3) कड़ा (नियम और संयम का प्रतीक), 4 कृपाण (आत्मरक्षा के लिए) तथा (5) केश, (जिसे प्रायः सभी गुरू धारण करते आये हैं। गुरू गोविन्द सिंह की तैयारियों से औरंगजेब घबरा उठा। उसने गुरू की राजधानी आनन्दपुर पर एक बार जबर्दस्त घेरा डाला। किन्तु गुरू हाथ नहीं आये। आनन्दपुर से भागते समय उनके दो बच्चे (जोरावर सिंह 9 साल और फतेह सिंह 7 साल) गायब हो गये। इन्हें किसी ने सरहिन्द के शासक वजीरखाँ के हाथों में सौंप दिया और उस दुष्ट ने इन दो बच्चों को सिर्फ इसलिए दीवारों में चुनवा दिया कि पितृ संस्कार के कारण वे स्वेच्छा से मुसलमान होने को तैयार नहीं थे। औरंगजेब के मरने के बाद, उसके बेटे बहादुर शाह से गुरू गोविन्द सिंह की मैत्री हो गयी।

किन्तु उसी के राज्यकाल में महाराष्ट्र के नांदेड़ में गोदावरी नदी के पास गुरू गोविन्द सिंह को सोते समय एक पठान ने उनके पेट में छुरा भोंक दिया जिससे उनका 7 अक्टूबर 1708 को स्वर्गवास हो गया। यहीं मरते समय गुरू गोविन्द सिंह ने धर्म-ग्रन्थ को खालसा धर्म का गुरू घोषित किया। सिख मत हिन्दू धर्म के धड़ से वीर-बाँह की तरह निकला था। यह भुजा हिन्दुत्व की रक्षा की भुजा थी। सिखों ने जो अपरिमित बलिदान किये, उनका सुफल सबसे अधिक हिन्दुत्व को प्राप्त हुआ।

सुरक्षा भी जरूरी

विमान यात्रा के दौरान यात्रियों के दुर्व्यवहार की बढ़ रही घटनाएं निश्चित रूप से चिंता पैदा करने वाली हैं। अक्सर विमान यात्रा वही लोग करते हैं जो मर्यादित व्यवहार और नियम-कायदों की अहमियत को समझने वाले माने जाते हैं। इसके बाद भी यदि उनके बीच कोई अप्रिय स्थिति निर्मित होती है तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाना चाहिए। जाहिर है विमान सेवाओं के प्रबंधन में भी कई स्तरों पर सुधार की जरूरत है। किसी भी विमान में उड़ान के पहले या उसके दौरान किसी यात्री के अचानक उग्र हो उठने को उचित नहीं कहा जा सकता। ऐसे हालात में नियमों के मुताबिक कार्रवाई भी होती है, लेकिन अगर इसकी जड़ में प्रबंधन से जुड़ी कोई समस्या सामने आती है, तो उस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है, जो विमानन सेवाओं में बेहतरी के लिहाज से भी जरूरी हो सकता है। बीते दिनों दिल्ली हवाई अड्डे पर गोवा जाने वाले एक विमान के यात्री जब पहुंचे तो पता चला कि उड़ान में करीब तेरह घंटे की देरी है। इसकी वजह से एक यात्री ने आक्रोश में आकर चालक दल के एक सदस्य से मारपीट कर दी। देखा जाए तो यात्री का ऐसा व्यवहार अमर्यादित है, लेकिन सवाल है कि क्या परिस्थिति को देखते हुए ऐसे उपाय किए जा सकते हैं, जिससे ऐसे हालात ही पैदा न हों! बता दें कि कुछ दिनों से उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की वजह से सड़क, रेल और हवाई मार्गों पर यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। विमानों की सुरक्षित उड़ान मौसम की स्थिति पर निर्भर होती है और जरा सी लापरवाही भी बड़ा खतरा पैदा कर सकती है। उड़ान से जुड़े संचालकों से लेकर चालक दल के सभी सदस्यों के ऊपर विमान को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाने का दायित्व होता है। ऐसी स्थिति में उनके साथ अगर असहज करने वाली स्थितियां उत्पन्न होती हैं, तो इसका असर उनके काम पर भी पडे बिना नहीं रहेगी। मौसम में गड़बड़ी आदि अप्रत्याशित कारणों से किसी जोखिम के बीच विमान संचालन के समय में फेरबदल का फैसला वक्त की जरूरत होती है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसलिए विमान में सफर कर रहे लोगों को संयम और धीरज से काम लेना चाहिए। इस लिहाज से विमान में पायलट से मारपीट करने वाले यात्री के व्यवहार के लिए कानून के मुताबिक उस पर कार्रवाई स्वाभाविक है। मगर उड़ान में ज्यादा देरी की स्थिति में प्रबंधन के स्तर पर क्या ऐसा कुछ नहीं किया जाना चाहिए जिससे यात्रियों के भीतर अपनी सुरक्षित यात्रा को लेकर सब्र कायम रहे? आरोपी यात्री ने यह भी कहा कि वह विमान में लंबे समय से बैठा है और उड़ान फिलहाल मुमकिन नहीं है तो उसे जाने की अनुमति मिलनी चाहिए। विमान की संवेदनशील बनावट और उड़ान के जोखिम के मद्देनजर यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से इस तरह की इजाजत देना शायद मुश्किल हो, लेकिन आज इतना तकनीकी विकास हो चुका है कि मौसम की स्थिति के बारे में कई घंटे या एक-दो दिन पहले भी अनुमान लगाए जा सकते हैं। अगर अनुमान सही हों तो यात्रियों को मौसम खराब होने और उड़ान में देरी के बारे में सूचना देने के विकल्प पर गौर क्यों नहीं किया जा सकता? ताकि लोग उसी के मुताबिक अपनी यात्रा पर निकलें। विमान यात्रा के दौरान अभद्रता करने पर कानूनी कार्रवाई लोगों के व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए जरूरी है। लेकिन प्रबंधन के स्तर पर ऐसे उपायों पर गौर किया जा सकता है कि उड़ान में ज्यादा देरी की स्थिति में यात्रियों को पहले ही सूचित करने का व्यावहारिक तंत्र विकसित किया जाए।

सदैव प्रेरणा देते रहेंगे गुरु गोबिंद सिंह के उपदेश

योगेश कुमार गोयल

सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 357वां प्रकाश पर्व इस वर्ष 17 जनवरी को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। बचपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की थी। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का वाक्य 'सवा लाख से एक लड़ाऊं तां गोबिंद सिंह नाम धराऊं' सैकड़ों वर्षों बाद आज भी प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है।

एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। 'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरू जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी।कहा जाता है कि गुरु गोबिंद सिंह एक बार अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया।

उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।

1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था।

सुनियोजित नफरत की परिणति है साधुओं पर हमले!

मनोज कुमार अग्रवाल

बंगाल में पालघर जैसी घटना सामने आने के बाद बवाल मच गया है। हाल ही में यहां भारी भीड़ ने यूपी के 3 साधुओं को बच्चा चोर समझकर बेरहमी से पीटा है. इस मामले में पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत लिया है. वहीं भाजपा ने ममता सरकार पर जमकर हमला बोला है. यह मामला पुरुलिया जिले का बताया जा रहा है. सोशल मीडिया पर इसका 30 सेकंड का वीडियो भी वायरल हो रहा है. फिलहाल तृणमूल कांग्रेस ने चुप्पी साध रखी है वहीं भाजपा ने ममता सरकार पर जमकर हमला बोला है. यह मामला पुरुलिया जिले का बताया जा रहा है. सोशल मीडिया पर इसका 30 सेकंड का वीडियो भी वायरल हो रहा है।वायरल फुटेज में कथित तौर पर साधुओं को एक भीड़ द्वारा निर्वस्त्र करते और उन पर हमला करते देखा जा सकता है।भाजपा का दावा है कि मकर संक्रांति के लिए गंगासागर जा रहे साधुओं को सत्तारूढ़ टीएमसी से जुड़े अपराधियों ने निर्वस्त्र कर पीटा है।भारतीय जनता पार्टी के आइटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि "पश्चिम बंगाल में हिंदू होना अपराध है. ममता बनर्जी के शासन में, शाहजहां शेख जैसे आतंकवादी को राज्य संरक्षण मिलता है और साधुओं की हत्या की जा रही है। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में तीन साधुओं पर एक भीड़ द्वारा इस संदेह में हमला किए जाने का एक कथित वीडियो सामने आया है कि वे साधु के 'भेष में अपहरणकर्ता' थे। इसको लेकर राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया।

इस बीच, टीएमसी ने भाजपा पर घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया।पुरुलिया पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह घटना गलतफहमी के कारण हुई।उसने कहा, ''पुरुलिया में हाल की एक घटना तीन स्थानीय नाबालिग लड़कियों के साथ गंगासागर जाने वाले तीन साधुओं के बीच भाषा की दिक्कत के चलते गलतफहमी हो गई थी।'लड़कियां डर गईं और स्थानीय लोगों ने साधुओं के साथ मारपीट की, उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया और अपहरण के प्रयास का आरोप लगाया। स्थानीय पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और साधुओं को बचाया।'पुलिस ने कहा कि इस संबंध में एक विशेष मामले के आधार पर 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उसने कहा, ''साधुओं को हर संभव सहायता प्रदान की गई। घटना के संबंध में किसी भी तरह का सांप्रदायिक रंग नहीं है। सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति से कानून के मुताबिक सख्ती से निपटा जाएगा।'पुरुलिया पुलिस की पोस्ट को टीएमसी मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा भी प्रसारित किया गया।केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने घटना पर प्रतिक्रिया जताते हुए पश्चिम बंगाल में 'तुष्टिकरण की राजनीति' पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार कुछ नहीं कर रही है... तुष्टिकरण की राजनीति पश्चिम बंगाल को कहां ले जा रही है? यह हिंदू विरोधी विचार प्रक्रिया क्यों बनाई जा रही है?''केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर ने यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के शासन में राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गयी है।प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा और दावा किया कि साधुओं पर 'हमले' के पीछे रहे लोग सत्तारूढ़ दल से जुड़े थे।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पुरुलिया से चौंकाने वाली घटना, गंगासागर जा रहे साधुओं को टीएमसी से जुड़े अपराधियों ने निर्वस्त्र करके पीटा, जिसने पालघर घटना की याद ताजा कर दी। ममता बनर्जी के शासन में शाहजहां जैसे आतंकवादी को सरकारी संरक्षण मिलता है जबकि साधुओं को हिंसा का सामना करना पड़ता है। पश्चिम बंगाल में हिंदू होना एक अपराध है।''मजूमदार ने कहा कि उन्होंने साधुओं से संपर्क किया है और गंगासागर मेले में उनकी सुरक्षित यात्रा का आश्वासन दिया है।

इस बीच, टीएमसी ने भाजपा के आरोपों को 'निराधार' करार दिया और भाजपा पर घटना को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास करने का आरोप लगाया।भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में साधुओं पर हमले के मामले पर ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि जब पूरा देश रामभक्ति में सराबोर है, ऐसे में इन लोगों को भगवा कलर से क्या दिक्कत है?आपको बता दें कि इस से पहले साधुओं की नृशंस हत्या के कई मामले सामने आ चुके हैं इन में हर बार हिन्दू साधुओं पर बच्चा चोरी के प्रयास या इसी तरह का कोई अन्य संगीन आरोप लगाकर जानलेवा हमला किया गया है। एक बेहद निर्ममता व क्रूरता भरी वारदात 16 अप्रैल, 2020 को घटित हुई थी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में कुछ असामाजिक लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर बच्चों चोर समझकर दो साधुओं की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। साधु सूरत में एक अंतिम संस्कार के लिए जा रहे थे, तभी पालघर के एक आदिवासी गांव गढ़चिंचल में ग्रामीणों के एक समूह ने उनके वाहन को रोका और उन पर पत्थरों, लकड़ियों और कुल्हाड़ियों से हमला किया. घटना के संबंध में 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया था। 16 अप्रैल 2020, जूना अखाड़ा के दो संतों को हिंसक भीड़ ने अपना निशाना बनाया और पालघर में उनकी लिंचिंग कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। मृतकों की पहचान 70 साल के कल्पवृक्ष गिरि महाराज और 35 साल के सुशील गिरी महाराज के रूप में हुई। उनके साथ हिंसक भीड़ ने उनके ड्राइवर को भी मौत के घाट उतारा।मामले के तूल पकड़ने पर उनके ऊपर तरह तरह के इल्जाम लगाए गए। हालाँकि बाद में जब वीडियो आई तब इस हकीकत का खुलासा कि आखिर कैसे पुलिस की मौजूदगी में हिंसक भीड़ ने बेरहमी ने संतों को मारा। इस पूरे मामले की जाँच में यह भी खुलासा हुआ था कि यह हत्या जानबूझकर की गई और इससे कई राजनैतिक कोण भी जुड़े हुए थे।

वैश्विक मंदी की आशंका के बीच दुनिया को दावोस बैठक से नई उम्मीदें

डॉ रघुवीर चारण

आलपस पर्वत की बर्फीली वादियों में बसा शहर दावोस विश्व भर के नेताओं की अगुवाई के लिए तैयार है जनवरी माह में शिखर पर स्थित यह यूरोपीय शहर पूरी दुनिया को अपनी और आकर्षित करता है दुनिया भर के राजनेता और उद्योगपति वैश्विक व क्षेत्रीय मुद्दों का हल ढूँढने के लिए यहाँ पहुँचते हैं विश्व आर्थिक मंच के 54वें संस्करण का आगाज हो चुका है। वैश्विक टकराव के बीच इस बार सालाना बैठक की थीम विश्वास का पुनर्निर्माण रखी गई है जो वर्तमान में प्रासंगिक है दुनिया अनेक मुद्दों पर विघटित है रूस- युक्रेन युद्ध दो साल से नहीं थमा है इजराइल-फ़िलिस्तीन आपस में लड़ रहे हैं इधर यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानो पर अमरीका और ब्रिटेन के हवाई हमलों से मध्य पूर्व में हालात और विकट हो गए हैं दुनिया के विभिन्न देशों के बीच आपसी तनाव के मद्देनज़र दावोस बैठक से सही राह प्रशस्त हो इसकी उम्मीद की जा सकती है। विश्व आर्थिक मंच (WEF) एक स्विस गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1971 में जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में हुई थी पूर्व में यह संगठन यूरोपीय संघ तक सीमित था वर्ष 1987 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के नाम से जाना जाने लगा दुनिया के कई विवादों का समाधान छोटे से कस्बे दावोस से होने लगा। संगठन का उद्देश्य दुनिया के उद्योगों, राजनीति, शैक्षिक और अन्य क्षेत्रों के प्रमुख लोगों एक साथ लाकर औद्योगिक दिशा तय करना है. वैसे तो इस मंच के पास कोई फैसला लेने की शक्ति नहीं है, लेकिन उसके पास राजनीतिक और व्यावसायिक नीति निर्णयों को प्रभावित करने की ताकत जरूर है। इस वर्ष की सालाना बैठक में करीब तीन हज़ार लोग हिस्सा ले रहे हैं जिसमें 60 देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल है एक चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल और वैश्विक मंदी का मंडराता खतरा इस साल के विश्व आर्थिक मंच की पृष्ठभूमि के रूप में काम करेगा इस बैठक के प्रमुख मुद्दों में पहला मुद्दा भू राजनीतिक तनाव के बीच सहयोग और सुरक्षा का वातावरण निर्मित करना है दूसरा बड़ा मुद्दा जलवायु परिवर्तन का है जो लगातार जटिल होता जा रहा है।मानव निर्मित ग्लोबल वार्मिंग के कारण हाल के वर्षो में ब्राजील के अमेजन वर्षा वन क्षेत्र लगातार सूखे का शिकार है हिमालय में बर्फ़ कम हो रही है ग्लेशियर लगातार पिघल रहे हैं कार्बन उत्सर्जन का स्तर निरंतर विनाशकारी होता जा रहा है पूरी दुनिया प्राकृतिक आपदाओं को झेल रही है इसके बावजूद दुनिया के ज्यादातर देश इसे लेकर गंभीर नहीं है बस आरोप -प्रत्यारोप और बैठकों से पर्यावरण संरक्षण का ढोल पीटा जाता है। आज के तकनीकी युग में विभिन्न देशों में आपसी प्रतिस्पर्धा के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई खूब चर्चित है इस साल दुनिया भर की साइबर सुरक्षा में बढ़ती साइबर असमानता और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां बड़ा खतरा साबित होंगी। एआई का भी मुद्दा बैठक में प्रमुखतः है कोई भी नई तकनीक का अविष्कार मानव जीवन को सुगम बनाने के लिए होता है जबकि एआई के माध्यम से बढ़ते साइबर हमले, फेक न्यूज़, बेहद चिंताजनक विषय हैं जिसके लिए सभी देशों को मिलकर सार्थक प्रयास करने चाहिए तथा इसके सदुपयोग और सकारात्मक प्रभावों पर जोर देना चाहिए वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तकनीक में नए आयाम स्थापित किए हैं। दावोस बैठक से दुनिया में आपसी मतभेद के बीच शांति का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए सभी देशों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए विशेष तौर पर विकसित देशों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी तथा आपसी सहयोग को बढ़ावा देकर वैश्विक मंदी से गुजर रहे देशों को आर्थिक मदद की पहल एवं वैश्विक मुद्दों पर एकजुट होकर उसका समाधान निकालना चाहिए आखिर देखते हैं स्विस के पहाड़ों से क्या रास्ता निकलता है। विश्व आर्थिक फोरम द्वारा कई पैमानों के आधार वार्षिक सर्वे रिपोर्ट जारी की जाती है जैसे- वैश्विक प्रतिस्पर्धा, वैश्विक लैंगिक अंतराल, ग्लोबल जोखिम स्तर, वैश्विक विकास रिपोर्ट आदि जिसमें विभिन्न देशों की प्रगति का आकलन किया जाता है हाल ही की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक आर्थिक वृद्धि के 2030 तक तीन दशकों में उसके सबसे निचले स्तर पर गिरने का अनुमान है। वैश्विक जोखिम रिपोर्ट के मुताबिक गलत और अधूरी सूचना' अगले दो साल में सबसे बड़ा खतरा है। अभी हमारे देश में यही डीप फेक का मुद्दा काफी चर्चा में है इसके बाद संक्रामक रोग, अवैध आर्थिक गतिविधि, आय की असमानता और श्रम की कमी पांच सबसे बड़े अल्पकालिक जोखिमों में शामिल हैं।

जीवन का दस्तावेजीकरण

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आह! कैमरा, एक चमत्कारी आविष्कार जिसने हमारे जीवन का दस्तावेजीकरण करने और यादें साझा करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इसमें सबसे खूबसूरत पलों को कैद करने, समय को स्थिर रखने और हमारी सबसे शर्मनाक घटनाओं को अमर बनाने की शक्ति है। आइए कैमरे की सराहना करने के लिए कुछ समय निकालें, और उन सभी हास्यास्पद परिदृश्यों की सराहना करें जिनमें इसने हमें प्रवेश कराया है। सबसे पहले बात करते हैं सेल्फी की उम्र के बारे में। कैमरे ने हम सभी को सेल्फ-पोर्ट्रेट विशेषज्ञों में बदल दिया है। हममें से प्रत्येक हर समय अपने निजी 'पपराज़ी' (उन फोटोग्रैफर को कहते हैं जो अभिनेता, नेता, राजनेता के दिनचर्या के फोटो खींचते हैं।) उपकरण से लैस होता है। क्या आप किसी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक त्वरित तस्वीर खींचना चाहते हैं? सबसे आकर्षक रोशनी के लिए बस कैमरे को झुकाएँ, एक मुद्रा बनाएं और खींच जाएगी आपकी आत्म-महिमा। और क्या हम फिल्टर और संपादन ऐप्स की अंतहीन धारा के बारे में बात कर सकते हैं जो जादुई रूप से किसी भी साधारण तस्वीर को कला के टुकड़े में बदल देती है? जब उनके पास कुत्ते के कान और उनके सिर पर एक चमकदार प्रभामंडल लगा हो तो उन्हें वास्तव में अपने जैसा दिखने की ज़रूरत किसे है? आख़िरकार, जीवन का दस्तावेजीकरण करने का क्या मतलब है अगर यह आपके सर्वोत्तम आभासी स्व को प्रदर्शित नहीं करता है? आइए फोटो की क्रोनोलॉजी को न भूलें। आप उन्हें जानते हैं - जहां कोई दूर तक देखने या किसी अनदेखे चुटकुले पर हंसने का नाटक करता है। उन्हें कम ही पता है, उनके चतुर साथी ने शटर बटन पर पहले से ही अपनी उंगली घुमाते हुए उन्हें इस कृत्य में पकड़ लिया है। आह, स्पष्ट शॉट का जादू - सावधानीपूर्वक मंचन किया गया और निंजा जैसी सटीकता के साथ निष्पादित किया गया। हमारे भोजन अनुभवों पर कैमरे के प्रभाव के बारे में बात नहीं करेंगे तो कैमरा दुखी हो जाएगा। केवल भोजन का आनंद लेने के बजाय, हमें खाने पर विचार करने से पहले हर कल्पनीय कोण से प्रत्येक व्यंजन की तस्वीर खींचनी होगी। हमारे भोजन का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण करना महत्वपूर्ण है, अन्यथा हर किसी को कैसे पता चलेगा कि हमने ब्रंच के लिए एवोकैडो टोस्ट खाया था? खाद्य फोटोग्राफी की बात करते हुए, आइए हर भोजन, हर नाश्ते और हर सहज कॉफी ब्रेक का दस्तावेजीकरण करने वाले अंतहीन सोशल मीडिया पोस्ट को न भूलें। हम सभी शौकिया खाद्य आलोचक और पेशेवर खाद्य फोटोग्राफर बन गए हैं, पारखी लोगों का एक समाज जो पहले अपने अनुयायियों के लिए फोटो खींचे बिना खाना खाने में असमर्थ है। प्रभावशाली लोगों के उदय के साथ क्या हुआ, वे व्यक्ति जो वास्तव में कैमरे को पूर्णकालिक नौकरी में बदलने में कामयाब रहे हैं? वे आत्म-प्रचार की कला को नई ऊंचाइयों पर ले गए हैं और बड़ी संख्या में अनुयायियों को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहे हैं कि उनका जीवन कभी न खत्म होने वाली छुट्टियों से कम नहीं है। जब आपने सोचा कि आप पूरी जिंदगी जी रहे हैं, तो एक प्रभावशाली व्यक्ति आपसे सवाल करता है कि आप उष्णकटिबंधीय समुद्र तट पर भी मोजिटोस क्यों नहीं पी रहे हैं। आइए टैगिंग के रोमांच को न भूलें - अच्छे मनोरंजन के नाम पर, सबसे समझौतावादी, अप्रिय क्षणों में दोस्तों की तस्वीरें कैप्चर करना और साझा करना।

क्या था भगवान राम के बहन और बहनोई का नाम?

रामायण का हिन्दू धर्म में एक विशेष स्थान है। इसमें भगवान राम और देवी सीता के जन्म एवं जीवन यात्रा का वर्णन है। हम में से अधिकांश लोगों को रामायण की कहानी पता है, लेकिन इस महाकाव्य से जुड़े कुछ ऐसे भी रहस्य हैं जिनके बारे में लोगों को जानकारी नहीं है। वैसे तो आप रामायण और भगवान राम से जुड़े सभी पात्रों से वाकिफ होंगे लेकिन शायद आपको ये नहीं पता होगा कि भगवान राम की एक सगी बहन और बहनोई भी थे।

राजा दशरथ और रानी कौशल्या की पहली संतान एक पुत्री थी।

जिसका नाम शांता था। शांता भगवान श्रीराम की बड़ी बहन थी। पुराणों के अनुसार शांता बुद्धिमान होने के साथ-साथ अनेक कार्यों में निपुण थीं।शांता का विवाह ऋषि श्रृंग से हुआ था। जिनका आश्रम बस्ती अयोध्या बॉर्डर पर सरयू नदी के तट पर शेखाघाट पर स्थित है।

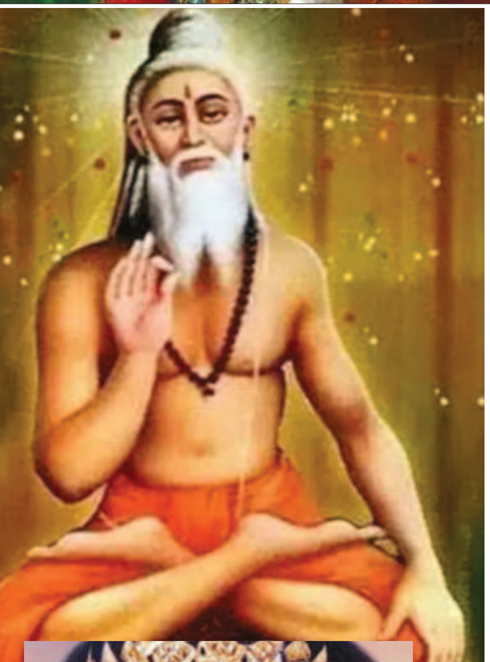

श्रृंगी ऋषि ने किया था आश्रम का निर्माण

मान्यता के अनुसार, जब राजा दशरथ को पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई तो उन्होंने गुरू वशिष्ठ के कहने पर श्रृंगी ऋषि से पुत्रकामेष्टि यज्ञ करवाया था। जिसके बाद भगवान राम सहित तीनों भाइयों अवतरित हुए थे। यज्ञ के उपरांत बस्ती जनपद के घने जंगलों में रहकर तपस्या कर रही राजा दशरथ और माता कौशल्या की बड़ी पुत्री शांता देवी से श्रृंगी ऋषि की शादी हो गई थी। बाद में माता शांता के शरीर त्याग करने के बाद श्रृंगी ऋषि द्वारा ही श्रृंगीनारी में माता शांता देवी के याद में मंदिर का निर्माण करवाया गया था जो आज भी मौजूद है।

अद्भुत है आश्रम की महिमा

आश्रम के पुजारी महेंद्र गोस्वामी ने बताया कि यह मेरी चौथी पीढी है जो महर्षि श्रृंगी के आश्रम में रहकर उनकी सेवा कर रही है। यह आश्रम एकदम सरयू नदी के तट पर स्थित है। यहां हर साल बाढ़ आती है। जिसमें लाखों गांव जलमग्न हो जाते हैं लेकिन श्रृंगी ऋषि के आश्रम की ऐसी महिमा है की सरयू माता आती हैं और बाबा के चरणों को प्रणाम कर वापस चली जाती हैं। कभी भी सरयू का पानी मंदिर के अन्दर नहीं आया। यहां कार्तिक पूर्णिमा और चैत्र रामनवमी और चिरैया नक्षत्र पर मेला लगता है।

राजा दशरथ से था ये रिश्ता

शृंगी ऋषि रामायण काल के जाने माने बेहद सिद्ध पुरुष थे। शृंगी ऋषि विभांडक ऋषि के पुत्र और कश्यप ऋषि के पौत्र थे। धार्मिक मान्यता के अनुसार राजा दशरथ और कौशल्या की एक पुत्री थीं।

जिनका नाम शांता था। जिन्हें कौशल्या की बहन वर्षिणी और उनके पति अंग देश के राजा रोमपद ने गोद लिया था। बाद में शांता का विवाह ऋषि श्रृंगी से कर दिया गया। इस तरह रिश्ते में ऋषि शृंगी राजा दशरथ के दमाद और प्रभु श्री राम के जीजा हुए।

इधर, शांता के बाद राजा दशरथ की कोई संतान नहीं हुई थी। वो एक पुत्र चाहते थे, जो उनके राजवंश को आगे बढ़ाए। जिसके लिए उन्होंने अपने मंत्री सुमंत के कहने पर ऋषि श्रृंगी को पुत्रकामेष्टि यज्ञ करने के लिए बुलाया।

शृंगी ऋषि बहुत बड़े संत थे। अपने मंत्री के कहने पर राजा दशरथ ने श्रृंगी ऋषि को बुलाया। श्रृंगी ऋषि के आने पर राजा दशरथ ने उनका सत्कार किया और पुत्री शांता से कुशलक्षेम पूछकर रीति के अनुसार सम्मान किया। जिसके बाद ऋषि श्रृंगी ने अपने तप के प्रभाव से यज्ञ कराया।

आदमी जीवन को नहीं जानता है

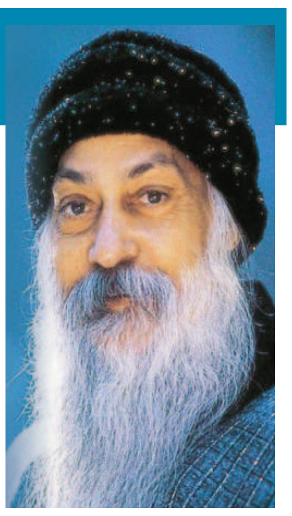

बीज क्या जान सकता है कि आएंगे पत्ते हरे, जिन पर सूरज की किरणें नाचेगी? बीज क्या जान सकता है कि हवाएं बहेंगी पत्तियों और शाखाओं से और प्राण संगीत में गूंजेंगे? बीज कैसे जान सकता है कि खिलेंगे फूल और आकाश के तारों को मात कर देंगे? बीज कैसे जान सकता है कि पक्षी गीत गाएंगे और यात्री छाया में विश्राम करेंगे? बीज कैसे जान सकता है? वृक्ष के अनुभव को बीज कैसे जान सकता है? बीज को तो कुछ भी पता नहीं। वह तो सपना भी नहीं देख सकता उसका, जो वृक्ष होने पर संभव होगा। वह तो वृक्ष होकर ही जाना जा सकता है। आदमी जीवन को नहीं जानता है, क्योंकि उसने बीज को ही अपनी परिपूर्णता समझ ली है। वह तो जीवन को तभी जानेगा, जब भीतर के जीवन का पूरा वृक्ष प्रकट हो। लेकिन भीतर के जीवन का वृक्ष प्रकट होना तो दूर, भीतर कुछ है शरीर से भिन्न और अलग, इसका हमें कोई बोध ही नहीं हो पाता। इसकी हमें कोई स्मृति, इसका कोई स्मरण, इसकी कोई रिमेंबरिंग ही पैदा नहीं हो पाती कि अलग भी कुछ है शरीर से भिन्न। जीवन की समस्या, जो भीतर है, उसके अनुभव की समस्या है। जो भीतर है, उसके अनुभव की समस्या है जीवन की समस्या। और हम जीवन को मान लेते हैं वह, जो कि बाहर विस्तीर्ण है।

एक वृक्ष से मैंने पूछा, तेरा जीवन कहां है? वह वृक्ष कहने लगा, उन जड़ों में जो दिखाई नहीं पड़ती। जड़ें दिखाई नहीं पड़ती, वहां जीवन है। वृक्ष जो दिखाई पड़ता है, वह वहां से जीवन लेता है जो अदृश्य है।

माओत्से तुंग ने अपने बचपन की एक घटना लिखी है कि मेरी मां की झोपड़ी के पास एक बगिया थी। उसने जीवन भर उस बगिया को संभाला था। उसके फूल इतने बड़े और प्यारे होते थे कि दूर—दूर के गांव के लोग देखने आते थे। और बगिया के पास से गुजरता हुआ ऐसा कठोर आदमी कभी नहीं देखा गया जो दो क्षण ठहर न गया हो उन फूलों को देख कर! मां की हो गई और बीमार पड़ गई। माओ छोटा था, पर उसने अपनी मां को कहा कि फिक्र मत करो —घर में और बडा तो कोई था नहीं—उसने कहा, फिक्र मत करो, तुम चिंता मत करो पौधों की, मैं उनकी फिक्र कर लूंगा।पंद्रह दिन बाद मां उठी। माओ दिन भर बगीचे में मेहनत करता रहता, दिन—रात, सुबह से लेकर आधी रात तक। मां निश्चित थी। लेकिन जिस दिन पंद्रह दिन बाद उठकर वह बगीचे में आई तो देखा बगिया पूरी कुम्हला गई है। फूल तो जा चुके कभी के, पत्ते भी मुर्दा हो गए हैं, सारे वृक्ष उदास खड़े हैं। ऐसा ही लगा होगा उस बुढ़िया को जैसा कि आज अगर किसी के पास आंखें हो, तो सारी मनुष्य की बगिया को देखकर लगेगा—सब फूल गिर गए, सब पत्ते कुम्हला गए, सब वृक्ष उदास खड़े हैं। वह तो छाती पीटकर रोने लगी कि यह तूने क्या किया! और तू सुबह से सांझ तक करता क्या था?

माओ भी रोने लगा। उसने कहा कि मैंने बहुत कुछ किया जो मैं कर सकता था। एक—एक फूल की धूल झाड़ता था, एक —एक पते की धूल झाड़ता था। एक—एक फूल को अता था, एक—एक फूल पर पानी छिड़कता था। पता नहीं लेकिन क्या हुआ! इतना श्रम! और सारे वृक्ष कुम्हला गए हैं।(**क्रमशः**)

शादी में हो रहा विलंब या आता है तेज गुस्सा तो मंगलदेव मंदिर में करें पूजा

उज्जैन को मंदिरों की राजधानी कहा जाता है। यहां महाकाल मंदिर के साथ ही हनुमानजी, मां काली, गणेशजी के भी अनेक विख्यात मंदिर है। खास बात यह है कि यहां भगवान मंगलनाथ का भी मंदिर है जोकि नवग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह का जन्म स्थल माना जाता है। यह मंदिर शहर से करीब 5 किलोमीटर दूर शिप्रा नदी के किनारे स्थित है। यहां खासतौर पर मंगलदोष दूर करने के लिए मंगलदेव की पूजा की जाती है।

नवग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह का जन्म स्थल उज्जैन को मंदिरों की राजधानी कहा जाता है। यहां महाकाल मंदिर के साथ ही हनुमानजी, मां काली, गणेशजी के भी अनेक विख्यात मंदिर है। खास बात यह है कि यहां भगवान मंगलनाथ का भी मंदिर है जोकि नवग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह का जन्म स्थल माना जाता है। यह मंदिर शहर से करीब 5 किलोमीटर दूर शिप्रा नदी के किनारे स्थित है। यहां खासतौर पर मंगलदोष दूर करने के लिए मंगलदेव की पूजा की जाती है।

मंगलनाथ मंदिर में मंगलवार तथा भौम प्रदोष पर भातपूजा व गुलाल पूजा का विशेष महत्व है। इस मंदिर के प्रांगण में भूमि माता की प्रतिमा भी स्थापित है। माना जाता है कि मंगल देव की माता भूमि ही हैं। स्कंद पुराण में इसका उल्लेख मिलता है जिसके अनुसार नवग्रहों में से एक मंगल ग्रह का जन्म स्थान अवंतिका उज्जैन है। अब इसे ही मंगलनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है।

नवग्रहों में मंगलदेव का बहुत महत्व है। मंगल ग्रह नवग्रहों के सेनापति के पद पर विद्यमान है। उनका वाहन मेंढ़ा (भेड़) है। मंगल ग्रह अंगारक एवं कुज के नाम से भी जाने जाते हैं और मेष तथा वृश्चिक राशि के स्वामी हैं। मंगल ग्रह का वर्ण लाल है। इनके इष्ट देव भगवान शिव हैं।

कुंडली में यदि मंगलदोष हो यानि जातक मांगलिक हो तो उसे बहुत गुस्सा आता है। इसके साथ ही उसकी शादी में विलंब होता है और दांपत्य जीवन में भी झंझट बनी रहती है। ये दिक्कतें दूर करने के लिए मंगलनाथ मंदिर में जाकर भात पूजा का विधान है। इससे मांगलिक दोष कम होता है और झंझटें खत्म होने लगती हैं।

शास्त्रों के अनुसार उज्जैन में अंधकासुर नामक दैत्य ने भगवान शिव की तपस्या से वरदान प्राप्त किया था कि मेरा रक्त भूमि पर गिरे तो मेरे जैसे अनेक राक्षस उत्पन्न हों। भगवान शिव से अंधकासुर ने वरदान प्राप्त कर पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मचा दी..सभी देवता, ऋषियों, मुनियों और मनुष्यों का वध करना शुरू कर दिया। सभी देवता, ऋषि-मुनि आदि शिव के पास गए और प्रार्थना की कि आपने अंधकासुर को जो वरदान दिया है, उसका निवारण करें।

इस पर शिव ने स्वयं अंधकासुर से युद्ध करने का निर्णय लिया। शिव और अंधकासुर के बीच भीषण युद्ध कई वर्षों तक चला। युद्ध करते समय शिव के पसीने की बून्द भूमि के गर्भ पर गिरी, उससे मंगलनाथ की शिव पिंडी रूप में उत्पत्ति हुई। युद्ध के समय शिव का शस्त्र अंधकासुर को लगा, तब जो रक्त की बूंदें आकाश से भूमि के गर्भ पर शिव पुत्र भगवान मंगल पर गिरने लगीं, तो मंगल अंगार (लाल) स्वरूप के हो गए।

अंगार स्वरूप होने से रक्त की बूंदें भस्म हो गईं और शिव द्वारा अंधकासुर का वध हो गया। शिव ने मंगलनाथ से प्रसन्न होकर 21 भागों के अधिपति एवं नवग्रहों में से एक ग्रह की उपाधि प्रदान की।

शिव पुत्र मंगल उग्र अंगारक स्वभाव के हो गए थे। तब ब्रम्हाजी, ऋषियों, मुनियों, देवताओं ने मंगल की उग्रता की शांति के लिए दही और भात का लेपन किया, उससे मंगल ग्रह की उग्रता की शान्ति हुई। यही कारण है कि मंगलनाथ मंदिर में भात पूजा कराई जाती है।

इस दिशा में भूलकर भी ना बनाएं रसोई

घर में किचन ऐसा स्थान होता है जो महिलाओं का सबसे फेवरेट होता है, लेकिन यह सिर्फ खाने का ही जगह नहीं, बल्कि यह अन्नपूर्णा देवी का भी स्थान होता है।

किस दिशा में होना चाहिए किचन

ज्योतिषाचार्य संतोष कुमार चौबे बताते हैं कि किचन का निर्माण हमेशा साउथ ईस्ट दिशा में होना चाहिए। साउथ ईस्ट दिशा अग्नि की दिशा मानी जाती है। किचन अग्नि का प्रतीत है। इसीलिए जब यह दोनों एक जगह होते हैं, तो अत्यंत शुभ होता है। साउथ ईस्ट दिशा में होने से किचन में जब खाना पकता है तो वह खाना पूरे परिवार के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होता है और इससे परिवार वालों का स्वास्थ्य काफी अच्छा होता है। क्योंकि खाना का सीधा संबंध स्वास्थ्य से होता है।

इस दिशा में भूलकर भी ना बनाएं किचन

उन्होंने आगे बताया कि वहीं किचन भूलकर भी घर के उत्तर दिशा में नहीं होना चाहिए, क्योंकि उत्तर दिशा जल तत्व का प्रतीत होता है और किचन अग्नि तत्व का प्रतीत होता है। जब अग्नि और जल मिलेगा तो यह नकारात्मक प्रभाव डालेगा। जल अग्नि को बुझाने का काम करता है। यही कारण है कि उत्तर दिशा में किचन नहीं बनाया जाता है।

गलत दिशा में किचन कर सकता है स्वास्थ्य खराब

संतोष कुमार चौबे बताते हैं कि अगर आपने उत्तर दिशा में किचन बना दिया तो सबसे पहले तो आपके घर का अग्नि तत्व खराब होगा यानी आपको पेट संबंधी समस्या का सामना करना पड़ेगा। आप के घर के लोगों का स्वास्थ्य निरंतर खराब रहेगा। जिससे धन संबंधी हानि भी होती है, इसीलिए किचन का निर्माण करने से पहले एक बार वस्तु की जानकारी ज्योतिष आचार्य से जरूर लें।

धनु राशि में चार ग्रहों का शुभ योग, इन राशि वालों को मिलेगी तरक्की और होगा धन लाभ

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह एक निश्चित समय पर राशि परिवर्तन करते हैं। ग्रहों के राशि परिवर्तन से कई तरह के योग बनते हैं। ये योग शुभ और अशुभ दोनों ही तरह के होते हैं। जब किसी एक राशि में चार ग्रह आ जाते हैं तो चतुर्ग्रही योग का निर्माण होता है। आपके बता है दें कि ऐसा योग हाल ही में बना है, दरअसल धनु राशि में मंगल, सूर्य, बुध और चंद्रमा प्रवेश कर चुके हैं। इस तरह से धनु राशि में चतुर्ग्रही योग बना हुआ है। चार ग्रहों के योग से बना चतुर्ग्रही योग कुछ राशि वालों को अच्छा लाभ दिला सकता है। आइए जानते हैं धनु राशि में चार ग्रहों की युति से किन-किन राशि वालों को मिलेगा फायदा।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए चतुर्ग्रही योग बहुत ही शुभ फल देने वाला साबित हो सकता है। आपकी राशि में यह योग नौवें भाव में हो रही है। ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक इस राशि के लोगों को भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलताएं हासिल होंगी। शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने के योग बन रहे हैं। आपका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ेगा। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में अच्छे मौक मिल सकती है। सेहत अच्छी रहेगी।

सिंह राशि

आपकी राशि में चतुर्ग्रही योग कुंडली के 5वें भाव में बना हुआ है। कुंडली का पांचवां स्थान शिक्षा से संबंधित होता है। ऐसे में जो जातक उच्च शिक्षा में अध्ययनरत हैं उन्हें कोई सुनहरा मौका मिल सकता है। परिवार के सदस्यों की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है। नौकरीपेशा जातकों को कार्यस्थल पर उनके काम की तरीफ होगी। आपको मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। व्यापार में अच्छा मुनाफा मिलने के योग हैं और नौकरीपेशा जातकों को नई नौकरी की चाहत पूरी हो सकती है।

धनु राशि

धनु राशि में चार प्रमुख ग्रहों की युति बनी हुई है। ऐसे में इस राशि के जातकों के लिए आने वाला समय बहुत ही अच्छा रहने वाला होगा। अधूरे हुए काम जल्द ही पूरे होंगे। आपके साहस में वृद्धि देखने को मिल सकती है। जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उन्हें कोई अच्छी डील हासिल हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों के लिए आने वाला समय अच्छा साबित होगा। परिवार के सदस्यों की तरफ से आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है। भाग्य का अच्छा साथ मिलने के संकेत हैं।

जैकी भगनानी के प्यार में कैसे पड़ीं रकुल प्रीत सिंह? अभिनेत्री का खुलासा

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कुछ दिनों से सुर्खियों में बनी हुई हैं। ऐसी अफवाह है कि अभिनेत्री इस साल फरवरी में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी से शादी कर लेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रकुल और जैकी 22 फरवरी को गोवा में सात फेरे लेंगे। इस जोड़े को पिछले हफ्ते मुंबई में राम मंदिर प्रतिकृति रथ पर पूजा करते हुए भी देखा गया था। रकुल के लिए हाल ही में एक और बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उन्होंने बॉलीवुड में एक दशक पूरा कर लिया है। इसी कड़ी में रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे करने और लव लाइफ पर खुलकर बात की है।

रकुल प्रीत सिंह ने बॉलीवुड में 10 साल पूरे करने पर अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं आज जहां हूं उससे बहुत संतुष्ट हूं। इंडस्ट्री से बाहर की होने के नाते, मुझे शुरू में नहीं पता था कि चीजों को कैसे करना है, लेकिन फिर मैं आभारी हूं कि चीजें मेरे लिए काम कर गईं।' रकुल प्रीत सिंह ने अपने होने वाले पति जैकी भगनानी के बारे में भी बात की। उन्होंने साझा किया कि कैसे उनकी भावनात्मक अनुकूलता उन्हें पेशेवर रूप से भी मदद करती है।

रकुल ने बताया, 'मैं काफी लंबे समय से सिंगल थी, लेकिन पार्टनर का होना एक बहुत ही स्वाभाविक प्रक्रिया है। दुर्भाग्य से, यदि आप फिल्मी जगत का हिस्सा हैं तो बहुत सारी अटकलें हैं। लेकिन हम सभी मनुष्य हैं जो भावनात्मक अनुकूलता और निर्भरता चाहते हैं। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में अभिनेता के जन्मदिन पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बना दिया।

रकुल प्रीत सिंह ने आगे जोड़ा, 'लेकिन वह मेरे प्रोफेशनल स्पेस को समझते हैं क्योंकि वह उसी इंडस्ट्री से हैं और इससे एक महिला के तौर पर मैं उनके साथ काफी सुरक्षित महसूस करती हूं। भावनात्मक संतुलन बनाए रखने से मैं पेशेवर तौर पर जो भी करती हूं, उस पर असर पड़ता है।' हालांकि उन्होंने अपनी शादी की खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन रकुल ने इस बारे में विस्तार से बात की कि वह जैकी के साथ कार्य-जीवन संतुलन कैसे बनाए रखना पसंद करती हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने जोड़ा, 'जैकी और मैं हर समय काम पर चर्चा नहीं करते हैं। हम उस संतुलन को बनाए रखना पसंद करते हैं। हम दोनों वर्कोहोलिक हैं, और फिटनेस भी पसंद करते हैं। इसलिए हमारी बातचीत मुख्य रूप से वर्कआउट, भोजन, स्वास्थ्य और फिटनेस के बारे में होती है।

हैंडसम हंक ही नहीं करोड़ों की संपत्ति के मालिक भी हैं सिद्धार्थ, नेटवर्थ जान उड़ जाएंगे होश

बॉलीवुड इंडस्ट्री के हैंडसम हंक सिद्धार्थ मल्होत्रा आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। अभिनेता ने हिंदी सिनेमा में अपने दमदार अभिनय के दम पर एक अलग पहचान कायम की है। उन्होंने बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी मेहनत और काबिलियत से ही करियर के ऊंचे पायदान पर पहुंचे हैं। अभिनेता लग्जरी लाइफ जीने के लिए भी चर्चा में रहते हैं। उनकी संपत्ति, कार कलेक्शन और नेटवर्थ के बारे में...

सिद्धार्थ मल्होत्रा का जन्म दिल्ली में हुआ। उन्होंने अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी के शहीद भगत सिंह कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने मॉडलिंग करने का फैसला किया। बताया जाता है कि शुरुआत में सिद्धार्थ ने अपने निजी खर्चों के लिए मॉडलिंग शुरू की थी, लेकिन बाद में उन्होंने लंबे समय तक मॉडलिंग की दुनिया में जलवा दिखाया।

अभिनेता ने अपने वर्ष 2006 में अपने अभिनय करियर की शुरुआत छोटे पर्दे के धारावाहिक 'धरती का वीर योद्धा पृथ्वीराज चौहान' से की। इसके बाद उन्होंने करण जौहर के साथ बतौर सहायक निर्देशक काम किया। सिद्धार्थ ने वर्ष 2012 में बॉलीवुड इंडस्ट्री की ओर रुख किया। उन्होंने करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभिनेता ने 'मरजावां', 'एक विलेन', 'अय्यारी', 'कपूर एंड सन्स', 'बार-बार देखो' जैसी सुपरहिट फिल्में दीं।

सिद्धार्थ लग्जरी लाइफ जीते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ 75 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के मालिक हैं। उनके पास मुंबई के पाली हिल इलाके में लग्जरी बैचलर पैड है, जिसे गौरी खान ने डिजाइन किया है। अभिनेता होने के साथ ही सिद्धार्थ मॉडल भी हैं। उनकी महीने की कमाई 50 लाख से ज्यादा है और सालाना 6 करोड़ रुपये तक कमा लेते हैं। सिद्धार्थ को बाइक और लग्जरी कारों का भी शौक है, उनके पास हार्ले डेविडसन अमेरिकन कंपनी की 14 लाख रुपये की बाइक और रेंज रोवर, एसयूवी, मर्सिडीज बेंज एमएल 350 जैसी सुविधाजनक कारें हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धार्थ मल्होत्रा की नेटवर्थ लगभग 85 करोड़ रुपये है।

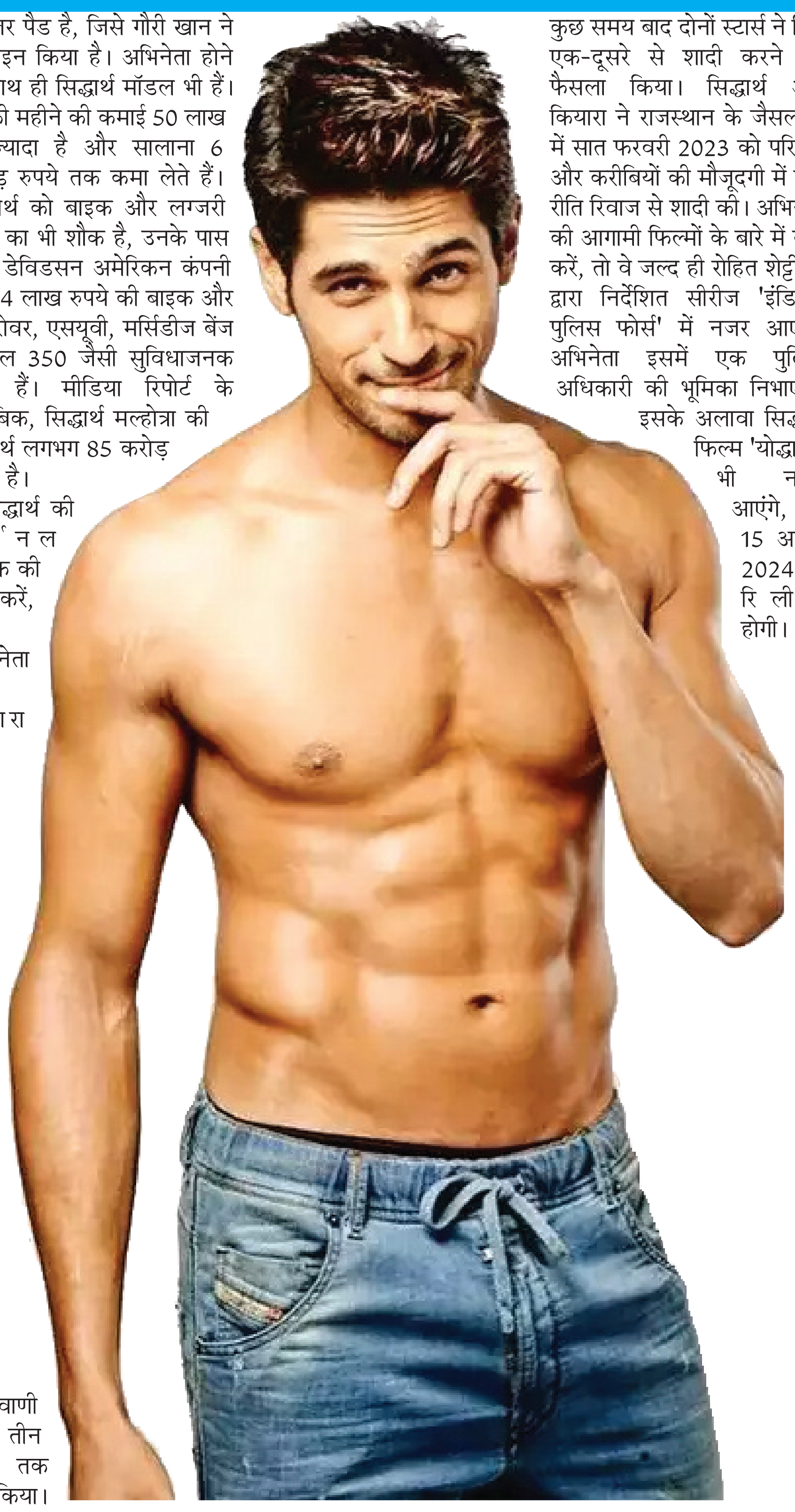

सिद्धार्थ की पर्सनल लाइफ की बात करें, तो अभिनेता ने कियारा आडवाणी को तीन साल तक डेट किया। कुछ समय बाद दोनों स्टार्स ने फिर एक-दूसरे से शादी करने का फैसला किया। सिद्धार्थ और कियारा ने राजस्थान के जैसलमेर में सात फरवरी 2023 को परिवार और करीबियों की मौजूदगी में हिंदू रीति रिवाज से शादी की। अभिनेता की आगामी फिल्मों के बारे में बात करें, तो वे जल्द ही रोहित शेट्टी के द्वारा निर्देशित सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आएंगे। अभिनेता इसमें एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा सिद्धार्थ फिल्म 'योद्धा' में भी नजर आएंगे, जो 15 अप्रैल 2024 में रिलीज होगी।

साउथ के साथ हिंदी पट्टी में भी विजय सेतुपति की है खूब लोकप्रियता

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार विजय सेतुपति हिंदी सिनेमा के भी चहेते बन चुके हैं। बीते कुछ सालों में उन्होंने हिंदी सिनेमा की कई फिल्मों में दमदार अभिनय किया और अपने किरदार से दर्शकों को फैन बना लिया। सहायक रोल निभाते-निभाते विजय ने अपने काबिलियत और हुनर के दम अपनी पहचान बनाई और देखते ही देखते फिल्मों का मुख्य आकर्षण बन गए। आज के दौर विजय हिंदी फिल्मों में भी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। फिलहाल वे कैटरीना कैफ के साथ अपनी फिल्म मेरी क्रिसमस को लेकर चर्चा में हैं। चलिए विजय के 46वें जन्मदिन आपको कुछ दिलचस्प बातें बताते हैं।

साल 2023 विजय सेतुपति शाहिद कपूर की वेब सीरीज फर्जी में नजर आए, इसके बाद उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म जवान में मुख्य विलेन की भूमिका निभाई और फिलहाल वे श्रीराम राघवन की फिल्म मेरी क्रिसमस में नजर आ रहे हैं, जो थिएटर में चल रही है। इस फिल्म को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। यह वे फिल्में हैं जिन्होंने हिंदी सिनेमा में विजय सेतुपति को एक मजबूत पहचान दिलाई।

लेकिन विजय के लिए यह सफर आसान नहीं था। उन्होंने अपने जीवन में संघर्षों का भी दौर देखा है। अपना खर्च निकालने के लिए उन्होंने सेल्समैन, फोन बूथ ऑपरेटर जैसी नौकरियां की। फिल्मों में आने से पहले विजय अकाउंटेंट का भी काम किया। पैसों के लिए विजय ने हर तरह के किरदार निभाए। उन्होंने फिल्मों में

छोटे-मोटे रोल भी किए, लेकिन साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'थेनमुर्क परुवाकाटरू' से उनकी किस्मत पलटी और लोगों ने उन्हें नोटिस करने लगे।

हिंदी सिनेमा में आने से पहले विजय साउथ इंडस्ट्री में अपने पैर जमा चुके थे। बतौर अभिनेता उन्होंने नेशनल अवॉर्ड भी अपने नाम किया। इस दौरान उनकी साउथ फिल्मों की हिंदी डब मूवी हिंदी दर्शकों को पसंद आने लगी। इस लिस्ट में प्रमुख रूप से तृषा के साथ आई उनकी फिल्म '96' थी।

इसके बाद वे कमल हसन स्टारर 'विक्रम' में विलेन की भूमिका में नजर आए। आर माधवन के साथ उनकी फिल्म विक्रम वेधा भी हिंदी दर्शकों को काफी पसंद आई। इन फिल्म के जरिए विजय सेतुपति को हिंदी सिनेमा के दर्शक पहचानने लगे। इसके बाद उन्होंने हिंदी की कई बड़ी फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया, जिसे खूब सराहा गया।

चियान विक्रम की फिल्म 'थंगालान' गणतंत्र दिवस के मौके पर

चियान विक्रम अपनी अपकमिंग फिल्म 'थंगालान' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह है। पा रंजीत द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बीते माह ही इसकी रिलीज को टाल दिया गया। अब मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की है।

'थंगालान' भारत में ब्रिटिश शासन काल की कहानी पर आधारित है। यह एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें आदिवासी नेता थंगालान अंग्रेजों का बहादुरी से सामना करते हैं। फिल्म में उनके संघर्ष को दिखाया गया है। अंग्रेजी शासन कोलार गोल्ड फील्ड्स में सोने के खनन के लिए थंगालान की जमीन को जब्त करने की साजिश रचती है, जिसके बाद थंगलान ने अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोल देते हैं।

फिल्म के निर्माताओं ने वीएफएक्स में काम बाकी होने के कारण जनवरी में इसकी रिलीज को टाल दिया। 'थंगालान' का टीजर बीते साल रिलीज किया गया था, जिसमें सभी किरदारों को एक अनोखे और अलग रूप में दिखाया गया था। वहीं, चियान विक्रम को एक रफ लुक में दिखाया गया था, जिसके बाद इस फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। जनवरी में फिल्म की

रिलीज डेट टालने के बाद अब मेकर्स ने इस फिल्म को इसी साल अप्रैल महीने में रिलीज करने का फैसला किया है। हालांकि, अभी तक इस फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा नहीं उठाया गया है।

थंगालान में चियान विक्रम मुख्य भूमिका में है, इसके अलावा फिल्म में पार्वती थिरुवोथु, मालविका मोहनन, पसुपति, डैनियल कैल्टागिरोन जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म में पार्वती 'गंगाम्मल' का किरदार निभा रही हैं। वहीं, मालविका 'आरती' का किरदार निभा रही है।

तुनिशा शर्मा के वकील भी अदालत में सुनवाई के लिए नहीं आते, शीजान खान का चौंकाने वाला दावा

तुनिषा शर्मा की मौत के एक साल से अधिक समय बाद अब शीजान खान ने कुछ चौंकाने वाले दावे किए हैं। अली बाबा के पूर्व अभिनेता हाल ही में में दिए साक्षात्कार में दावा किया कि दिवंगत अभिनेत्री की ओर से कोई भी अदालत की सुनवाई में शामिल होने के लिए नहीं आता था। उन्होंने कहा, 'मैं खुद जाता हूं, लेकिन तुनिषा की पार्टी से कोई भी अदालत में नहीं आता है। मैं अपनी हर सुनवाई में जाता हूं। कभी-कभी उनके वकील पेश नहीं होते हैं और हम पूरे दिन शाम चार से पांच बजे तक उच्च न्यायालय में बैठे रहते हैं, जैसे कि उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं है। सच्चाई की लड़ाई उनके लिए बहुत नीरस हो गई है।'

शीजान खान ने आगे खुलासा किया कि उनसे कुछ कागजात पर हस्ताक्षर करवाए गए थे, जिसके कारण वह अपनी दिवंगत सह-कलाकार तुनिशा के लिए एक डेथ एनिवर्सरी पोस्ट नहीं लिख पाए। उन्होंने कहा, 'उन्होंने मुझे यह करने के लिए मजबूर कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि मैं सहानुभूति और प्रसिद्धि चाहता हूं। अब इसलिए, उन्होंने मुझसे एक कागज पर हस्ताक्षर करवाए कि मैं नाम नहीं ले सकता और न ही कहीं भी तस्वीर अपलोड कर सकता हूं।'

हालांकि, अभिनेता ने बताया कि अपने कठिन समय के दौरान उन्होंने अपनी कविताओं और शायरी के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे पास मेरी शायरियां और

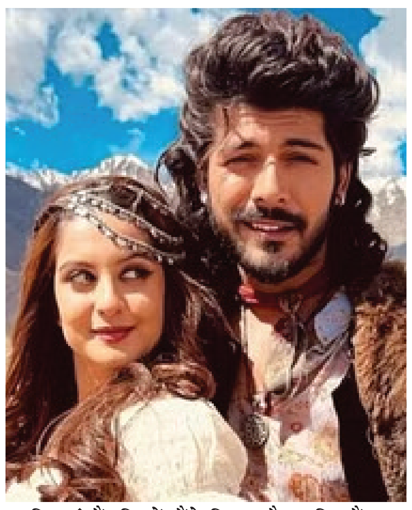

कविताएं हैं, जिन्हें मैंने लिखा है, ताकि मैं कुछ समय साझा कर सकूं।' शीजान ने यह भी साझा किया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने उनकी और उनके परिवार की जिंदगी बदल दी है। उन्होंने कहा, 'यह चलता रहता है। आपने हमें ऐसा महसूस कराया है, जैसे हम कोई खुशी नहीं मना सकते, जैसे कि हमारे पास कोई अधिकार ही नहीं है। 25 दिसंबर को मेरे भाई का जन्मदिन था और मैं इसके बारे में कुछ भी साझा करने में असमर्थ था। ये सारे शब्द अब मुझे परेशान करते हैं और आप अपने पालतू कुत्ते का जन्मदिन भी मना रहे हैं। अब मुझे और मेरे परिवार को सामान्य जीवन जीने से क्यों बाहर रखा जा रहा है।'

शादी की तस्वीरों में सिगरेट पीती हुई नजर आईं आमिर खान की लाडली आयरा, लोगों ने सुनाई खूब खरी-खोटी

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने तीन जनवरी को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नूपुर शिखरे के साथ शादी की, जिसके बाद उदयपुर में डेस्टिनेशन वेडिंग और मुंबई में एक शानदार रिसेप्शन हुआ। अब, आयरा ने अपने प्री वेडिंग फंक्शन की एक झलक दी है, जिसमें वे अपने पति नूपुर शिखरे, परिवार और दोस्तों के साथ खुशी के पल साझा कर रही हैं। आयरा बने कई प्यारी तस्वीरें साझा कीं, लेकिन उनकी आखिरी तस्वीर लोगों को पसंद नहीं आई, जिस पर वे ट्रोल हो गईं। दरअसल, इस तस्वीर के जरिए उन्होंने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है।

आयरा ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें एक तस्वीर में वे सिगरेट पीती नजर आईं। इन तस्वीरों में आयरा को लेटे हुए एक दोस्त के साथ आराम करते हुए और आंखों पर मास्क पहने हुए देखा जा सकता है। वहीं अन्य तस्वीरों में उन्होंने अपनी मां रीना दत्ता के साथ पोज दिए और पति नूपुर शिखरे के साथ भी मस्ती करती नजर आईं। वहीं, आयरा की सिगरेट के साथ एक तस्वीर भी है, जो इंटरनेट पर वायरल हो रही है।

तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, 'यह फोटो अच्छी नहीं है।', एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आमिर खान की बेटी होकर ऐसी तस्वीर साझा करते हुए सिगरेट का प्रचार कर रही हों।' एक ने लिखा, 'लोग आपको अच्छी आदतों के लिए फॉलो करते हैं और आप ही अपनी छवि खराब कर रही हैं।' वहीं कई यूजर्स यह कहते हुए दिखे कि उन्हें नशीले पदार्थों और सिगरेट का प्रचार नहीं करना चाहिए। दरअसल, आयरा खान

और नूपुर शिखरे की शादी का जश्न इस हफ्ते उदयपुर में हुआ। शादी के उत्सव में मेहंदी, संगीत समारोह, फुटबॉल मैच और पायजामा पार्टी शामिल थी। इस जोड़े ने तीन जनवरी को कोर्ट मैरिज की। वहीं, 10 जनवरी को उदयपुर में परिवार और दोस्तों की उपस्थिति में एक दूसरे को अंगूठी पहनाई और सात फेरे लिए। इस जोड़े ने 13 जनवरी को मुंबई में सितारों से सजी शादी का रिसेप्शन भी रखा था और आयरा और नूपुर की शादी का जश्न मनाने के लिए बॉलीवुड की बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। शादी के बाद नूपुर ने प्यारी तस्वीरें साझा की थीं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। वहीं, अब आयरा ने भी कुछ तस्वीरें साझा की हैं।

'आज के राजनेताओं जैसे नहीं थे अटल', पंकज त्रिपाठी ने उनके व्यक्तित्व को लेकर कही यह बात

पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर फिल्मों में अपनी प्रतिभा को दिखाया है। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं अटल हूं' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उनकी यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवनी पर आधारित है। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि वाजपेयी की तुलना आज के राजनेताओं से नहीं की जा सकती है।

पंकज ने कहा, 'अटल वाजपेयी के बारे में पढ़ने के बाद, आप आज के समय के नेताओं के बारे में वैसा महसूस नहीं करेंगे। वाजपेयी के विरोधी थे, लेकिन उनके कट्टर आलोचक भी उनका सम्मान करते थे और विधायी शिष्टाचार का पालन करते थे। अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व ऐसा है कि जिसकी तुलना आज के राजनेताओं से नहीं की जा सकती। भारतीय राजनीति में अटल का प्रतिद्वंद्वी ढूंढना कठिन है। वे राजनेता ही नहीं एक कवि भी थे। मैंने उनसे सीखा है कि एक व्यक्ति को अंदर से लोकतांत्रिक होना चाहिए। उनकी कविताएं आपको यह विश्वास करने के लिए प्रेरित करते हैं कि हर कोई जीवन में कुछ भी कर सकता है।' अभिनेता ने आगे बताया कि उन्होंने भी अटल वाजपेयी की दो राजनीतिक रैलियों में भाग लिया था।

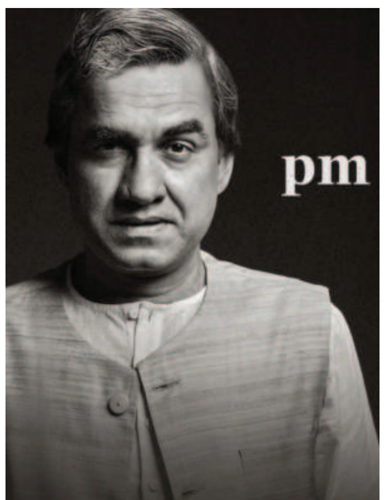

जिसमें उन्होंने पांच सौ मीटर दूर भीड़ में खड़े होकर उनकी बातें सुनी थीं।

अभिनेता ने आगे कहा, 'अटल बिहारी वाजपेयी लोगों के बीच काफी मशहूर हैं। हम आपको अपनी फिल्म के माध्यम से बटेश्वर के उस छोटे बच्चे के बारे में बताएंगे, जो बड़ा होकर अटल बिहारी वाजपेयी बना। अटल वाजपेयी की एक कविता है, जिसमें उन्होंने कहा, 'मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े।' यह कविता को हमने फिल्म के एक सीन में भी शामिल किया है।'

कठिन समय में भी दिमाग होगा शांत और खुश बस इस तरह से अपने माइंड को दें झांसा

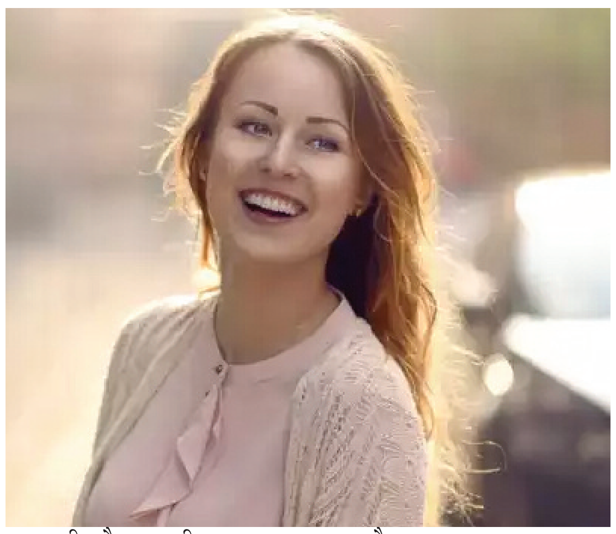

खुशी और गम जीवन का एक अहम हिस्सा है। यह तय है कि अच्छा समय आया है तो बुरा समय भी आएगा। इसलिए दोनों ही परिस्थितियों के लिए अपने मन और दिमाग को पहले से तैयार और स्थिर रखना जरूरी है। यहां आप जान सकते हैं ये कैसे किया जा सकता है।

ज्यादातर लोग खुशी को बाहरी चीजों में खोजते हैं। जबकि यह अंदरूनी होती है। यह समझना जरूरी है कि खुशी केवल परिस्थितियों या किसी व्यक्ति द्वारा निर्मित नहीं है, बल्कि हमारे विचारों और कार्यों के माध्यम से महारत हासिल करने वाली एक कला है।

लेकिन चिंता, तनाव और जरूरतें अक्सर इस प्रक्रिया को कठिन बना देती है, जिसके कारण जीवन में खुश रहना बहुत मुश्किल लगने लगता है। इसलिए आज हम यहां आपके साथ कुछ ऐसे ट्रिक शेयर कर रहे हैं, जिसकी मदद से आप खुद कठिन समय में भी शांत और खुश रख सकेंगे।

फिजिकल एक्टिविटी करें

फिजिकल एक्टिविटी नेचुरल तरीके से आपके मूड को सुधारने का काम करती है। इसलिए हमेशा 10 मिनट का एक्सरसाइज जरूर करें। इसमें आप तेज चलना, जंपिंग जैक, स्ट्रेचिंग जैसे एक्टिविटी शामिल कर सकते हैं। साथ ही क्वालिटी स्लीपिंग भी आपके मानसिक सेहत के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए हर रोज सात घंटे की नींद जरूर लें। खासतौर पर जब आप ज्यादा परेशान हैं, तो प्रॉपर नींद लें।

हरियाली जगहों पर समय बिताएं

परेशान मन को शांत करने का सबसे सस्ता और कारगर नुस्खा है कि हरे-भरे वातावरण में सैर करें। इसके लिए आपको जंगल में जाने की जरूरत नहीं है, एक छोटे से पार्क, बगीचा, में चलना भी बहुत फायदेमंद साबित होता है। हरा रंग आपके माइंड को रिलैक्स करता है। जिससे खुशी की भावनाओं बढ़ती है और तनाव-चिंता कम होती है।

खुद को आईने में देखकर मुस्कुराएं

समय कितना भी खराब या कठिन क्यों ना हो हमेशा खुद को शीशे में देखते हुए मुस्कुराने का समय जरूर निकालें। यह एक ऐसी ट्रिक है जिसकी आदत आपको बुरे समय में भी तनाव और चिंता का शिकार नहीं होने देगी।

परेशानी के हल पर विचार करें

यदि आप किसी कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो हर समय इसके बारे में सोचने के बजाय इसके हल या समाधान के बारे में सोचें। ऐसा करके एक तो आप खुद को डिप्रेशन से बचाते हैं दूसरा आपका माइंड बेहतर तरीके से परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार होता है।

ये आदतें एक अच्छे खासे आदमी पर लगा देती हैं बुरे पति का टैग

किसी ने बिल्कुल ठीक कहा है कि हर शादी फिल्मों की तरह रोमांटिक नहीं होती। आम जिंदगी में प्यार के साथ-साथ तकरार भी लगी ही रहती है। अगर समय रहते इसे संभाला न जाए, तो कभी-कभार यह रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि शादीशुदा रिश्ता खट्टे-मीठे पलों का मिश्रण है, जिसे पति-पत्नी मिलकर सहेजते हैं। हर रिश्ते की तरह इस बंधन में भी न केवल खूब सारा प्यार है बल्कि छोटी-मोटी तकरार भी है। हां, वो बात अलग है कि अगर एक बार मन में खटास आ जाए, तो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं रह जाता। इसलिए कहा भी गया है कि अपने रिश्ते में हमेशा खुशहाली बनाए रखने के लिए पति और पत्नी दोनों को ही बराबर कोशिशें करनी चाहिए। अगर एक ने भी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया, तो उस रिश्ते का टूटना तय है।

हालांकि, अपने रिश्ते को कैसे चलाना है, यह पूरी तरह पति-पत्नी पर निर्भर करता है। लेकिन बहुत बार देखा गया है कि कुछ कपल्स ऐसे गुणों की ओर आकर्षित होते हैं, जो उनके विवाह को कमजोर करते हैं। एक तरफ जहां महिलाएं खुद को घर-परिवार में ढाल लेती हैं, तो वहीं पुरुष इन लक्षणों के साथ सहज होते जाते हैं, जिसके कारण वह

चाहकर भी अच्छे पति नहीं बन पाते। ऐसे में हम आपको पुरुषों की उन आदतों के बारे में जिनकी वजह से वे अच्छे पति नहीं बन पाते हैं।

पत्नी की बातों पर ध्यान न देना

इस बात से आप भी इनकार नहीं कर सकते कि हर रिश्ते की नींव स्ट्रांग कम्युनिकेशन है। आपका रिश्ता कैसा है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप एक-दूसरे से कितनी बात करते हैं। एक-दूसरे की बातों को कितना समझते हैं। लेकिन शादीशुदा रिश्तों में ऐसा कम ही हो पाता है। बहुत सी पत्नियों की शिकायत होती है कि उनके पति उनकी बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। जब पति आपके लिए वक्त ही ना निकाले, तो नो डाउट किसी को भी परेशानी महसूस हो सकती है।

बात करने का गलत लहजा

पति-पत्नी एक गाड़ी के दो पहिए होते हैं। दोनों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। दोनों का एक-दूसरे के बगैर रहना मुश्किल है। लेकिन बहुत बार देखा गया है है कि पति काम के तनाव के कारण अपनी पत्नी पर गुस्सा जाहिर कर देते हैं या उनसे ठीक तरीके से बात नहीं करते हैं, जोकि बहुत गलत है। आपको पता होना चाहिए कि आपकी पत्नी सारा दिन आपका इंतजार करती है। ऐसे में उनसे बात करते समय विनम्र होने की जरूरत है ताकी वो भी आपसे अपने मन का कुछ हाल बयां कर सकें।

बाहर रिश्ता बनाना

एक शादीशुदा रिश्ता उस समय कमजोर पड़ जाता है, जब पति अपनी पत्नी को छोड़ किसी दूसरी महिला के प्यार में पड़ता है। आपके पति की इस तरह की हरकतें, इस बात की तरफ इशारा करती हैं कि अब उनकी शादी ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके क्वालिटी टाइम में अब कोई तीसरा आ गया है। जब हम अपनी पत्नियों से मिलने वाली अंतरंगता कहीं और तलाश करना शुरू कर देते हैं या अपनी पत्नियों की तुलना किसी अन्य महिला से करते हैं, तो हम चाहकर भी कभी अच्छा पति नहीं बन सकते।

पत्नी का सम्मान न करना

ऐसे बहुत से आदमी हैं, जो अपने पत्नी को किसी के सामने कुछ भी कह देते हैं। ऐसा करना जरा भी सही नहीं है। अपनी पत्नी के लिए अपशब्दों का उपयोग करना उसका अपमान करना होता है। इतना ही नहीं, अगर आपका यही व्यवहार दूसरों के सामने भी रहता है, तो समझ लीजिए कि आप अपने पार्टनर का जरा भी सम्मान नहीं करते हैं। अपने रिश्ते में प्यार और विश्वास बनाए रखने के लिए पार्टनर का सम्मान करना जरूरी है।

26 जनवरी को स्कूल कार्यक्रम में बच्चा हिस्सा ले रहा है, अभिभावक जरूर करें ये पांच काम

भारत के इतिहास में सबसे अहम दिनों में से एक गणतंत्र दिवस आने वाला है। प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को पूरे देश में मनाया जाता है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ और आजादी के बाद भारत देश एक लोकतांत्रिक देश बन गया। गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाया जाता है। स्कूल, कार्यालयों आदि में इस दिन ध्वजारोहण किया जाता है और कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। इस मौके पर देशभर के स्कूलों में जश्न मनाया जाता है। स्कूलों में देशभक्ति से जुड़े रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति होती है, जिसमें छात्र छात्राएं उत्साह के साथ प्रतिभाग करते हैं।

26 जनवरी के कार्यक्रम के लिए स्कूलों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। बच्चे इसमें उत्साह से प्रतिभाग करते हैं और स्कूल कार्यक्रम के लिए तैयारियां भी शुरू कर दी होंगी। हालांकि सर्दी बहुत है और प्रशासन के आदेश से स्कूलों में छुट्टियां भी बढ़ रही हैं, ऐसे में स्कूल कार्यक्रम के लिए तैयारी कर रहे बच्चों को कुछ समस्या आ सकती है। मंच पर प्रस्तुति के लिए बच्चे का उत्साह वर्धन करने के लिए अभिभावकों को भी तैयारियों में हिस्सा लेना चाहिए। जो बच्चे 26 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं और तैयारी कर रहे हैं उनके अभिभावक कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

बच्चे की क्षमता को समझें

गणतंत्र दिवस के लिए स्कूल में होने वाले रंगारंग कार्यक्रम में बच्चा प्रतिभाग करना चाहता है तो उसकी क्षमता को समझकर ही प्रस्तुति तैयार कराएं। बच्चा नृत्य में अच्छा है, या गायन में, अच्छा वक्ता है या अन्य प्रतिभा का धनी है, उसकी इस काबिलियत को पहचानकर प्रस्तुति तैयार कराएं। साथ ही बच्चे की पसंद का भी ध्यान रखें ताकि वह अपनी प्रस्तुति को एंजॉय कर सकें।

दबाव न डालें

अक्सर माता-पिता बच्चे को अभ्यास कराते समय अधिक दबाव बनाने लगते हैं। अपनी महत्वकांक्षाओं का बोझ बच्चे पर न डालें, बल्कि बच्चे को प्रोत्साहत करें। लगातार अभ्यास कराने के बजाए खेल-खेल में उससे तैयारी कराएं ताकि वह डर कर नहीं बल्कि आनंद के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग करे और हड़बड़ाहट में गलतियों से बचे।

अभ्यास जरूरी

बच्चा स्कूल कार्यक्रम में अच्छी प्रस्तुति तब दे पाएगा, जब वह पूरी तरह से निश्चिंत हो कि उसे पूरा प्रोग्राम याद है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चा अच्छे से अभ्यास करें। माता पिता और शिक्षकों को बच्चे के अभ्यास के लिए समय देने की जरूरत है। उन्हें अकेले प्रैक्टिस करने देने के बजाए कुछ समय दें। बच्चे को उनकी प्रस्तुति रिकॉर्ड करके दिखाएं और खुद से कमियों को समझने दें, ताकि अगली प्रस्तुति में वह गलती न दोहराएं।

तारीफ करना न भूलें

आत्मविश्वास की कमी तब होती है, जब बच्चे को लगता है कि वह गलत प्रस्तुति दे रहा है या अच्छा नहीं कर रहा। उसका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए जरूरी है कि बच्चे की तारीफ करें। तारीफ मिलने पर वह और अधिक अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। बच्चे की गलतियां निकालने या डांटने के बजाए उनकी थोड़ी सी तारीफ मनोबल को बढ़ावा देती है।

शादी के बाद माता-पिता से अलग रहने के हैं फायदे तथा दूरी क्यों होती है जरूरी

करियर के चलते परिवार से दूर रहना या फिर शादी के बाद निजता की वजह से परिवार से अलग रहना कई युवाओं की पसंद हो सकती है तो कइयों की मजबूरी। ऐसे में असल वजह को जानने की जरूरत है। राहुल और रीमा कई वर्षों से दोस्त हैं। ये दोस्ती अब बहुत आगे बढ़ चुकी है और एक रिश्ते में बदलने वाली है, जो कि है शादी। दोनों के माता-पिता भी इसके लिए सहमत हैं, लेकिन राहुल थोड़ा तनाव में है। वह अपने मन की बात रीमा को बताना चाहता है, मगर हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। इसका कारण है रीमा का शादी के बाद राहुल के माता-पिता से अलग रहने का प्लान!

उधर, कपिल और कविता की शादी को बमुश्किल साल भर भी नहीं हुआ है कि रिश्ता टूटने के कगार पर है। कविता और उसकी सास में बन नहीं रही और रोज-रोज कलह होती है। हालांकि कविता ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की कि कपिल के माता-पिता के साथ उसका रिश्ता अच्छा रहे और घर में सब मिल-जुलकर रहें, लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बाद भी ऐसा नहीं हो सका। कपिल बीच में फंसा महसूस करता है। अब स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि कविता ने कपिल को अल्टीमेटम दे दिया है कि उसे अलग रहना है। हालांकि दोनों मामले अलग हैं और दोष किसी का भी नहीं है, लेकिन यह अधिकतर परिवारों की कहानी हो सकती है। कहीं यह परिस्थितिवश पैदा हो जाती है और कहीं ऐसी परिस्थितियां पैदा की जाती हैं।

परिवार और करियर पर पश्चिमी और भारतीय कॉन्सेप्ट

पश्चिम की तरफ देखें तो वहां घर-परिवार तथा करियर का कॉन्सेप्ट अलग है और हमारे यहां की अवधारणा एवं संस्कार अलग। पश्चिम में युवा करियर के साथ ही अपने माता-पिता से अलग होकर उसी शहर में या दूर रहते हैं। माता-पिता को भी कोई आपत्ति या परेशानी नहीं होती है। युवाओं में भी एक धारणा होती है कि एक ही घर में, एक ही छत के नीचे रहेंगे तो उन्हें वह निजता और आजादी नहीं मिल सकेगी, जो उन्हें अलग घर में रहने पर मिलेगी। उलट है।

मजबूरी में नहीं हंसी-खुशी लें अलग रहने का फैसला

महानगरों में कई माता-पिता बच्चों को अपनी ही सोसाइटी या आस-पास ही अलग घर दिला देते हैं, ताकि बच्चे मनमर्जी से रह सकें और उन पर कोई बंदिश या निजता की समस्या न हो। माता-पिता भी खुश और बच्चे भी खुश! लेकिन ऐसा बहुत कम है, अधिकतर मामलों में तो पारिवारिक अनबन, निजता, आजादी, घर के खर्चे और सामाजिकता आदि मुद्दे ही आधार होते हैं। दरअसल, माता-पिता से अलग रहने का फैसला कहीं हंसी-खुशी से होता है तो कहीं मजबूरीवश।

परिवार में अपने लिए स्पेस बनाएं

आजकल डिजिटल मीडिया ने दूरियों को समेटकर डिवाइस तक सीमित कर दिया है। फिर अगर उसी शहर या सोसाइटी में बच्चे हंसी-खुशी से रहते हैं तो नुकसान किस बात का? एक तरह से यह व्यक्तिगत सोच और जरूरत का मुद्दा है और इसी नजरिये से इस पर सोचने की जरूरत है।

सबसे पहले उनसे मदद मांगे

कंसल्टेंट साइकोलॉजिस्ट साक्षी गुप्ता कहती हैं, शादी या करियर के लिए माता-पिता से दूर रहने का मतलब उनके प्रति लगाव कम होना नहीं है। दूर रहकर भी पारिवारिक रिश्ते मजबूत बने रह सकते हैं। युवा करियर के साथ ही पारिवारिक संबंधों को फोन कॉल, वीडियो चैट या संभव हो तो मुलाकात के माध्यम से मजबूत बनाए रख सकते हैं। माता-पिता और अपनी प्राथमिकताओं में संतुलन बनाएं। जब भी जरूरत पड़े, सबसे पहले माता-पिता से सलाह मांगें। कॅरिअर या निजी जीवन से संबंधित उपलब्धियों को साझा करें।

हर रिश्ते में सही संतुलन

समाजशास्त्री डॉ. सृष्टि की कहती हैं, एक ही शहर में माता-पिता से अलग रहना कोई बुरी बात नहीं है। इससे बच्चों को अपना स्पेस मिलता है और स्वतंत्रता भी, जो अंततः संबंधों में विषाक्तता से मुक्त स्वस्थ सामाजिक संबंधों के निर्माण के लिए आज की आवश्यकता है। बुढ़ापा जीवन का एक संवेदनशील चरण है, जो भावनात्मक और शारीरिक रूप से माता-पिता में अपनेपन की भावना पैदा करता है। लेकिन दोनों पक्ष आपसी सहमति से अलग रहना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं। याद रखें, करियर की सफलता और पारिवारिक संबंध एक रह सकते हैं। यह युवाओं पर निर्भर है कि वे ऐसा संतुलन-समाधान ढूंढें, जो उनके लिए सही हो।

इस डाइट प्लान से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहेगा

डायबिटीज दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है, हर उम्र के व्यक्ति में इसका खतरा देखा जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, सभी में डायबिटीज का निदान हो रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसे सिर्फ कंट्रोल रखा जा सकता है। जिन लोगों में डायबिटीज की समस्या का निदान किया गया है उन्हें दवाइयों के साथ आहार और लाइफस्टाइल में ऐसे बदलाव करने चाहिए, जिससे ब्लड शुगर को बढ़ने से रोका जा सके। ब्लड शुगर का लगातार बढ़ा हुआ स्तर जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ाने वाला हो सकता है। ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने के लिए जरूरी है कि आप स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का सेवन करें। आहार में उन चीजों की मात्रा बढ़ाएं जो प्राकृतिक तौर पर शुगर को बढ़ने से रोकने में मददगार हो सकती हैं।

डाइटिशियन बताते हैं, अगर आहार पर ध्यान दे दिया जाए तो शुगर को कंट्रोल में रखना आसान हो सकता है। आइए जानते हैं कि इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना जरूरी हो जाता है?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, शुगर को कंट्रोल रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भोजन में पौष्टिक चीजों की ठीक मात्रा सुनिश्चित करें। सबसे पहले सलाद/सब्जियां खाएं, उसके बाद प्रोटीन और वसा वाली चीजों का भी सेवन करें। कार्ब्स और शुगर वाली चीजों का सेवन कम करें। डायबिटीज की स्थिति शरीर को धीरे-धीरे कमजोर करती जाती है इसलिए सिर्फ शुगर कंट्रोल करने के लिए ही नहीं शरीर को बेहतर पोषण और ताकत के लिए भी आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है।

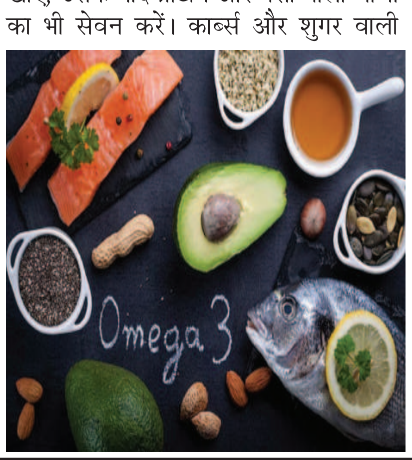

कुछ स्वस्थ बदलाव जरूरी

आहार में कुछ प्रकार के बदलाव ब्लड शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं।

सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस का सेवन किया जा सकता है। इसमें कैलोरी कम होती है और भोजन के बाद रक्त शर्करा नहीं बढ़ता।

बाजरा/ज्वार के आटे का सेवन करें।

राजमा और काली बीन्स जैसी दालें और फलियों को आहार में शामिल करें। ये रक्त शर्करा को कंट्रोल में रखती हैं।

पालक और केल जैसे पत्तेदार साग, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर जामुन खाने से रक्त शर्करा का स्तर कंट्रोल में रहता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मछलियों, नट्स की सेवन करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां और साग जरूरी

पत्तेदार साग जैसे पालक के साथ ब्रोकली जैसी फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर सब्जियां रक्त शर्करा को नियंत्रण में रखने की बढ़िया विकल्प हैं। एवोकाडो जैसे स्वस्थ वसा और फाइबर से भरपूर फलों से डायबिटीज के कारण होने वाली कई प्रकार की जटिलताओं को कम करने में लाभ मिल सकता है। खाने के लिए सही तेल के सेवन जरूरी है। ऑलिव ऑयल में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट रक्त शर्करा को बढ़ाए बिना दिल को स्वस्थ रखने में भी सहायक है।

ओमेगा-3 और प्रोटीन वाली चीजें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ प्रकार की मछलियों विशेषकर फैटी फिश में ओमेगा-3 की मात्रा होती है, ये प्रोटीन भी प्रदान करती हैं। इससे शरीर को पोषण तो मिलता ही है साथ ही शुगर भी कंट्रोल रहता है। इसके अलावा अंडे भी प्रोटीन का बेहतर विकल्प हैं, ये रक्त शर्करा को नहीं बढ़ने देते हैं। आहार में नट्स को शामिल करना भी जरूरी है, अखरोट, बादाम और पिस्ता जैसे नट्स रक्त शर्करा में वृद्धि किए बिना स्वस्थ वसा और प्रोटीन प्रदान करते हैं।

आईआरएफसी के पूर्व चेयरमैन के खिलाफ सीबीआई का आरोपपत्र

ईडी ने केरल में जब्त की 30 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ऊंची कीमतों पर उपहारों की खरीद में कथित अनियमितताओं के लिए भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) के पूर्व चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अमिताभ बनर्जी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बनर्जी के खिलाफ करीब तीन महीने की जांच के बाद यहां एक विशेष अदालत को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी। एजेंसी ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत कुछ प्रावधान लगाए हैं।अधिकारियों ने बताया कि बनर्जी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में 2019 में इसके प्रबंध निदेशक के तौर पर शामिल हुए और बाद में सीएमडी के तौर पर पदोन्नत होने के बाद उन्हें पिछले साल कथित वित्तीय कदाचार और पद के दुरुपयोग के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ जांच रेलवे के सतर्कता विभाग से प्राप्त सूचना के आधार पर शुरू की गई थी, जिसमें यह दर्शाया गया था कि उन्हें तोहफे के तौर पर मिले सोने के सिक्के और अन्य गैर-स्वर्ण वस्तुएं ऊंची कीमतों पर तोहफे के तौर पर खरीदे गए।केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मामले में सीबीआई जांच के लिए मंजूरी दे दी थी। आईआरएफसी रेलवे के स्वामित्व वाला सार्वजनिक उपक्रम है। यह रोलिंग स्टॉक की खरीद के लिए बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर को धन उधार देता है। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान एजेंसी ने दिशानिर्देशों का उल्लंघन पाया और बनर्जी पर भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत आपराधिक कदाचार का आरोप लगाया गया है। सीबीआई ने पाया कि आईआरएफसी अधिकारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऐसी महंगी वस्तुओं की खरीद और वितरण के लिए कोई मानक संचालन प्रक्रिया या निर्धारित नियम नहीं थे। रेलवे के सतर्कता विभाग ने आरोप लगाया था कि आईआरएफसी अधिकारी अपनी जांच के दौरान सार्वजनिक धन से खरीदे गए उपहार वस्तुओं के प्राप्तकर्ताओं की सूची का खुलासा करने के इच्छुक नहीं थे, जो प्रथम दृष्टया अधिकारियों की ओर से वित्तीय गबन का स्पष्ट मामला प्रतीत होता है। एजेंसी के अनुसार एक वित्त कंपनी होने के नाते इस मामले में आईआरएफसी अधिकारियों की ओर से किए गड़बड़ी किए जाने की आशंका है, जिसमें तत्कालीन सीएमडी भी शामिल हैं।

ईडी ने केरल में 30 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को केरल के एक रियल्टी समूह के प्रवर्तक की 30 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क करने की जानकारी दी है। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि हीरा कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक अब्दुल रशीद, उनके ट्रस्ट हीरा एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट और उसकी सहयोगी कंपनी हीरा समर हॉलीडे होम्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ी कुल 62 अचल संपत्तियों को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य 30.28 करोड़ रुपये है।ईडी ने आरोप लगाया कि हीरा कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, राशिद और अन्य आरोपियों ने भारतीय स्टेट बैंक की तिरुवनंतपुरम स्थित कोवडियार शाखा के साथ धोखाधड़ी की और बैंक के पास गिरवी रखी गई प्राथमिक और जमानत वाली प्रतिभूतियों को 'धोखे' से बेचा और कर्ज के पुनर्भुगतान में 'धोखाधड़ी' की।ईडी ने बताया कि आरोपियों ने इन अपराधों को अंजाम देकर 34.82 करोड़ रुपये कमाए। रशीद को ईडी ने पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है।

स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में गुजरात, केरल, कर्नाटक अव्वल, डीपीआईआईटी ने जारी की रैंकिंग

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उभरते उद्यमियों के लिए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के मामले में गुजरात, केरल तथा कर्नाटक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्य बनकर उभरे हैं। उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की रैंकिंग में यह बात सामने आई। केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश को भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों की श्रेणी में रखा गया है। महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय को शीर्ष प्रदर्शन करने वालों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। डीपीआईआईटी के तहत रैंकिंग एक वार्षिक कवायद है जो स्टार्टअप वृद्धि के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के प्रयासों के आधार पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन करता है। इस रैंकिंग में कुल 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया है। इन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले, शीर्ष प्रदर्शन करने वाले, नेतृत्व करने वाले, महत्वाकांक्षी नेतृत्व करने वाले और उभरते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने वालों की पांच श्रेणियों में बांटा गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी जनसंख्या के आकार के आधार पर मोटे तौर पर दो वर्गों में विभाजित किया गया। एक करोड़ से अधिक आबादी वाले और एक करोड़ से कम जनसंख्या वाले।गुजरात को लगातार चौथी बार रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता का दर्जा दिया गया है। कर्नाटक को लगातार दूसरे साल इस खंड में स्थान मिला। इस रैंकिंग का मकसद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने और एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से सीखने में सहायता करना है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग 2022 जारी की। गोयल ने अधिकारियों से सरकार की ओर से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप तक पहुंच स्थापित करने को कहा ताकि पता चल सके कि क्या उन्हें किसी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता है या नहीं। साथ ही इन उन्होंने अधिकारियों से सभी उद्यमियों का वर्गीकरण डीपटेक, एग्रीटेक या फिनटेक के आधार पर करने को कहा है, जिससे विभाग उनके साथ केंद्रीत तरीके से बातचीत कर सके।

दो दिनों की बड़ी तेजी के बाद शेयर बाजार में लौटी मुनाफावसूली

आईडी एनर्जी स्टॉक्स में गिरावट से लाल निशान में बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली , 16 जनवरी (एजेंसियां)। दो दिनों की बड़ी तेजी के बाद मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए अमंगल साबित हुआ है। ऊपरी लेवल पर मुनाफावसूली के चलते बाजार में गिरावट आ गई। आईटी और एनर्जी स्टॉक्स में निवेशकों ने सबसे ज्यादा मुनाफावसूली की है जिसमें पिछले दो सत्रों से सबसे ज्यादा तेजी देखी जा रही थी। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 199 अंकों की गिरावट के साथ 73,128 अंकों पर बंद हुआ है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 65 अंकों की गिरावट के साथ 22,032 पर क्लोज हुआ है।

घट गया बीएसई का मार्केट कैप

शेयर बाजार में बिकवाली के चलते बाजार के मार्केट कैप में गिरावट आई है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन घटकर 375.02 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जो पिछले सत्र में 376.14 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.12 लाख करोड़ रुपये की कमी देखने को मिली है।

सेक्टर का हाल

आज के कारोबारी सत्र में एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। जबकि बैंकिंग, ऑटो, आईटी, फार्मा एनर्जी, इंफ्रा, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सुबह तेजी के साथ ट्रेड कर रहे मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स भी लाल निशान में क्लोज हुए।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 तेजी के साथ और 19 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 16 स्टॉक्स तेजी के साथ और 34 गिरकर बंद हुए।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में टाटा स्टील 1.70 फीसदी, टाइटन कंपनी 1.61 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.13 फीसदी, आईटीसी 1.01 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.92 फीसदी, लार्सन 0.88 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.81 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.72 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एचसीएल टेक 2.05 फीसदी, विप्रो 1.93 फीसदी, एनटीपीसी 1.84 फीसदी, रिलायंस 1.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	
सूर्य-	मकर	में
चंद्र-	मीन	में
मंगल	धनु	में
बुध-	धनु	पें
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	वृश्चिक	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय

लग्न	समय	
मकर..	06-45	बजे
कुंभ...	08-35	बजे
मीन ..	10-13	बजे
मेष--	11-49	बजे
वृष--	13-34	बजे
मिथुन..	15-34	बजे
कर्क...	17-46	बजे
सिंह...	19-59	बजे
कन्या..	22-05	बजे
तुला.....	00-10	बजे
वृश्चिक	02-21	बजे
धनु.....	04-38	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-53
सूर्यास्त. -17-58
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 22 -06 - तक उपरान्त अष्टमी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , बुधवार 17 January
नक्षत्र - रेवती - 03 - 33 - तक उपरान्त अश्विनी
योग - शिव - 17 - 12 - तक उप सिद्ध
करण- गर - 10 -58 - तक उप- वणिज
विशेष:- गुरु गोविंदसिंह ज.
व्रत -त्योहार - गुरुराजेंद्र सुरिश्वर जन्म व पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:26 से 13:50 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:53 - 08:15	शुभ	उत्पात	17:58 - 19:38	अशुभ
अमृत.	08:15 - 09:38	शुभ	शुभ	19:38 - 21:14	शुभ
काल.	09:38 - 11:02	अशुभ	अमृत.	21:14 - 22:50	शुभ
शुभ.	11:02 - 12:26	शुभ	चंचल	22:50 - 24:26	शुभ
रोग	12:26 - 13:50	अशुभ	रोग	24:26 - 02:02	अशुभ
उत्पात	13:50 - 15:14	अशुभ	काल.	02:02 - 03:38	अशुभ
चंचल	15:14 - 16:38	शुभ	लाभ.	03:38 - 05:15	शुभ
लाभ	16:38 - 18:58	शुभ	उत्पात	05:15 - 06:53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अगर आपने व्यावसायिक साझेदारी को तोड़ने का फैसला कर लिया है , तो आप एक विनम्र और यथार्थवादी तरीके से ऐसा करे । आपको इस शीत युद्ध के अंत के लिए बहुत प्रभावी ढंग से और आसानी से संवाद स्थापित करना होगा और हो सके तो आपको ही पहल करनी होगी ताकि बर्फ कुछ पिघले । आपका ध्यान हर किसी चीज़ पर बहुत अच्छी तरह से केंद्रित है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
लालच आज आपके रास्ते में दिखाई देगा, लेकिन आवश्यक है की आप सही मार्ग पर चले । गलत और छोटे रास्ते अंत में आपके करियर के लिए हानिकारक हो सकते है । सही रास्ता चुनना इतना आसान नहीं होगा और ये तभी हो सकता है जब लालच आप पर हावी न हो । अगर आप अपने से यह नहीं कर सकते हैं, तो एक सच्चे शुभचिंतक की सहायता ले सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मुकेश अंबानी की एक दिन की कमाई से देश में हर दिन बन सकता है एक नया राम मंदिर

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 'राम मंदिर' की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी अपने अंतिम चरण में हैं। 22 जनवरी को पूरी दुनिया इस पल की साक्षी बनेगी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। लेकिन क्या आपको पता है कि राम मंदिर बनने की जितनी लागत है, अगर मुकेश अंबानी चाहें तो अपनी संपत्ति से हर दिन देश में ठीक वैसा ही एक नया राम मंदिर बनवा सकते हैं। जी हां, देश के सबसे अमीर व्यक्ति, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी के पास इतनी दौलत है कि वह देश में हर दिए एक नया राम मंदिर बनवा सकते हैं। हाल ही में मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 100 अरब डॉलर को पार कर चुकी है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स मुताबिक मुकेश अंबानी की संपत्ति 103 अरब डॉलर हो चुकी है। भारतीय रुपए में उनकी संपत्ति 8,55,730 करोड़ रुपए की है। इस तरह साल के 365 दिन से डिवाइड करने पर उनकी प्रतिदिन की दौलत 2,345 करोड़ रुपए बैठती है। अब समझते हैं कि मुकेश अंबानी हर दिन एक राम मंदिर कैसे बनवा सकते हैं। दरअसल अयोध्या में जो राम मंदिर बन रहा है, उसकी कुल लागत करीब 1800 करोड़ रुपए है।

ये हम नहीं कह रहे, बल्कि राम मंदरि निर्माण की देखरेख कर रहे 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' का अनुमान है। ऐसे में मुकेश अंबानी अपनी दौलत से हर दिन एक नया राम मंदिर भी बनवाएं, तो भी उनके पास साल के आखिर में करीब 2 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति बच जाएगी।श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के लिए ट्रस्ट की ओर से करीब 7,000 लोगों को निमंत्रण पत्र भेजा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद निजी तौर पर मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से जुड़ी तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। जिन लोगों को निमंत्रण पत्र भेजा गया है उनमें सिर्फ धार्मिक गुरु, संत ही नहीं बल्कि नेता, अभिनेता और बड़े-बड़े उद्योगपति भी शामिल हैं।

तीसरी तिमाही में 33% बढ़ा एचडीएफसी बैंक का मुनाफा, 16,372 करोड़ रुपये रहा नेट प्रॉफिट

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। निजी क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। और तीसरी तिमाही में बैंक का मुनाफा 33.5 फीसदी के उछाल के साथ 16,372 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 12,259 करोड़ रुपये रहा था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एचडीएफसी बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम 28,470 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 22,990 करोड़ रुपये रहा था।

तीसरी तिमाही के दौरान एचडीएफसी बैंक का ग्रॉस एनपीए 1.26 फीसदी रहा है जो बीते साल 1.23 फीसदी रहा था। जबकि नेट एनपीए 0.31 फीसदी रहा है जो पिछले वित्त वर्षके समान तिमाही में 0.33 फीसदी रहा था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एचडीएफसी बैंक का डिपॉजिट्स 27.7 फीसदी के उछाल के साथ 28.47 लाख करोड़ रुपये रहा है जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में 22.29 लाख करोड़ रुपये रहा था। करंट अकाउंट डिपॉजिट्स 5.79 लाख करोड़ रुपये रहा है जबकि सेविंग अकाउंट डिपॉजिट 2.58 लाख करोड़ रुपये रहा है। एचडीएफसी बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी के आपस में विलय के बाद ये दूसरी तिमाही है जब नए स्वरुप में एचडीएफसी बैंक ने वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं। हालांकि एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजे शेयर बाजार के रास आता है या नहीं ये बुधवार को बाजार खुलने पर ही पता लगेगा। क्योंकि एचडीएफसी बैंक के नतीजे मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद घोषित हुए हैं। अच्छे नतीजे की उम्मीद में हाल के दिनों में एचडीएफसी बैंक के स्टॉक में बीते तीन महीने में अच्छी तेजी देखने को मिली है।

दुनिया के टॉप 5 अमीरों के पास कुबेर का ऐसा खजाना

रोज 1 करोड़ खर्चेंगे तो भी लगेंगे इतने साल

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। इस रिपोर्ट के मुताबिक पांच सबसे अमीर एलन मस्क, बर्नार्ड अरनॉल्ट, जेफ बेजोस, लैरी एलिसन और मार्क जुकरबर्ग हैं। ये अरबपति आज 2020 की तुलना में 3.3 खरब डॉलर अधिक अमीर हैं। अगर ये अरबपति हर दिन एक करोड़ रुपये खर्च करें तो इन्हें अपनी पूरी दौलत खत्म करने में 476 साल लग जाएंगे।

हर घंटे करोड़ों की कमाई

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के इन पांच अरबपतियों ने हर घंटे 1.4 करोड़ अमरीकी डॉलर यानी 116 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। एलन मस्क की साल 2020 की शुरुआत में नेटवर्थ करीब 27 अरब डॉलर थी। आज एलन मक्स का साम्राज्य 206 अरब डॉलर के करीब है।

एक प्रतिशत के पास 43 फीसदी दौलत

दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास 43 फीसदी दौलत है। अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर शुमार जेफ बेजोस की नेटवर्थ 179 अरब डॉलर है। साल 2020 में जेफ की संपत्ती 113 अरब डॉलर थी। जेफ ने हर घंटे करोड़ों रुपयों की कमाई की है।

तेजी से बढ़ रही दौलत

दुनिया के अमीरों की दौलत अगर इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो अगले 10 साल में दुनिया को पहला खरबपति मिल जाएगा। बर्नार्ड अरनॉल्ट दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। बर्नार्ड की नेटवर्थ 162 अरब डॉलर है।

खत्म नहीं होगी गरीबी

अमीर और गरीब के बीच खाई लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गरीबी ऐसे ही बढ़ी तो यह 229 साल तक भी खत्म नहीं होगी। इधर अरबपतियों की लिस्ट में 5वें नंबर पर शुमार मार्क जुकरबर्ग की नेटवर्थ 135 अरब डॉलर है। साल 2020 में जुकरबर्ग की नेटवर्थ 55 अरब डॉलर थी। **को टैक्स में छूट** रिपोर्ट के मुताबिक, अमीरों को टैक्स में छूट मिल रही है। अमीरों की दौलत तेजी से बढ़ रही है। वहीं कामगारों पर दबाव बढ़ रहा है। प्राइवेटाइजेशन को बढ़ावा मिल रहा है। दुनिया के आठवें सबसे अमीर लैरी एलिसन की नेटवर्थ साल 2020 में 59 अरब डॉलर थी। वहीं अभी उनकी नेटवर्थ 122 अरब डॉलर है।

19 जनवरी को खुल रहा इस कंपनी का 640 करोड़ का आईपीओ, तय हुआ आकर्षक प्राइस बैंड

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)।आईपीओ में पैसा लगाने वालों के लिए एक जरूरी खबर है। उत्तर प्रदेश स्थित ईपैक ड्यूरेबल का आईपीओ 19 जनवरी यानी शुक्रवार को खुल रहा है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी का कुल 640.05 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है जिसमें से 400 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर वहीं 240.05 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए जारी किए जाएंगे। अगर आप भी इस आईपीओ में पैसे लगाने के बारे में सोच रहे हैं तो हम आपको इसके डिटेल्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं। ईपैक ड्यूरेबल आईपीओ 19 जनवरी 2024 को खुल रहा है। वहीं एंकर निवेशकों को एक दिन पहले 18 जनवरी से इश्यू में पैसे लगाने का मौका मिल रहा है।

इसमें आप 23 जनवरी 2024 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने शेयर अलॉटमेंट की तारीख 24 जनवरी, 2024 को तय की है। वहीं असफल निवेशकों को 24 जनवरी को रिफंड प्राप्त हो जाएगा। डीमैट खाते में शेयर 25 जनवरी को ही ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। शेयरों की लिस्टिंग 29 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर हो सकती है।कंपनी ने मंगलवार को आईपीओ का प्राइस बैंड तय कर दिया है। यह 218 रुपये से लेकर 230 रुपये के बीच है। रिटेल निवेशक एक बार में कम से कम 65 शेयरों का लॉट खरीद सकते हैं। वहीं अधिकतम सीमा 13 लॉट यानी 845 शेयरों का तय किया गया है। ऐसे में इस आईपीओ में खुदरा निवेशक 14,950 रुपये से लेकर अधिकतम 1,94,350 रुपये तक का निवेश कर सकते हैं। इश्यू में खुदरा निवेशकों के लिए 35 फीसदी हिस्सा तय किया गया है। वहीं क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सबसे ज्यादा 50 फीसदी हिस्सा और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स के लिए कुल 15 फीसदी हिस्सा रिजर्व किया गया है। ईपैक ड्यूरेबल कई एसी बनाने वाली कंपनियों जैसे ब्लू स्टार, डाइकिन एयरकंडीशनिंग, वोल्टास, हायर एप्लायंसेज के पार्ट्स को बनाती है।

इसके अलावा यह इंडक्शन कुकटॉप्स, मिक्सर-ग्राइंडर, वाटर डिस्पेंसर आदि के पार्ट्स का भी निर्माण करती है। कंपनी आईपीओ के जरिए जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के साथ ही कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करेगी। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी का प्रॉफिट 83.40 फीसदी बढ़कर 32 करोड़ रुपये रहा है।

शीरे पर 50% निर्यात शुल्क, खाद्य तेल पर कम आयात शुल्क मार्च 2025 तक

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में कटौती

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने शराब उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाले गन्ने के सह-उत्पाद शीरे के निर्यात पर 18 जनवरी से 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि चीनी निकालने या रिफाइनिंग से प्राप्त शीरे पर 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगेगा। एक अन्य अधिसूचना में, वित्त मंत्रालय ने कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी के आयात पर मौजूदा रियायती शुल्क दरों को एक साल बढ़ाकर 31 मार्च, 2025 कर दिया है। रिफाइंड सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल पर मूल आयात शुल्क पिछले साल जून में 17.5 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया था। भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल का आयात करता है, और अर्जेंटीना से सोयाबीन सहित हल्के कच्चे तेल की थोड़ी मात्रा का आयात करता है। सूरजमुखी का तेल यूक्रेन और रूस से आयात किया जाता है।सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 2,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,700 रुपये प्रति टन कर दिया है। कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। नई दरें 16 जनवरी से प्रभावी हो गई हैं।

राममंदिर के ट्रस्टी अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी मुख्य यजमान

प्राण-प्रतिष्ठा में मोदी प्रतीकात्मक यजमान, सीएम योगी और आरएसएस चीफ भी शामिल होंगे

अयोध्या, 16 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। अभी तक इस तरह की खबरें थीं कि पीएम नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा के दौरान मुख्य यजमान हो सकते हैं, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित और रामानंद संप्रदाय के श्रीमठ ट्रस्ट के महामंत्री स्वामी रामविनय दास ने दावा किया है कि पीएम मोदी मुख्य यजमान नहीं हैं।

विशेष बातचीत में इन तीनों ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी मुख्य यजमान होंगी। ये दोनों ही संकल्प, प्रायश्चित और गणेश पूजा कर 7 दिवसीय अनुष्ठान की यजमानी करेंगे। साथ ही प्राण-प्रतिष्ठा में भी मौजूद रहेंगे। इनके मुताबिक, रामलला प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के मुख्य यजमान गृहस्थ ही हो सकते हैं। इसीलिए ऐसा निर्णय लिया गया है। पीएम मोदी को प्रतीकात्मक यजमान माना जा सकता है। इस बारे में अनिल मिश्रा से भी बात की गई। उन्होंने कहा,'मुझे राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से इस बात की जानकारी नहीं दी गई है। अभी चुनाव होना बाकी है।'

पीएम मोदी के प्रतिनिधि के तौर पर 60 घंटे तक मंत्रोच्चार सुनेंगे

प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले कर्मकांडी ब्राह्मणों और मुहूर्तकारों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी सीएम

योगी आदित्यनाथ, यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मिश्रा दंपती मुख्य आयोजन के समय 22 जनवरी को उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी गर्भगृह में अपने हाथ से कुशा और श्लाका खींचेंगे। उसके बाद रामलला प्राण प्रतिष्ठित हो जाएंगे। उससे पहले 16 से 21 जनवरी तक 6 दिन की पूजा में डॉ. मिश्रा दंपती ही मुख्य भूमिका में रहेंगे। वे पीएम मोदी के प्रतिनिधि के तौर पर 60 घंटे का शास्त्रीय मंत्रोच्चार सुनेंगे, जबकि 7वें दिन पीएम मोदी शामिल होंगे। उस दिन वह भोग अर्पित करेंगे और आरती भी करेंगे।

उधर, अयोध्या में आज यानी मंगलवार दोपहर सवा 1 बजे से रामलला प्राण प्रतिष्ठा के महाअनुष्ठानों की शुरुआत हो रही है। इसमें यजमान का प्रायश्चित, सरयू नदी में दश विधरनान, यजमान ब्राह्मण का सौर, पूर्वोत्तराङ्ग सहित प्रायश्चित, गोदान, पञ्च- गव्यप्राशन, दशदान और कर्मकुटी होम होगा।

गणेश्वर शास्त्री बोले- गृहस्थ ही बन सकते हैं यजमान

सबसे पहले हम राममंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ के पास पहुंचे। जब हमने सवाल किया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय यजमान कौन होंगे? इस सवाल के जवाब में गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने बताया यजमान को सपत्नीक शामिल होना होता है। यानी कि कोई गृहस्थ ही प्राण प्रतिष्ठा और पूरे 7 दिन की पूजा में हिस्सा ले सकेगा। ऐसे में पीएम मोदी गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य अनुष्ठान के साक्षी तो बनेंगे। लेकिन मुख्य यजमान नहीं होंगे। इससे पहले 2020 में राम मंदिर शिलान्यास के यजमान डॉ. रवींद्र नारायण सिंह और उनकी पत्नी थीं।

पीएम मोदी प्रतीकात्मक यजमान होंगे

गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ का जवाब जानने के बाद हम इस सवाल को लेकर रामलला की

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्तकार पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, मुख्य आचार्य पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित, पं. अनुपम दीक्षित, पं. अरूण दीक्षित, पं. सुनील दीक्षित, पं. गजानंद जोगकर और घटाटे गुरुजी इस पूरे 7 दिन की पूजा को लीड कर रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का आचार्यत्व करने अयोध्या पहुंचे पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित और उनके बेटे पंडित अरुण दीक्षित से बात की। इन्होंने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा में प्रधानमंत्री मोदी आएंगे। प्राण प्रतिष्ठा में शामिल भी होंगे। बाकी 7 दिन की पूरी पूजा का संकल्प लेने वाले यजमान दूसरे हैं। पीएम मोदी प्रतीकात्मक यजमान होंगे। यानी वे दूर से ही यजमानी के नियमों का पालन करेंगे।

पीएम मोदी 11 दिन तक यम नियम का पालन करेंगे

इस सवाल को लेकर हम एक बार फिर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के ट्रस्टी और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल कर्मकांडी विद्वान पंडित वेंकटरामन घनपाठी से बात की। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ 22 जनवरी को गर्भगृह में रहकर मुहूर्त के दौरान कुशा और श्लाका खींचेंगे। वहीं, बाकी की पूजा ट्रस्टी अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी संपन्न करेंगी। पीएम मोदी भी एक तरह से यजमान ही हैं लेकिन वे बस प्रतीकात्मक हैं। नासिक में पूरे 11 दिन तक यम नियम का पालन करेंगे। दिन में एक समय फलहारी करेंगे।

स्वामी रामविनय दास बोले- गृहस्थ हों तो ही अच्छा होगा कर्मकांड

वहीं प्राण प्रतिष्ठा में यजमान के तौर पर पीएम नरेंद्र मोदी के बारे में जब रामानंद संप्रदाय में श्रीमठ ट्रस्ट महामंत्री के स्वामी रामविनय दास से बात हुई तो उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा बड़ी चीज है। इसमें गृहस्थ जीवन होना ही चाहिए। तभी, कर्मकांड अच्छे से ही होगा। वहां पर गृहस्थ को सरयू के जल से स्नान करना पड़ेगा।

अनिल मिश्र बोले- मैं यजमान हूं या नहीं, ट्रस्ट ने फैसला नहीं लिया

इन दावों के बाद राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा से फोन पर बातचीत की। उन्होंने बताया, "मुख्य आयोजन में उन्हें यजमान बनाया जा रहा है या नहीं, इसका फैसला अभी ट्रस्ट ने फिलहाल नहीं लिया है। यजमानों पर ट्रस्ट जल्द ही विचार करेगा और सभी के नाम जारी होंगे।"

चंपत राय बोले- 22 जनवरी को गर्भगृह में 5 लोग तो मौजूद रहेंगे

इस सवाल को जब श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के सामने रखा गया तो उन्होंने बताया, "22 जनवरी को होने वाले मुख्य आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। इसके अलावा यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सरसंघचालक मोहन भागवत, रामजन्म भूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास भी मौजूद रहेंगे। यजमानों की कोई आधिकारिक लिस्ट अभी जारी नहीं हुई है। लेकिन ये नाम लगभग फाइनल हैं।''

अंबेडकरनगर के हैं होम्योपैथ डॉक्टर अनिल मिश्रा

डॉ. अनिल मिश्र श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में ट्रस्टी हैं। मूल रूप से अयोध्या के पड़ोसी जिले अंबेडकर नगर के रहने वाले हैं। फिलहाल वह उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक बोर्ड के निदेशक रह चुके हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध प्रांत के कार्यवाहक हैं। पेशे से होम्योपैथ के मशहूर डॉक्टर हैं। वह शहर के रिकाबगंज और रीडगंज में अपना क्लिनिक भी चलाते हैं। डॉ. अनिल मिश्र के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो बेटे और बहू हैं। दोनों बेटे भी पेशे से डॉक्टर हैं। 1981 में उन्होंने होम्योपैथी से स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली।

कौन होता है यजमान?

पंडित गणेश्वर द्रविड़ शास्त्री ने बताया कि मुख्य यजमान वही होगा जो शुरू से प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में शामिल होगा। ऐसे में डॉ. अनिल मिश्रा ही मुख्य यजमान बनेंगे इसकी संभावना ज्यादा है। हमने लखनऊ के पंडित विद्यानंद शास्त्री से जाना कि आखिर मुख्य यजमान होता कौन है? पंडित विद्यानंद शास्त्री बताते हैं, यजमान कोई भी बन सकता है। यजमान का मतलब जिसके मन में भगवान का पूजा पाठ करने की इच्छा जागृत हुई हो। वह किसी आचार्य का वरण करके उसके माध्यम से पूजा कराता हो वह यजमान कहलाता है। यज्ञ होता है यज्ञ से यजन होता है। जिसके अंदर यज्ञ, यजन करने का भाव जगता है लेकिन वह स्वयं न करके आचार्य के द्वारा करवाता है और उनको वरण करता है तो कोई भी व्यक्ति बन सकता है। शास्त्रों के अनुसार जो भी यजमान होता है। अगर पति पत्नी दोनों जीवित हैं लेकिन अलग है तो उसका विकल्प निकाला जाता है जैसे भगवान राम ने जब अश्वमेध यज्ञ किया था तो माता सीता की मूर्ति बनवाई गई थी तब श्रीराम अनुष्ठान में शामिल हो पाए थे। शास्त्रों का नियम यही है।

पंडित विद्यानंद शास्त्री आगे बताते हैं कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 7 दिनों का है ऐसे में जो पहले दिन अनुष्ठान में शामिल होकर संकल्प लेगा वही मुख्य यजमान कहलाएगा। प्रधानमंत्री तो 22 जनवरी को आएंगे। वह थोड़े समय के क्रम के लिए आएंगे। ऐसे में वह प्रतीकात्मक यजमान कहलाएंगे। गणेश्वर द्रविड़ शास्त्री भी उदाहरण देते हुए बताते हैं, इससे पहले 2020 में राम मंदिर शिलान्यास के यजमान डॉ. रवींद्र नारायण सिंह और उनकी पत्नी थीं। काशी और देश भर के 121 वैदिक ब्राह्मणों की टीम अयोध्या में है। इसमें रामलला प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्तकार पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, मुख्य आचार्य पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित, पं. अनुपम दीक्षित, पं. अरुण दीक्षित, पं. सुनील दीक्षित, पं. गजानंद जोगकर और घटाटे गुरुजी इस पूरे 7 दिन की पूजा को लीड कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ आप अध्यक्ष कोमल हुपेंडी का इस्तीफा

6 पदाधिकारियों ने भी छोड़ी पार्टी, 'आप' के इंडिया गठबंधन से नाराज चल रहे थे

रायपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ 6 पदाधिकारियों ने भी पार्टी को छोड़ दिया है। 'आप' के इंडिया गठबंधन में शामिल होने से नाराज चल रहे थे हुपेंडी के साथ बाकी नेता।

कोमल हुपेंडी बस्तर संभाग के भानुप्रतापपुर के रहने वाले हैं। कोमल 2016 में पार्टी से जुड़े थे। एमए इतिहास उत्तीर्ण कोमल 2007 से लेकर 2016 तक सहकारिता अधिकारी और कोऑपरेटिव बैंक के सीईओ भी रह चुके हैं। नौकरी छोड़कर पिछले 8 सालों से वह सक्रिय राजनीति में काम कर रहे हैं। वे पिछले 5 साल से छत्तीसगढ़ आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे।

भानुप्रतापपुर से दो बार

विधानसभा का चुनाव भी लड़ा। लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में कोमल हुपेंडी आम आदमी पार्टी से सीएम पद के दावेदार भी थे।

छत्तीसगढ़ में 55 सीटों पर चुनाव लड़ी थी 'आप'

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय ने कहा आम आदमी पार्टी का गठन अंतिम व्यक्ति की लड़ाई के लिए हुआ था। शिक्षा स्वास्थ्य लोगों तक पहुंचाने और देश में फैले भ्रष्टाचार को रोकने के लिए हुआ था। जिन लोगों में जज्बा था वह इस पार्टी से जुड़े।

लेकिन इस लड़ाई को लड़ने के लिए जज्बे की जरूरत है मुझे लगता है कि जिन साथियों ने इस्तीफा दिया है उनका जज्बा कमजोर पड़ गया। इस कारण वह पार्टी का साथ बीच में ही छोड़ कर जा रहे हैं। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। आम आदमी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष और अकलतरा से चुनाव लड़ चुके आनंद प्रकाश मिरी ने कहा की छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में हम 90 विधानसभा सीटों पर उतरने वाले थे। लेकिन इंडिया गठबंधन के कारण सिर्फ 55 सीट पर ही हमने अपने प्रत्याशी उतारे थे। बाकी 35 सीटों पर भी हमारी पूरी तैयारी थी। लेकिन इंडिया गठबंधन के कारण हमें भारी नुकसान हुआ। और कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी थी।

हाईकोर्ट में 7 एडिशनल एजी की नियुक्ति

7 डिप्टी एजी, 16 गवर्नमेंट और 12 डिप्टी गवर्नमेंट एडवोकेट, 22 पैनल वकीलों की भी सूची जारी

बिलासपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में एडवोकेट जनरल के बाद अब एडिशनल एडवोकेट जनरल, डिप्टी एडवोकेट जनरल, गवर्नमेंट एडवोकेट, उप शासकीय अधिवक्ता और पैनल वकीलों की नियुक्ति की है।

विधि विधायी विभाग से जारी आदेश में 7 एजी, 7 डिप्टी एजी, 16 गवर्नमेंट एडवोकेट, 12 डिप्टी गवर्नमेंट एडवोकेट के साथ ही 22 पैनल लॉयर बनाए गए हैं। महाधिवक्ता कार्यालय में पदस्थ कुछ अतिरिक्त महाधिवक्ता, उप महाधिवक्ताओं समेत शासकीय और उप शासकीय अधिवक्ताओं ने सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले भाजपा सरकार आने के बाद से ही संघ और भाजपा समर्थित वकीलों ने नेताओं से एप्रोच लगाया था। सीनियर एडवोकेट प्रफुल्ल एन भारत को महाधिवक्ता बनाए जाने के बाद से अतिरिक्त महाधिवक्ता, उपमहाधिवक्ता, सरकारी वकील सहित पैनल लॉयरों की नियुक्ति के कयास लगाए जा रहे थे।

मां कौशल्या की गोद में विराजते हैं रामलला

ननिहाल चंदखुरी में 8वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, अब यहां उत्सव की तैयारी

रायपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या से करीब 786 किमी दूर भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ के चंदखुरी में भी महोत्सव मनाने की तैयारी है। यहां स्थित कौशल्या धाम देश का इकलौता मंदिर है, जहां भगवान राम बाल रूप में अपनी मां की गोद में विराजमान हैं। मंदिर का जलसेन तालाब के बीचो बीच बना है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी में किया गया था।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन कौशल्या धाम में मानस ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस यज्ञ में श्रद्धालु भी शामिल हो सकेंगे। इसके बाद भंडारे का आयोजन होगा। मंदिर समिति के सदस्यों की ओर से श्रद्धालुओं को 22 जनवरी को कौशल्या धाम पहुंचने और माता के दर्शन के लिए निमंत्रित किया जा रहा है।

इतिहासकारों के अनुसार, चंदखुरी (चंद्रपुरी) गांव को माता कौशल्या का जन्म स्थान माना जाता है। महाकौशल के राजा भानुमंत की बेटी कौशल्या का

विवाह अयोध्या के राजा दशरथ से हुआ था। विवाह में भेंट स्वरूप राजा भानुमंत ने बेटी को 10 हजार गांव दिए थे। इसमें चंद्रपुरी भी शामिल था।

भगवान राम के वनवास से आने के बाद उनका राज्याभिषेक किया गया। मान्यता है कि, उसके बाद तीनों माताएं कौशल्या, सुमित्रा और कैकयी तपस्या के लिए चंदखुरी पहुंचीं और तालाब के बीच विराजित हो गईं। कहा जाता है कि, बाद में किसी बात से सुमित्रा और कैकयी रूठ कर चली गईं, लेकिन माता कौशल्या आज भी यहां विराजमान हैं।

कौशल्या मंदिर जलसेन तालाब के बीच में बना हुआ है, जो 8वीं-10वीं शताब्दी का है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में सोमवंशी राजाओं ने करवाया था। मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार निर्माण हुआ। 1973 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया।

सोमवंशी राजाओं की बनवाई गई मूर्तियां आज भी मंदिर में स्थापित हैं। मंदिर में राजा दशरथ के दरबार का निर्माण किया गया है। यहां दरबार में दशरथ के साथ ही उनकी तीनों रानियां और मंत्रिमंडल के सदस्य भी हैं।

वहीं दरबार के बीच में भगवान राम अपने भाइयों भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के साथ बाल लीला कर रहे हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने की खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के विभागीय बजट की समीक्षा

रायपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री दयालदास बघेल की मौजूदगी में आज मंत्रालय महानदी भवन में विभाग के बजट को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। महत्वपूर्ण योजनाओं के बजट को लेकर विभागीय अधिकारियों से विस्तार पूर्वक चर्चा की। चौधरी ने विभाग के बजट की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। दूसरी ओर वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज मंगलवार को राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया। मंत्री को शंकर नगर में बंगला नं. सी-4 आवंटित हुआ है। इस दौरान उनके परिवारजन भी मौजूद थे।

जिस कारोबारी के घर मिले थे 3.5 करोड़, वहां ईडी रेड

हजारीबाग के कोयला व्यवसायी के 3 ठिकानों पर छापेमारी, कोल लिंकेज से जुड़ रहा मामला

रांची, 16 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में ईडी ने एकबार फिर दबिश दी है। हजारीबाग में कोयला व्यवसायी इजहार अंसारी के घर ईडी ने छापा मारा है। पूछताछ की जा रही है। रांची से 10 सदस्यों की टीम अहले सुबह करीब 7 बजे इजहार अंसारी के घर पहुंची। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम कोयला व्यवसायी के घर में रखे कागजात को खंगाल रही है। इसके अलावा संपत्ति की भी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि कोल लिंकेज से जुड़े मामले में यह छापेमारी हुई है।

इजहार अंसारी के घर पहले भी ईडी छापेमारी कर चुकी है। पहले की कार्रवाई में कारोबारी के घर से साढ़े तीन करोड़ रुपए मिले थे। दो राउंड में नोटों की गिनती हुई थी। हजारीबाग मेन रोड पंजाब नेशनल बैंक में नोटों की गिनती हुई थी। इजहार अंसारी पर आरोप है कि उसने फर्जी कंपनियों के नाम पर कोयला कंपनियों से रियायती दर पर कोयला उठाया और उसे खुले बाजार में बेच महंगी दरों में बेचा है।

इससे पहले इजहार अंसारी के यहां 3 मार्च 2023 को भी ईडी की छापेमारी हुई थी। इस दौरान 3.58 करोड़ रुपए नकद और कोल लिंकेज में गड़बड़ी से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए थे। अवैध खनन मामले में मनी लांड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी ने इजहार अंसारी से पूछताछ की थी। इजहार अंसारी पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी कंपनियों के नाम पर कोयला कंपनियों से रियायती दर पर कोयला उठाया और उसे खुले बाजार में बेच दिया। कमीशन की राशि तत्कालीन झारखण्ड़ सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग की सचिव पूजा सिंघल तक पहुंचाने का भी आरोप है। पिछले साल 22 जून को ईडी ने रांची दफ्तर में इजहार अंसारी से घंटों पूछताछ भी की थी। इजहार अंसारी कहकशां ग्रुप ऑफ कंपनीज सहित कई शेल कंपनियों के संचालक रहे हैं। वो एक पूर्व विधायक के बहुत करीबी माने जाते हैं। पूजा सिंघल से भी उनके बेहतर संबंध हैं।

इजहार अंसारी पर नेताओं और नौकरशाहों के काले धन का निवेश करने का भी आरोप है। खान एवं भूतत्व विभाग की पूर्व सचिव पूजा सिंघल के समय इजहार अंसारी ने अवैध तरीके से कोयले का धंधा कर करोड़ों की काली कमाई की थी। ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ था कि इजहार अंसारी पूजा सिंघल तक उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन कुमार के माध्यम से काला धन पहुंचता था।

बता दें कि इससे पहले ईडी ने बीते 3 तारीख को झारखंड, कोलकाता, राजस्थान के 12 ठिकानों पर रेड मारा था। ये कार्रवाई 1250 करोड़ के साहिबगंज अवैध खनन केस में हुई थी। जिसमें सीएम सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, साहिबगंज डीसी, साहिबगंज डीएसपी, पूर्व विधायक, सीएम के करीबी और आर्किटेक्ट बिनोद कुमार सिंह के ठिकाने शामिल थे।

कुल 12 जगहों पर ईडी ने छापेमारी की थी।

मंत्री रामविचार नेताम ने किया आवासीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण

बलरामपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के आदिम जाति, अनुसूचित जनजाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम छात्रावासों की व्यवस्था देखने के लिए विकासखण्ड बलरामपुर के विभिन्न आवासीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवासीय विद्यालयों में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं, निर्माणाधीन भवनों, खेल मैदान एवं सामग्री की उपलब्धता की जानकारी ली। उपस्थित अधिकारियों को आवासीय विद्यालयों में आवश्यक मूलभूत आवश्यकता की सामग्री बच्चों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम सुबह छात्रावासों का निरीक्षण करने विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम भेलवाडीह पहुंचे। ग्राम भेलवाडीह में शासन द्वारा एकलव्य आवासीय विद्यालय एवं पहाड़ी कोरवा आवासीय विद्यालय संचालित है। उन्होंने सर्वप्रथम एकलव्य आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने भोजन व्यवस्था तथा पीने के पानी की जानकारी लेते हुए कहा की बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं साफ पानी उपलब्ध कराएं।

इस दौरान उन्होंने बच्चों से बात कर उनसे उनकी पढ़ाई तथा अब तक कितनी पढ़ाई हो चुकी है इसके साथ ही उन्होंने बच्चों से बात कर पुस्तक की उपलब्धता, शिक्षा की गुणवत्ता खेल सामग्री की उपलब्धता के साथ-साथ उन्हें दिये जाने वाले भोजन के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में बनाए जा रहे मध्यान भोजन का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मेनू के अनुरूप भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु खेल बहुत आवश्यक है, इसलिए बच्चों के खेल के लिए समुचित खेल सामग्री के साथ खेल मैदान भी उपलब्ध करायें। उन्होंने छात्रावास में बच्चों को दिये जाने वाले पेय जल के गुणवत्ता के संबंध में किये गये जांच की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में शयन कक्ष का भी अवलोकन किया और छात्रावास परिसर को पूर्ण रूप से साफ रखने के निर्देश दिए।

8 समन के बाद सीएम सोरेन पूछताछ को तैयार

20 जनवरी को ईडी को घर बुलाया, बंधु तिर्की बोले-एजेंसी सरकार को चुनौती दे रही

रांची, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ईडी के 8 समन के बाद जमीन घोटाले से जुड़े मामले की पूछताछ के लिए तैयार हो गए हैं। सोमवार को सीएम ने अपना जवाब भेजा है। हेमंत सोरेन ने ईडी को बयान लेने के लिए 20 जनवरी को सीएम हाउस बुलाया है। ईडी ने 8वें समन में मुख्यमंत्री को 16 से 20 जनवरी तक अपने ऑफिस आने या तो खुद सीएम हाउस आने की बात कही थी। समय से पहले 15 जनवरी की दोपहर हेमंत सोरेन का जवाबी लेटर लेकर मुख्यमंत्री सचिवालय से एक कर्मचारी ईडी दफ्तर पहुंचा था। हालांकि हेमंत सोरेन खुद दी गई समय अवधि के दौरान उपस्थिति होंगे या नहीं इसे लेकर अब भी संशय है। इधर झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि झारखंड में ईडी चुनी हुई सरकार को चुनौती दे रही है।

बस में बदमाशों ने तीन कारोबारियों से 18 लाख रुपये लूटे

रांची, 16 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में कुछ लुटेरों ने कारोबारियों को निशाना बनाकर 18 लाख रुपये लूट लिए। बताया गया है कि यह घटना रांची आ रही एक बस में हुई। बदमाशों ने बंदूक के बल पर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, वारदात दशम पुलिस थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 33 पर हुई। बस कोलकाता से रांची आ रही थी। पुलिस के एक अधिकारी ने घटना की जानकारी देते हुए कहा, ''तीन कारोबारी कोलकाता में अपने ग्राहकों से पैसा इकट्ठा कर सोमवार की रात को बस में सवार हुए थे। चार अपराधी भी उसी बस में यात्री बनकर सवार हुए थे।''

विवेक रामास्वामी नहीं लड़ेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

कहा- मेरे प्रेसिडेंट बनने का कोई रास्ता नहीं, आयोवा राज्य में ट्रम्प ने जीती रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवारी

वॉशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी को रद्द कर दिया है। वे अब चुनाव नहीं लड़ेंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, रामास्वामी ने मंगलवार को खुद इसकी जानकारी दी।

दरअसल, मंगलवार सुबह (भारतीय समयानुसार) अमेरिकी राज्य आयोवा में वो रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवारी का चुनाव हार गए। इसमें डोनाल्ड ट्रम्प ने भारी बहुमत के साथ जीत हासिल की। सीएनएन के मुताबिक, विवेक इस रेस में चौथे पायदान पर रहे।

विवेक रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की रेस से बाहर निकलते हुए कहा कि मेरे राष्ट्रपति बनने का कोई रास्ता नहीं है, इसलिए मैं अपना कैंपेन खत्म करता हूं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, विवेक रामास्वामी कल ट्रम्प के साथ अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में रैली करेंगे।

ट्रम्प ने रामास्वामी को फ्रॉड कहा था

आयोवा के चुनावों में दूसरे नंबर पर फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी-सेंटिस और तीसरे नंबर पर भारतीय मूल की निक्की हेली

रहीं। इससे पहले आयोवा में वोटिंग शुरू होने के आधे घंटे के अंदर ही मीडिया रिपोर्ट्स में ट्रम्प की जीत घोषित कर दी गई थी।

आयोवा राज्य में उम्मीदवारी के लिए चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने विवेक रामास्वामी पर जमकर निशाना साधा था। ट्रम्प ने विवेक रामास्वामी को सीधे-सीधे फ्रॉड और ठग करार दिया था। एक बयान में डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने समर्थकों को रामास्वामी का साथ देने के खिलाफ चेतावनी भी दी थी। ट्रम्प ने कहा था कि विवेक को वोट देना विपक्षी पार्टी को वोट देने जैसा होगा।

'भगवान ने ट्रम्प को अमेरिका के लिए बनाया'

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर अपना नया कैंपेन वीडियो रिलीज किया। इसमें कहा गया है कि अमेरिका का ध्यान रखने के लिए भगवान ने ट्रम्प को बनाया है। सोशल मीडिया कैंपेन के 3 मिनट के वीडियो में कहा जा रहा है-14 जून 1964 को भगवान ने सोचा मुझे एक केयर टेकर की जरूरत है।

भगवान ने कहा मुझे एक मजबूत और साहसी इंसान की जरूरत है। जो भेड़ियों से न डरे। फिर उन्होंने हमें ट्रम्प को दिया।वीडियो में ट्रम्प के बचपन की तस्वीर लगी है। इसके बाद उन्हें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलता दिखाया गया है।

अमेरिका के ओहायो में जन्मे रामास्वामी

38 साल के विवेक रामास्वामी का जन्म ओहायो में हुआ। उनके माता-पिता भारत के अप्रवासी थे। विवेक ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की।

येल में पढ़ाई के दौरान ही उनकी मुलाकात अपूर्वा से हुई। दोनों ने साल 2015 में शादी कर ली।

2014 में उन्होंने अपनी खुद की बायोटेक कंपनी, रोइवंत साइंसेज की स्थापना की, जिसने उन दवाओं के लिए बड़ी कंपनियों से पेटेंट खरीदे। रामास्वामी ने 2021 में सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था।

आयोवा में ट्रम्प का चुनाव जीतना अहम क्यों?

4 क्रिमिनल केस और 2 अमेरिकी राज्यों में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की रेस से बाहर होने के बाद भी डोनाल्ड ट्रम्प पहला चुनाव जीत लिया है। अलजजीरा के मुताबिक, आयोवा रिपब्लिकन नेशनल कनवेंशन का सिर्फ 1.6% ही है। यानी चुनाव के लिहाज से यह बहुत बड़ा राज्य नहीं है। लेकिन ट्रम्प ने यहां बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। यहां 51% मतदान ट्रम्प के पक्ष में हुई, जबकि दूसरे नंबर पर रहे डी-सेंटिस को सिर्फ 21.2% ही वोट मिले। इससे यह ,साबित होता है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी अब भी ट्रम्प पर दांव खेल रही है।

ईरान ने इराक में मोसाद के ठिकानों पर दागीं मिसाइलें, 4 की मौत

कहा- ये सीरिया में हुई हमारे कमांडरों की हत्या का बदला

तेहरान, 16 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने सोमवार देर रात इराक के एरबिल शहर में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के दफ्तरों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई। ईरान की स्टेट न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक मिसाइलें ईरान विरोधी आतंकी खुफिया केंद्रों पर दागीं गई हैं। हालांकि, इजराइल ने इस हमले को लेकर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ईरान ने इस हमले को इजराइल के अटैक मारे गए अपने कमांडरों का बदला बताया है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में इजराइल ने सीरिया और लेबनान में एयर स्ट्राइक की थीं। इनमें ईरान के ब्रिगेडियर जनरल राजी मुसावी और हमास के डिप्टी लीडर सालेह अल अरूरी की मौत हो गई थी।

अमेरिकी दूतावास के पास हुआ हमला

अमेरिकी मीडिया हाउस न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ईरान का हमला कुर्दिस्तान की राजधानी एरबिल से करीब 40 किमी उत्तर-पूर्व में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के करीब हुआ। दूतावास में भी

विस्फोटों की आवाज सुनी दी। दो अमेरिकी अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि मिसाइलों के हमले से कोई भी अमेरिकी फैसिलिटी प्रभावित नहीं हुई।

अमेरिका ने इराक में ईरानी हमले की आलोचना की है। अमेरिका ने इसे जल्दबाजी में उठाया कदम बताया है। अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता मैट मिलर ने कहा- ये हमला इराक की स्थिरता के लिए करारा झटका है।

हम चाहते हैं कि इराक में और कुर्दिस्तान में स्थिरता आए और वहां कि सरकारें इराक के लोगों के लिए ठीक से काम कर पाए। दरअसल, इराक ने आतंकी संगठन आईएसआईएस के खिलाफ लंबी जंग लड़ी है। इसके बाद वहां स्थिरता आनी शुरू हुई है।

कुर्द करोड़पति की मौत

इराकी सुरक्षा अधिकारियों ने मुताबिक मृतकों में करोड़पति कुर्द व्यवसायी पेश्रा दिजायी और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं। एक रॉकेट उनके घर पर गिरा, जिससे उनकी मौत हो गई। दिजायी सत्तारूढ़ बरजानी कबीले के करीबी थे। वह कुर्दिस्तान में रियल एस्टेट परियोजनाओं से जुड़े थे। सूत्रों के मुताबिक एक रॉकेट एक वरिष्ठ कुर्द खुफिया अधिकारी के घर पर और दूसरा कुर्द खुफिया केंद्र पर गिरा। इन हमलों के बाद एरबिल हवाईअड्डे पर हवाई यातायात रोक दिया गया।

ईरान ने पहले भी इराक के उत्तरी कुर्दिस्तान क्षेत्र में हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि इस क्षेत्र का इस्तेमाल ईरानी अलगाववादी समूह और इजरायल के एजेंट उसके खिलाफ करते है। दरअसल, इराक, ईरान और तुर्किये में के बॉर्डर इलाकों में कुर्द समुदाय के लोगों की काफी तादाद है। ये लोग अपने लिए एक अलग मुल्क की मांग कर रहे हैं। ईरान इस मांग के सख्त खिलाफ है।

गाजा में हमास और इजराइल के खिलाफ जंग छिड़ने के बाद ईरान और अमेरिका में अप्रत्यक्ष जंग छिड़ी हुई है। दोनों देश इराक और सीरिया में एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। इससे इराक के सुरक्षा हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इस बीच पिछले हफ्ते इराक के प्रधान मंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने अमेरिका से मांग की थी कि वो अपने नेतृत्व वाले सैन्य बलों की उनके देश से निकाल ले। हालांकि, इसके लिए कोई डेडलाइन सेट नहीं की है।

नेतन्याहू को जंग के लिए बजट मिला

तेल अवीव, 16 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सियासी मोर्चे पर बड़ी राहत मिल गई है। कैबिनेट ने 2024 के बजट में 55 अरब शेकल्स (इजराइली करंसी) के एक्स्ट्रा बजट को मंजूरी दे दी है। यह करीब 15 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

7 अक्टूबर को शुरू हुई जंग के बाद दो बार नेतन्याहू इस बजट के लिए कोशिश कर चुके थे। दूसरी तरफ, तुर्किये में एक इजराइली फुटबॉलर को गिरफ्तार करने के बाद इजराइल वापस भेज दिया गया है। इस फुटबॉलर ने हमास की कैद में मौजूद बंधकों की रिहाई की मांग वाला बेंडेज कलाई पर बांधा था।

दो तरह से होगा बजट का इस्तेमाल

'टाइम्स ऑफ इजराइल' की रिपोर्ट के मुताबिक- कैबिनेट मीटिंग करीब दो घंटे चली। इसमें कई मुद्दों पर विचार हुआ।तीन महीने से चल रही जंग और इसके बजट को लेकर कई सवाल उठे। हालांकि, बाद में 15 अरब डॉलर का इमरजेंसी बजट फौरन जारी करने पर सहमति बन गई।

बजट का ज्यादातर हिस्सा मिलिट्री इक्विपमेंट्स पर खर्च होगा। इसके अलावा दूसरा हिस्सा जंग से प्रभावित लोगों के इलाज और मुआवजे पर खर्च किया जाएगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि यह मीटिंग रविवार रात से सोमवार सुबह तक चली और बाद में नेतन्याहू और डिफेंस मिनिस्टर स्मोट्रिच अलग से मीटिंग के लिए जुटे। बाद में स्मोट्रिच ने कहा- हमने हेल्थ बजट बढ़ाने का फैसला किया है। करीब एक अरब डॉलर मेंटल हेल्थ और हॉस्पिटल फैसेलिटीज पर खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा एजुकेशन बजट भी बढ़ाया जा रहा है। एक मामला इंटरनल सिक्योरिटी का है। 7 अक्टूबर के बाद इसे हाईटेक किए जाने की जरूरत है। फिलहाल, हमारा फोकस जंग पर है और इसे जीतना भी जरूरी है।

गोलीबारी में बच्चों को बचाने के लिए लगा दी थी जान की बाजी

अब इलाज के दौरान प्रिंसिपल ने दम तोड़ा

वॉशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के आयोवा प्रांत में बीते दिनों स्कूल में गोलीबारी हुई थी। इस गोलीबारी के दौरान स्कूल के प्रिंसिपल डैन मारबर्गर (56) बच्चों को हमलावर से बचाने के दौरान गोली लगने से घायल हो गए थे। मारबर्गर बीते कई दिनों से अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे थे, अब आखिरकार वह जिंदगी की जंग हार गए और उनका निधन हो गया।

बच्चों को बचाने में घायल हुए थे डैन

डैन मारबर्गर आयोवा के पेरी हाई स्कूल के प्रिंसिपल थे। बीते दिनों इस स्कूल के ही एक 17 साल के छात्र ने स्कूल परिसर में गोलीबारी कर दी थी। इस गोलीबारी में एक 11 साल के बच्चे की मौत हो गई थी और छह अन्य लोग घायल हुए थे। घायलों में स्कूल के प्रिंसिपल डैन मारबर्गर भी थे। हमले के दौरान डैन ने हमलावर छात्र से बात करने की कोशिश की थी। डैन की वजह से ही स्कूल के कैफेटेरिया में मौजूद अन्य छात्रों को वहां से भागने का मौका मिल गया था।

हालांकि आरोपी नहीं माना और उसने फायरिंग कर दी, जिसकी चपेट में आने से डैन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में आरोपी ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। बीते करीब 10 दिनों से अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। 14 जनवरी की सुबह करीब आठ बजे डैन की इलाज के दौरान मौत हो गई। डैन की मौत पर आयोवा के लोगों ने दुख जताया है।

आयोवा की गवर्नर ने डैन के सम्मान में राज्य का आधिकारिक झंडा अंतिम संस्कार वाले दिन आधा झुका रखने का एलान किया है। डैन की बेटी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लिखा कि 'जब उन्हें स्कूल में गोलीबारी होने का पता चला तो उन्हें आशंका थी कि उसके पिता भी इसका शिकार हुए होंगे, क्योंकि वह अपने से पहले बच्चों की जान की फिक्र करने वाले व्यक्ति थे।'

दुनिया में खलीफा शासन, सोने की मुद्रा, महिला गुलाम

हिज्ब उत-तहरीर के खौफनाक आतंकी मंसूबों का खुलासा

लंदन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन सरकार जल्दी ही हिज्ब उत-तहरीर को बैन करने जा रही है। ब्रिटेन के गृहमंत्री जेम्स क्लेवरली ने सोमवार को कहा है कि उन्होंने सुन्नी इस्लामी राजनीतिक संगठन हिज्ब उत-तहरीर पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है क्योंकि यह संगठन यहूदी विरोधी है और आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इस संगठन ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए भयावह हमलों की प्रशंसा की और इशका जश्न मनाया। क्लेवरली की ओर से संसद के समक्ष रखे गए प्रस्ताव पारित हो जाते हैं तो संगठन पर प्रतिबंध 19 जनवरी को लागू हो जाएगा। इसके बाज समूह का समर्थन करना अपराध होगा। ऐसे करने पर 14 साल तक की जेल की सजा और संपत्ति भी जब्त हो सकती है।

हिज्ब उत-तहरीर के लक्ष्य और

विचार काफी हैरत में डालने वाले है। द सन का रिपोर्ट के मुताबिक, हिज्ब उत-तहरीर इस्लामी कानून के तहत पूरी दुनिया में खलीफा शासन स्थापित करने की बात कहता है। ऐसा शासन जिसमें करेंसी के तौर पर सोने के सिक्के चलें और महिलाओं को घरों से बाहर निकलने की इजाजत ना हो। ये संगठन मुसलमानों को एक शासक के अधीन एकजुट करना चाहता है।

इसका मानना है कि सभी मुस्लिम देशों को खिलाफत के तहत एकजुट होना चाहिए और जो इसमें शामिल नहीं होंगे, उनको अल्लाह सजा देगा।

संगठन कहता है कि मुस्लिम देशों को खुद एक खलीफा के शासन में आना चाहिए और सैन्य हस्तक्षेप के माध्यम से अपना विस्तार गैर-मुस्लिम क्षेत्रों तक होगा। ये समूह पूरी तरह से लोकतंत्र का विरोध करता है, उनका मानना है कि उनकी धार्मिक मान्यताएं खलीफा शासन के तहत ही आती हैं। इसके संविधान में कहा गया है कि इस विश्व व्यवस्था की मुद्रा सोने और चांदी तक ही सीमित होनी चाहिए।

नवाज शरीफ की बेटी मरियम ने बताया क्यों छीना गया इमरान खान की पार्टी से 'बैट'

पूर्व पीएम पर लगा नया आरोप

इस्लामाबाद, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरियम नवाज ने जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि इमरान खान की पार्टी, पीटीआई आतंकियों का संगठन है। सोमवार को एक चुनावी सभा में मरियम ने कहा, इमरान खान की पार्टी के लोग बहुत शोर कर रहे हैं कि उनसे उनका निशान वापस ले लिया गया है लेकिन ये भी याद रखना जरूरी है कि उनका निशान बल्ला नहीं बल्कि उनके लिए एक डंडा था, जिसको उन्होंने पाकिस्तान की अवाम पर चलाया, वो डंडा उनके हाथ से छीना गया है। किसी आतंकवादी पार्टी को चुनावी निशान नहीं दिया जाता है,

ऐसे में पीटीआई से भी बैट वापस ले लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने कहा कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के लोगों ने सत्ता में रहते हुए बहुत आतंकी मचाया। जिसका नतीजा ये निकला है। मरियम नवाज शरीफ पहले भी पीटीआई पर किसी आतंकवादी संगठन की तरह काम करने का आरोप लगाती रही हैं। पहले उन्होंने कहा था कि जिस तरह सरकार किसी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से निपटी है, उसी तरह इमरान खान से भी निपटा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान का पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संगठनात्मक चुनावों को रद्द घोषित करते हुए पार्टी के चुनाव निशान क्रिकेट के बल्ले को बरकरार रखने की मांग को खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग ने पेशावर हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उसने पीटीआई पार्टी के चुनावों को वैध करार देते हुए क्रिकेट के बल्ले को उसके चुनाव चिन्ह के रूप में बहाल कर दिया था।

वजन घटाने की सर्जरी कराने वाली इन्फ्लुएंसर को पड़ा दिल का दौरा

35 साल की उम्र में मौत

सल्वाडोर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। ब्राजील की इन्फ्लुएंसर मिला डी जीसस, जो पूरी दुनिया को फिट रहने का मंत्र देती थीं। वो खुद महज 35 साल की उम्र में जिंदगी से हार गईं। दरअसल, उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। बता दें, जीसस उस समय फेमस हुई थीं, जब उन्होंने वजन घटाने के लिए सर्जरी कराई थी। परिवार ने उनकी मौत की खबर की पुष्टि की है।

बता दें, इंस्टाग्राम स्टार का जन्म ब्राजील में हुआ था, लेकिन वह बोस्टन में रहती थीं। चार महीने पहले ही उन्होंने दूसरी शादी जॉर्ज कोवस्जिक से की थी। पहली शादी से उनके चार बच्चे हैं, जिनमें से एक बेटी अन्ना क्लारा ने अपनी मां की मौत पर इंस्टाग्राम पर एक दुख भरा पोस्ट साझा किया। अन्ना क्लारा ने लिखा, 'हमारी मां नहीं रहीं। यह दुख भरी खबर आप लोगों के साथ साझा कर रही हूं। हम सभी प्रार्थनाओं और संवेदनाओं की सराहना करते हैं। हमारे लिए प्रार्थना करते रहें। डी जीसस को इंस्टाग्राम पर 60 हजार से अधिक लोग फॉलो करते हैं। अक्तूबर में अपनी बीमारी सोरायसिस के बारे में खुलासा किया था।

अंटार्कटिका में दिखा दुर्लभ सफेद पेंग्विन

ल्यूसिज्म के चलते सफेद रंग हुआ, 20 हजार पेंग्विन में से एक में होती है ये एबनॉर्मल कंडीशन

अंटार्कटिका, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अंटार्कटिका में सफेद रंग का एक दुर्लभ सफेद पेंग्विन देखा गया। एबनॉर्मल कंडीशन ल्यूसिज्म के चलते पेंग्विन का रंग सफेद हो गया है। चिड़ियों और रैपटाइल्स में ल्यूसिज्म एबनॉर्मल कंडीशन पाई जाती है। वहीं 20 हजार पेंग्विन में से एक पेंग्विन इस एबनॉर्मल कंडीशन से पीड़ित होता है।

दक्षिण कोरिया को संविधान में दुश्मन नंबर एक के तौर पर दर्ज किया जाए

किम जोंग ने फिर उगला जहर

सियोल, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया एक बार फिर जहर उगलने का काम कर रहा है। उसने एक प्रमुख संसदीय बैठक में दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों को बनाए रखने वाली एजेंसियों को समाप्त करने का फैसला लिया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन का कहना है कि दक्षिण कोरिया को संविधान में दुश्मन नंबर एक के तौर पर दर्ज किया जाना चाहिए। बता दें, सोमवार को प्योंगयांग में आयोजित 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) के 10वें सत्र के दौरान यह फैसला लिया गया।

उत्तर कोरिया ने जिन एजेंसियों के साथ संबंध खत्म करने का फैसला लिया है वो हैं-

1. फादरलैंड के शांतिपूर्ण पुनर्मिलन के लिए राष्ट्रीय समिति
2. राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रभारी वाली एक एजेंसी
3. माउंट कुमगांग यात्रा परियोजना को संभालने वाली एक एजेंसी।

उत्तरी कोरिया उन एजेंसियों को खत्म कर देगा जो केवल अंतर-कोरियाई संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अस्तित्व में हैं। उत्तर कोरियाई कैबिनेट और संबंधित संगठन सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) के फैसले को लागू करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाएंगे। पिछले हफ्ते, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने दक्षिण कोरिया को प्योंगयांग का प्रमुख दुश्मन कहा था।

ट्रंप-बाइडन की लड़ाई को मैं ही टाल सकती हूं

निक्की हेली ने ऐसा क्यों कहा

वॉशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदार निक्की हेली ने कहा है कि वह रिपब्लिकन मतदाताओं की इकलौती उम्मीद हैं, जो ट्रंप और बाइडन के बीच होने वाली संभावित टक्कर को रोक सकती हैं। निक्की हेली ने कहा कि ट्रंप और बाइडन के बीच 2024 का मुकाबला दुस्वप्न होगा और वही उसे टाल सकती हैं। आयोवा कॉकस के नतीजों के बाद निक्की हेली ने यह बात कही। 15 जनवरी को आयोवा कॉकस के चुनाव हुए, जिनमें डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिली है। इन चुनाव में निक्की हेली तीसरे स्थान पर रहीं और उन्हें 20 फीसदी वोट मिले। वहीं दूसरे नंबर पर रोन देसांतिस रहे, जिन्हें 21 फीसदी लोगों ने वोट दिया। वहीं डोनाल्ड ट्रंप 50 फीसदी वोटों के साथ सबसे आगे रहे। विवेक रामास्वामी को महज 7.7 फीसदी वोट मिले, जिसके बाद रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ने का ही एलान कर दिया। अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए हेली ने कहा 'हमारा प्रचार अभियान ही एकमात्र उम्मीद है जो ट्रंप-बाइडन के दुस्वप्न को रोक सकता है। अगर एक बार फिर ट्रंप और बाइडन के बीच मुकाबला होता है तो इस बार भी कांटे की टक्कर होगी और यह किसी भी तरफ जा सकता है।

यमन के नजदीक अमेरिकी शिप पर मिसाइल अटैक

किसी तरह का नुकसान नहीं, लाल सागर में अब तनाव बढ़ने का खतरा

वॉशिंगटन/सना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटिश मीडिया हाउस 'स्काय न्यूज' के मुताबिक, सोमवार शाम यमन के करीब एक अमेरिकी शिप पर मिसाइल से हमला हुआ। इंटेलिजेंस फर्म 'एम्ब्रे' के हवाले से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हमला यमन के शहर अदन के कोस्टल एरिया से कुछ दूरी पर हुआ। अब तक किसी नुकसान की खबर नहीं है और यह शिप अब भी समुद्र में अपने सफर पर है।

यह शिप अमेरिका के मार्शल आईलैंड्स का कार्गो जहाज है। बताया गया है कि मिसाइल से एक हिस्से में मामूली आग लगी, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

तनाव बढ़ने का खतरा

न्यूज एजेंसी 'एपी' के मुताबिक- अमेरिकी शिप पर हमला सोमवार शाम गल्फ ऑफ अदन में हुआ। इस पर मिसाइल दागी गई थी। यह मिसाइल हूती विद्रोहियों ने दागी थी और लाल सागर में मौजूद अमेरिकी शिप जिब्राल्टर ईगल से कवर्ड हिस्से से टकराई। इससे कोई खास नुकसान नहीं हुआ, लेकिन अमेरिकी नेवी अभी इस बारे में जानकारी देने से बच रही है।

जहाज के कैप्टन ने कंट्रोल रूम को हमले की जानकारी दी। इस जहाज ने लाल सागर में सफर जारी रखा है। इसका मालिकाना हक कनेक्टीकट की एक कंपनी के पास है। उसने भी अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। रविवार को अमेरिका के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने एक बयान में कहा था- लाल सागर में खतरा बढ़ता जा रहा है। हम अपने सभी जहाजों के कैप्टन से अपील करते हैं कि वो अदन की खाड़ी और यमन के इलाके में जाने से बचें। यहां अमेरिकी वॉरशिप तैनात हैं, लेकिन अब तक उन्होंने जवाबी कार्रवाई नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- अमेरिकी फाइटर जेट्स लाल सागर में लगातार उड़ान भर रहे हैं। सोमवार को एक अमेरिकी शिप पर मिसाइल दागी गई। इसके बाद अमेरिकी इंटरसेप्टर ने इस मिसाइल को मार गिराया। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि अमेरिका अब नए सिरे से यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले की तैयारी कर रहा है। रविवार को हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी डेस्ट्रॉयर और वॉरशिप यूएसएस लेबनान पर भी मिसाइल दागी थी। इसे भी मार गिराया गया था। इसकी जानकारी नेवी सोशल मीडिया पर दी थी।

11 जनवरी को किए थे हमले

अमेरिका और ब्रिटेन की सेना ने 11 जनवरी को यमन में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों पर हमले किए थे। हमले 16 लोकेशन्स में 60 टारगेट्स पर किए गए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हमलों के आदेश दिए थे। इसके बाद हूती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई हुई।

अफ्रीकी प्रवासी ने ब्रिटेन में भारतीय गर्लफ्रेंड की हत्या कर की थी गर्दन काटने की कोशिश

लंदन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में रहने वाले अफ्रीकी देश ट्यूनीशियाई के प्रवासी मैहर मारौफे को कोर्ट ने अनिश्चितकाल के लिए अस्पताल भेजने की सजा सुनाई है। ब्रिटेन की एक अदालत ने 24 साल के मैहर मारौफे को अपनी 19 साल की ब्रिटिश भारतीय प्रेमिका सबिता थनवानी की हत्या का दोषी पाते हुए अनिश्चितकाल के लिए ब्रॉडमूर मनोरोग अस्पताल में भेज दिया है। उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए उसे हाई सिक्योरिटी वाले ब्रॉडमूर अस्पताल भेजा गया है। मैहर ने क्रूरता की हद पार करते हुए सबिता को मार डाला था और उसका गला भी लगभग अलग ही कर दिया था। सबिता मनोविज्ञान की पढ़ाई कर रही स्नातक छात्रा थी।

मैहर मारौफे ने 19 मार्च, 2022 को लंदन के क्लेरकेनवेल इलाके में आर्बर हाउस के स्टूडेंट फ्लैट में अपनी प्रेमिका सबिता थनवानी की गर्दन पर चाकुओं से वार किए थे। मैहर ने बीते साल ओल्ड बेली के सामने पेश होकर सबिता हत्या की बात कुबूल कर ली थी। उसने अदालत में कहा था कि वह उस समय मानसिक बीमारी स्किजोफेक्टिव डिसऑर्डर से पीड़ित था, इसी के चलते उसने इस घटना को अंजाम दिया। जज निगेल लिकली केसी ने सोमवार को उसे सजा सुनाते हुए कहा कि मारौफे ने मनोविकृति के चरम के दौरान यह हमला किया।

लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी के मोर्चों की बैठक

समाज-वर्गों को साधने का टास्क दिया, लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश

जयपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर अब बीजेपी ने अपने सातों मोर्चों को समाज और वर्गों को साधने का टास्क दिया है। इसी के मद्देनजर आज बीजेपी मुख्यालय में सातों मोर्चों की बैठक बुलाई गई है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की अध्यक्षता में यह बैठक जारी हैं। बैठक में प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर भी मौजूद हैं।

बीजेपी लोकसभा चुनावों के लिए मिशन-25 में जुट गई हैं। इससे पहले बीजेपी ने प्रदेश के 40 प्रमुख नेताओं के साथ शुक्रवार को लोकसभा कार्ययोजना बैठक की थी। जिसमें प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों को 8 कलस्टर में बांटकर उनके कलस्टर इंचार्ज तय किए थे। इन कलस्टर इंचार्जों की आज दिल्ली में बैठक हो रही है।

इससे पहले 13 जनवरी को बीजेपी कार्यालय में आयोजित हुई प्रदेश स्तरीय बैठक में प्रदेश और जिला इकाइयों को लोकसभा चुनावों को लेकर टास्क दिए गए थे। इसके बाद अब बीजेपी ने सातों मोर्चों की बैठक बुलाई है।

जाति, समाज और वर्गों को साधने का टास्क

बीजेपी के सात मोर्चों में एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, किसान, महिला और युवा मोर्चा शामिल है। मोर्चों की इस संयुक्त बैठक में मोर्चा पदाधिकारी शामिल हुए, जिनको जाति, समाज और विशेष वर्ग को साधने का टास्क दिया गया है।

इसके लिए आने वाले समय में विधानसभा चुनावों की तर्ज पर ही मोर्चों के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन बुलाने, इन वर्गों के लिए संचालित केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ इनको दिलाने सहित कई निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में हो रही कलस्टर इंचार्जों की बैठक

उधर, पार्टी ने प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों को 8 कलस्टर में बांट कर इनके कलस्टर इंचार्ज तय कर दिए हैं। एक कलस्टर में 4 और सात में 3-3 लोकसभा सीटों को रखा गया हैं। इन कलस्टर इंचार्जों की आज दिल्ली में बैठक हो रही है।

बीजेपी का टारगेट है कि इस बार भी प्रदेश में 25 में से 25 सीटें जीती जाए, लेकिन विधानसभा चुनाव में वोटिंग ट्रेंड देखते हैं तो लोकसभा की करीब 10-12 सीटें ऐसी है, जहां बीजेपी को कांग्रेस से कम वोट मिले थे। ऐसे में इस बार पार्टी लोकसभा सीटों को कलस्टर में बांट कर उस पर काम करेगी, ताकि जिन विधानसभा सीटों में पार्टी कमजोर है, वहां पर पार्टी को मजबूत किया जा सके।

प्रदेश में पार्टी ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, पूर्व कैबिनेट मंत्री व उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया और पूर्व प्रदेश पदाधिकारी रहे प्रसन्न चंद मेहता को कलस्टर इंचार्ज बनाया है।

उपराष्ट्रपति बोले-हमारी जाति को हनुमानजी से ज्यादा जोड़ा जाता है

मेरे खिलाफ राजस्थान में टिप्पणी हुई, लेकिन गांठ थोड़े ही बांध लूंगा

जयपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में विधायकों को सदन में नियमों और आचरण की ट्रेनिंग दी। ट्रेनिंग के उद्घाटन सत्र उन्होंने कहा कि भारत का अभी जो संविधान उपलब्ध है वह पूरा नहीं है, संविधान की पहली कॉपी में हमारी पांच हजार साल पुरानी सभ्यता के चित्र है, वह सबको उपलब्ध करवाएं। संविधान की मूल प्रति में हनुमान जी का चित्र है, हमारी जाति को हनुमान से ज्यादा जोड़ा जाता है। इस कॉपी में महान अकबर, बुद्ध, जैन तीर्थंकर के भी चित्र हैं। संविधान की मूल प्रति में आपको पांच हजार साल पुरानी संस्कृति का चित्रण मिल जाएगा।

देवनानी ने मेरा खूब विरोध किया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि राजनीतिक अखाड़े में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर में मेरा खूब विरोध किया है, लेकिन हमारे संबंध बरकरार हैं। दायरे में रहकर कटाक्ष करना कोई देवनानी से सीखे। धनखड़ ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री को जिस तरीके से सौभाग्य मिला है, उससे संकेत मिलता है कि भारत बदल गया है और अब सबकुछ मुमकिन है। कम समय में भजनलाल शर्मा ने लोकप्रियता हासिल की है, कम समय में मिली लोकप्रियता को बढ़ाना और बचाना चुनौती है।

दरअसल, राजस्थान की विधानसभा में सदन के नियम-कानूनों की जानकारी देने के लिए आज विधायकों की ट्रेनिंग रखी गई है। इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के समापन समारोह को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संबोधित करेंगे।

धनखड़ के भाषण की बड़ी बातें...

1. मेरे बारे में भी राजस्थान में टिप्पणी हुई, लेकिन गांठ थोड़े ही बांध लूंगा
2. अफसरों से सौहार्दपूर्ण संबंध रखें विधायक
3. सोशल मीडिया किसी का भी चरित्र हनन कर देता है
4. सदन नहीं चलने पर सबसे ज्यादा फायदा सरकार का होता है
5. अपने ही लोगों की बेवफाई की वजह से भारत ने आजादी खोई
6. विपक्ष की कमी खली
7. सभी विधायकों को परिवार सहित नए संसद भवन में आमंत्रित किया

सीएम बोले- विधायक अपने क्षेत्र की समस्याओं तक ही सीमित नहीं रहें

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- विधायक बनने से पहले हमारा दायरा अपने क्षेत्र तक होता है। विधायक बनने के बाद पूरे प्रदेश तक दायरा हो जाता है। विधानसभा में मुद्दे उठाते वक्त विधायक केवल अपने क्षेत्र की समस्याओं तक ही सीमित नहीं रहें, पूरे राजस्थान के बारे में सोचें। यह सदन पक्ष-विपक्ष का नहीं, हमारा है। असहमति और मतभेद लोकतंत्र के अभिन्न अंग है। मुझे गर्व है कि हमारी विधानसभा में हर विचार,पक्ष-विपक्ष को समान महत्व दिया जाता है।

उन्होंने कहा- विधानसभा में पहले भी समय-समय पर प्रबोधन कार्यक्रम होते रहे हैं। संसदीय पद्धति आरैर प्रक्रिया के तहत कोई भी सदस्य जनहित के मुद्दे उठा सकता है, जनता की समस्या के समाधान की मांग उठा सकता है। हमारा यह दायित्व है कि हम सदन का समय विवेकपूर्ण तरीके से करें।

अश्लील वीडियो को महिला विधायक का बताकर शेयर किया

बयाना एमएलए बनावत बोलीं- ये डीप फेक

मेरे साथ ऐसा हुआ तो अन्य महिलाओं का क्या?

बयाना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बयाना से निर्दलीय विधायक डॉ. ऋतु बनावत का सोशल मीडिया पर डीप फेक वीडियो डाल दिया गया। पिछले 5 दिन से ये अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। मामले की जानकारी विधायक तक पहुंची तो उन्होंने मामले की भरतपुर एसपी मृदुल कच्छावा को शिकायत दी। विधायक ऋतु बनावत ने कहा- 5 दिन पहले मुझे परिचित ने कॉल करके इस वीडियो के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि एक अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डाला गया है। जिसके साथ मेरा नाम और फोटो जोड़कर इसे शेयर किया जा रहा है। पहले तो मैंने ध्यान नहीं दिया। फिर लगातार कॉल आने लगे तो मैंने भरतपुर एसपी को जानकारी दी। आज मैं विधानसभा के विशेष सत्र में भाग लेने आई हूं। सत्र से फ्री होने के बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी को भी इस संबंध में अवगत कराऊंगी।

मेरे साथ ऐसा हो रहा है तो आम महिला क्या-क्या झेलती होगी

विधायक ने कहा- फेक वीडियो के माध्यम से उनकी राजनीतिक और सामाजिक छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से फेक वीडियो वायरल करने वाले लोगों के खिलाफ एक्शन लेकर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

बनावत ने कहा कि राजनीतिक तौर पर स्थापित महिला के साथ ऐसा हो रहा है, तो आम महिला का क्या हाल होता होगा? इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करके यह साबित करना चाहिए कि प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और X पर ये वीडियो मांजू दिनेश, रिंकू चौधरी और बीजल खान नाम के अकाउंट से रील के रूप में शेयर किए जा रहे हैं। तीनों ही अकाउंट पर कैप्शन के साथ वीडियो को शेयर किया जा रहा है- इसमें कहीं डीडवाना विधायक बता कर तो कहीं लोकसभा की चौकीदार बता कर इस वीडियो को शेयर किया जा रहा है।

एसपी बोले कार्रवाई करेंगे

भरतपुर एसपी मृदुल कच्छावा का कहना है कि कुछ लोगों ने फोटो एडिटिंग के जरिए फेक वीडियो वायरल किया है। ऐसे लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीएम ने 'सत श्री अकाल' बोला गलत

सिखों की सर्वोच्च संस्था नाराज

कहा- माफी मांगें मुख्यमंत्री

जयपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के नवनियुक्त सीएम भजनलाल शर्मा विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं. सीएम शर्मा एक कार्यक्रम के दौरान सिख धर्म से जुड़ा जयकारा गलत बोल गए. यहां सिख समाज ने एक कार्यक्रम में सीएम को बुलाया था. वहीं अब इसका वीडियो वायरल होने के बाद सिखों की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है.

वीडियो में देखा जा सकता है कि राजस्थान के सीएम के गलत बोलने पर उन्हें पीछे से किसी सिख व्यक्ति ने टोका भी और इस दौरान कुछ लोग पीछे से ठहाके लगाते हुए सुनाई दे रहे हैं.

एसजपीसी ने जताया कड़ा ऐतराज

दरअसल राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा के "सत श्री अकाल" को गलत तरीके से बोले जाने और इस दौरान लगे ठहाकों के मामले पर अमृतसर में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मेंबर और पूर्व जनरल सेक्रेटरी गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कड़ा ऐतराज जताया है

सिख धर्म में काफी मायने

उन्होंने कहा कि सीएम राजस्थान भजन लाल शर्मा अगर जयकारे लगाने भूल जाओगे तो देश को कैसे बचा पाओगे. ग्रेवाल ने कहा कि जिस नारे को सीएम मजाक में ले रहे हैं उसके हमारे लिए सिख धर्म में काफी मायने हैं.

मुख्यमंत्री से माफी की मांग

गुरचरण सिंह ने कहा कि राजस्थान सीएम को ये नहीं भूलना चाहिए कि इसी नारे की वजह से देश को आजादी भी मिली है. इतना ही नहीं जिस कुर्सी का वो आनंद ले रहे हैं वो आजादी भी इसी नारे की वजह से देश को मिली. एसजीपीसी ने राजस्थान सीएम से इस घटना को लेकर माफी की मांग की है.

पूर्व मंत्री महेश जोशी समेत पांच लोगों के ठिकानों पर छापेमारी, जल जीवन मिशन घोटाले में की कार्रवाई

जयपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर ईडी की 10 टीमों ने पांच लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। इसी कड़ी में पूर्व मंत्री महेश जोशी समेत जलदाय विभाग के दो अधिकारियों और दो ठेकेदारों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई। इसके अलावा डूंगरपुर और बांसवाड़ा में भी कार्रवाई किए जाने की जानकारी मिली है। पूर्व मंत्री व ठेकेदारों के अलावा विभाग के पूर्व एसीएस सुबोध अग्रवाल का नाम भी घोटाले में है।

हाल में राजस्थान हाईकोर्ट ने भी इस मामले को लेकर सरकार से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी थी। जानकारी के मुताबिक ईडी के पास महेश जोशी और जलदाय विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। इस आधार पर ईडी की टीम महेश जोशी को पूछताछ के लिए ईडी मुख्यालय आने का नोटिस भी दे सकती है।

घोटाले के संबंध में बड़ी राशि के फर्जी बिल ईडी के हाथ लगे हैं। इन्हीं बिलों को लेकर टीम विभाग के दोनों जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों से बात कर रही है।

जल जीवन मिशन में गणपति ट्यूबवेल और श्री श्याम कृपा ट्यूबवेल कंपनी ने भारत सरकार के उपक्रम इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी कंप्लेशन सर्टिफिकेट प्रस्तुत करके करीब 900 करोड़ रुपये के टेंडर प्राप्त कर लिए। इस बारे में इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने जल जीवन मिशन के अतिरिक्त मुख्य अभियंता को दो बार पत्र भी लिखे कि फर्जी दस्तावेजों आधार पर कंपनियों ने 900 करोड़ रुपए प्राप्त किए हैं लेकिन तत्कालीन गहलोत सरकार में विभाग के एसीएस सुबोध अग्रवाल व पीएचईडी मंत्री महेश जोशी ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की।

पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था की ओर से इस मामले में जांच के लिए हाईकोर्ट में पीआईएल भी दायर की जा चुकी है, जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार से कार्रवाई रिपोर्ट भी मांगी थी।

राजस्थान हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से उपस्थित अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल आर.डी. रस्तोगी ने भी कोर्ट को बताया था कि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है, जिसमें राजस्थान सरकार के प्रमुख सचिव तक कि संलिप्तता पता चली है। उक्त संदर्भित मामले के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की है

कौन हैं टीकाराम जूली?

जिन्हें राजस्थान कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनाने की हो रही चर्चा

जयपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में जहां एक ओर बीजेपी की सरकार बन चुकी है तो वहीं कांग्रेस के संगठन में भी बदलाव की तैयारी हो गई है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस जल्द ही नए प्रदेशाध्यक्ष का ऐलान कर सकती है। वर्तमान में यह पद गोविंद सिंह डोटासरा के पास है।

गोविंद सिंह की जगह टीकाराम जूली का नाम चर्चा में है। कहा जा रहा है कि टीकाराम जूली को कांग्रेस का नया प्रदेशाध्यक्ष और डोटासरा को नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। आइए जानते हैं कौन हैं टीकाराम जूली, जिन्हें बनाया जा सकता है कांग्रेस का नया प्रदेशाध्यक्ष...

टीकाराम जूली अलवर ग्रामीण से विधायक हैं। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर रह चुके हैं। उन्हें राजस्थान सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और जेल कैबिनेट मंत्री का पद दिया गया था। टीकाराम जूली का जन्म अलवर के बहरोड़ के पास काठूवास गांव में हुआ था। उनकी उम्र 43 साल है। इससे पहले वह कांग्रेस के अलवर जिला प्रमुख भी रह चुके हैं।

टीकाराम जूली इससे पहले श्रम विभाग (स्वतंत्र प्रभार), कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण, सहकारिता और इंदिरा गांधी नहर परियोजना राज्यमंत्री भी रहे हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी जयराम यादव को शिकस्त दी थी। कुछ समय पहले जूली विवादों में आ गए थे। उन पर एक आरओ वाटर सप्लाई करने वाली कंपनी के मालिक ने 30 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया था।

गोविंद सिंह डोटासरा को कांग्रेस ने जुलाई 2020 में प्रदेशाध्यक्ष बनाया था। राजस्थान में सियासी उथल-पुथल के बाद उन्हें सचिन पायलट की जगह मिली थी। गोविंद सिंह को कांग्रेस का धाकड़ नेता माना जाता है। उन्होंने लक्ष्मणगढ़ सीट से लगातार जीत दर्ज की है। वह पूर्व शिक्षा मंत्री भी रह चुके हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर अवैध खनन पर कार्रवाई शुरू

अजमेर, भरतपुर समेत कई जगह चला अभियान

भरतपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में पुलिस ने चार लोगों को डिटेन किया है। वहीं, अजमेर में 14 एक्सकेवेटर, ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर जब्त किए गए हैं। साथ ही 12 लाख जुर्माना भी वसूला गया है।

भरतपुर में मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग एवं खनिज विभाग की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सारस चौराहे से कुछ आगे कार्रवाई करते हुए अवैध खनन के भंडारण एवं अवैध खनन से भरे हुए ट्रैक्टर टॉली को जब्त किया है। वहीं मौके पर पुलिस ने चार लोगों को डिटेन किया है। फिलहाल पुलिस अनुसंधान में जुटी हुई है। भरतपुर जिले में अवैध खनन के खिलाफ 15 दिन तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अवैध खनन भंडारण एवं अवैध खनन से भरे हुए ट्रैक्टर ट्रॉली की सूचना पर पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग और खनिज विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां काफी बडे.हिस्से में अवैध खनन का भंडारण पाया गया। वहीं मौके पर अवैध खनन से भरे हुए ट्रैक्टर टॉली भी मिले। जिस पर कार्रवाई करते हुए अवैध खनन के भंडारण एवं अवैध खनन से भरे हुए ट्रैक्टर टॉली और एक लोडर वाहन को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान काफी संख्या में पुलिस का जाप्ता मौके पर मौजूद रहा। तीनों विभाग की दबिश के दौरान ट्रैक्टर ट्राली को छोड़कर चालक मौके से फरार हो गए। वहीं चार लोगों को पुलिस ने डिटेन किया है। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है। खनिज विभाग के अभियंता रामनिवास मंडल ने बताया कि 10 ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया है। इसके अलावा अवैध रूप से खनिज का भंडारण करने को लेकर पुलिस में मामला भी दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से भंडारण करने अवैध खनन करने पर 10 गुना पेनल्टी भी वसूल की जाएगी। उन्होंने कहा कि गति दिनों मुख्यमंत्री ने बीसी के जरिए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया था और जिला कलेक्टर और संभागीय आयुक्त ने अवैध खनन को लेकर मीटिंग भी ली थी। जिसके चलते अब भरतपुर जिले में 15 दिनों तक अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अजमेर खनिज अभियन्ता जयप्रकाश गोदारा की देखरेख में अवैध खनन एवं निर्गमन भण्डारण के विरूद्ध चलाए जा रहे राज्यव्यापी सघन अभियान 31 जनवरी तक जारी रहेगा। राज्यव्यापी सघन अभियान में जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, निर्गमन भण्डारण की चेकिंग के दौरान टीमों ने अलसुबह अवैध खनन के संवेदनशील क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी।

आमंत्रण के पीले चावल बांट रहे कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट

पूर्व मंत्री के भाई पर लगे आरोप

बीकानेर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर बीकानेर जिले में पीले चावल बांट रहे कार्यकर्ताओं पर हमले का मामला सामने आया है। हमला करने का आरोप पूर्व आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंदराम मेघवाल के भाई पर है। इस संबंध में पुलिस थाना पूगल में मुकदमा दर्ज हुआ है।

घटना के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद की पूगल इकाई ने आज पूगल, दंतौर तथा आसपास के इलाकों के बाजार बंद करने का आह्वान किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीकानेर जिले के पूगल थाने में विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष अर्जुन बजाज ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए लक्ष्मण मेघवाल पर मारपीट का आरोप लगाया है।

बजाज ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी-कार्यकर्ता घर-घर पीले चावल बांट रहे थे, इसी दौरान लक्ष्मणराम मेघवाल के घर पहुंचे तो उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ गाली-गलौज शुरू कर मारपीट शुरू कर दी। साथ ही कार्यकर्ताओं के साथ चल रहे रामरथ पर भी हमला बोल दिया।

इस संबंध में बजाज ने पूगल पुलिस थाना में मामले की जानकारी देते रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चुन्नी के पालने में मासूम को सुलाकर भैंस को चारा डालने गई थी मां, कुत्ता आया और खा गया जबड़ा

भीलवाड़ा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है. यहां एक कुत्ता छह माह की मासूम का जबड़ा नोंच कर खा गया. उस समय मासूम की मां चुन्नी से पालना बनाकर उसमें सुला दिया था, वहीं खुद भैंस को चारा डालने गई थी. बच्ची के चींखने की आवाज से उसने मुड़ कर देखा और जब तक दौड़ कर वहां पहुंचती, काफी देर हो चुकी थी. आनन फानन में मासूम को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है. मामला भीलवाड़ा जिले में गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के हाजियास गांव का है.

पैसा दोगुना करने का लालच देकर साइबर ठग गिरोह ने लूटे 27 लाख, पुलिस ने दो को धरदबोचा

दौसा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा जिले के बैजूपाड़ा में अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों द्वारा करीब 27 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। बैजूपाड़ा पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में पीड़ित को साइबर ठगों ने टेलीग्राम एप से जोड़कर पैसा दोगुना करने का झांसा दिया और करीब 26 लाख 60 हजार रुपए ऐंठ लिए।

मामले की जानकारी देते हुए दौसा एसपी वंदिता राणा ने बताया कि पीड़ित संजय पीलवाल निवासी दुब्बी ने पुलिस थाना बैजूपाड़ा में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने उसे एक टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़कर रुपए दोगुना करने का झांसा देकर 26 लाख 60 हजार रुपए की ठगी की है।

गुजरात ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब के 66 कार्टन जब्त

सिरोही, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले से गुजर रहे आबूरोड-पालनपुर फोरलेन स्थित सीमावर्ती मावल चौकी पर आबूरोड रीको पुलिस ने कार्रवाई करते अवैध शराब से भरा ट्रक पकड़ा। थानाधिकारी सुरेश चौधरी की अगुवाई में टीम ने नाकाबंदी के दौरान ट्रक में गुजरात ले जाई जा रही राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब के 66 कार्टन जब्त किए। साथ ही एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार नाकाबंदी के दौरान आबूरोड की ओर से गुजरात जा रहे ट्रक को रुकवाकर तलाशी ली गई तो उसमें राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब के विभिन्न ब्रांडों के 66 कार्टन पाए गए। इस पर शराब एवं ट्रक को जब्त कर बगड़ी पाटिया, पुलिस थाना सेंदडा, जिला ब्यावर निवासी तेजसिंह पुत्र पप्पुसिंह रावत को गिरफ्तार किया गया है।

आंप्र में भाई-बहन के बीच सत्ता को लेकर घमासान!

शर्मिला क्या कांग्रेस को सत्ता में लाने में सफल होंगी?

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में तीन महीने के उपरांत लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव भी होने जा रहे है, जिसे लेकर सियासी सरगर्मियां और भी तेजी से बढ़ती जा रही है। कांग्रेस दस वर्षों से राज्य में सत्ता का बाहर है, लेकिन कर्नाटक और तेलंगाना की सत्ता पर काबिज होने के उपरांत आंध्र प्रदेश में भी उसे अपनी वापसी की उम्मीदें दिखने लग गयी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद से जी रुद्र राजू ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया है, जिसके उपरांत अब कहा जा रहा है कि सूबे में पार्टी की कमान वाईएस शर्मिला को सौंपी जा सकती है। वाईएस शर्मिला सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन है और हाल ही में उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया है।

आंध्र प्रदेश में जगन रेड्डी को सत्ता से सिंहासन तक पहुंचाने में वाईएस शर्मिला का महत्वपूर्ण रोल था, लेकिन सियासत ने ऐसी जगह लाकर खड़ा कर दिया है कि अब भाई-बहन एक दूसरे के विरुद्ध खड़े हुए दिखाई दे रहे है। कांग्रेस आंध्र प्रदेश में अपनी वापसी के लिए शर्मिला पर दांव लगाने की तैयारी में है। कहा जा रहा है कि इसी महेनजर जी रुद्र राजू का प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है ताकि शर्मिला की ताजपोशी चुनाव से पहले करके सियासी संदेश भी पहुंचाया जा सके। रुद्र राजू 20 जनवरी से बूथ स्तर पर बैठक शुरू करने जा रहे थे, लेकिन उससे पूर्व ही उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेज डाला।

शर्मिला पहले ही अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए बोल चुकी थी कि वह कहीं भी काम करने के लिए तैयार हैं, जहां कांग्रेस पार्टी उन्हें मैदान में उतारे, चाहे वह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह हो या कोई और स्थान। ऐसे में चर्चा यह है कि कांग्रेस चाह रही है कि आंध्र प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने का कार्य कर सके, जिसके चलते ही उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाने के अनुमान भी लगाए जा रहे हैं। इस तरह तरह कांग्रेस की रणनीति है कि प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालकर आंध्र प्रदेश के चुनाव में अपने भाई जगन मोहन रेड्डी से दो-दो हाथ करें।

गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के सीएम रहे दिवंगत वाईएसआर रेड्डी की बेटी वाईएस शर्मिला हैं, जिन्होंने हाल ही में घर वापसी भी की है और अपनी पार्टी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का विलय कांग्रेस में कर दिया है। वाईएसआर रेड्डी के 2009 में निधन के उपरांत जगन रेड्डी के कांग्रेस के साथ मतभेद हो गए थे, इसके चलते उन्होंने 2011 में वाईएसआर कांग्रेस का गठन भी किया है।

जगन रेड्डी ने वाईएसआर कांग्रेस की कमान संभाली जबकि अपनी बहन शर्मिला को राष्ट्रीय संयोजक नामित कर दिया था।

बेगमपेट हवाई अड्डा विंग्स इंडिया प्रदर्शनी के लिए तैयार

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट हवाईअड्डा विंग्स इंडिया कार्यक्रम के लिए तैयार हो रहा है, जो विमानन क्षेत्र को और अधिक गति देने के इरादे से चलाया जा रहा है। विंग्स इंडिया शो इस महीने की 18 से 21 तारीख तक आयोजित किया जाएगा। चार दिवसीय इस शो में दर्शकों को देश विदेश के अत्याधुनिक विमान देखने को मिलेंगे।

लोगों के लिए विमानन को और अधिक सुलभ बनाने के अलावा, व्यवसायियों और उभरते उद्योगों को इस क्षेत्र में अवसरों के बारे में जागरूक करने के इरादे से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।बेगमपेट में 24 से 2% मार्च 2022 तक आयोजित विंग्स इंडिया प्रदर्शनी में 125 प्रदर्शनियाँ लगाई गईं। 22 विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने इस प्रदर्शनी का दौरा किया। 28 राज्यों से कई लोगों ने प्रतिनिधित्व किया। व्यापार समझौतों को लेकर 364 बैठकें हुईं। 14 गोलमेज बैठकों को 76 वक्ताओं ने संबोधित किया।

एक शाम गुरु महाराज के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर आईजी कॉलोनी स्थित श्री आईमाता मंदिर (बडेर) में एक शाम संत श्री गुलारामजी महाराज के नाम जागरण सोमवार 15 जनवरी सायं 8.31 बजे से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में राजु सीरवी ने बताया कि हर वर्ष की भांति मंदिर प्रांगण में विशेष पंडाल सजाकर, गुरुवर संत श्री गुलारामजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें गायकार जीतू चवाडिया व चेतननाथ चौहान गुरुवर के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसमें मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जायेंगे जब राम आयेंगे भजन पर समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। सायं 6 बजे से पधारे भक्तों के लिए कार्यक्रम स्थल पर महाप्रसादी की व्यवस्था की गयी।

कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजुराम सीरवी, अचलाराम सीरवी, नारायणलाल सीरवी, केसाराम सीरवी, अमराराम सीरवी, भंवरलाल हाम्बड़ व संत शिरोमणी गुलारामजी महाराज कमेटी, सीरवी समाज बालाजी नगर के समस्त कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल चोयल ने पधारे समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम समापन हुआ।

मतदाता सूची तैयार करने में राजनीतिक दलों की भूमिका अहम होती है : जिला कलेक्टर बोरकड़े

आसिफाबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि स्पष्ट मतदाता सूची तैयार करने में राजनीतिक दलों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मंगलवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में जिले के अपर समाहर्ता दसारी वेणु एवं आरडीओ सुरेश सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्पष्ट मतदाता सूची बनाने में राजनीतिक दलों की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि जिले में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी लोग अपना विवरण मतदाता सूची में दर्ज करा सकें, इसके लिए राजनीतिक दलों को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए कि वे मतदाता सूची में नाम, पते और अन्य विवरण में सुधार के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों का विवरण सूची से हटाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के नियमानुसार अधिसूचना की कार्रवाई पूरी करने की कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि इस महीने की 20 और 21 तारीख को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा और आगामी संसदीय चुनाव के महेनजर मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सहायक मतदान केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को ऐसी गलतियों से मुक्त स्पष्ट मतदाता सूची तैयार करने में अधिकारियों के साथ सहयोग करना चाहिए।इस कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के पदाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, संबंधित विभाग के पदाधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

विधायक ने स्वच्छ अभियान में भाग लिया

भैंसा, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कस्बे के किसान गल्ली महादेव मंदिर में सोमवार को मुधोल विधायक रामाराव पटेल ने स्वच्छ अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ मिलकर मंदिर की साफ सफाई की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के सभी मंदिरों की साफ-सफाई के आह्वान पर मंदिरों में स्वच्छ अभियान कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, क्योंकि अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। आगे उन्होंने अयप्पा स्वामी मंदिर में आयोजित अयप्पा स्वामी महा पडी पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। पूजा नरहरी गुरु स्वामी मंत्री साईनाथ द्वारा आयोजित की गई और सभी नेताओं ने भगवान का अभिषेक किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अय्यप्पा स्वामी और श्रद्धालु शामिल हुए पूर्व अध्यक्ष बी गंगाधर, पूर्व एएमसी अध्यक्ष राजेश बाबू, मुधोल विधायक श्री पवार रामा राव पटेल और भैंसा कृषि बाजार समिति के पूर्व अध्यक्ष जाधव राजेश बाबू ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अहिंदी भाषी लोगों को साहित्यिक विधाओं का ज्ञान दिलाना शिविर का लक्ष्य: हुकमचंद मीना

हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर कल से

निर्मल, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमन, मेहदीपट्टनम के संयुक्त तत्वावधान में 18 जनवरी से 22 जनवरी तक हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। शिविर समन्वयक तथा सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमन, मेहदीपट्टनम की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना झा ने बताया कि शिविर के सफल आयोजन के लिए केन्द्रीय हिंदी निदेशालय के उपनिदेशक तथा केन्द्रीय हिंदी निदेशालय के हैदराबाद केंद्र के प्रमुख हुकमचंद मीना नगर पहुंच चुके हैं और तैयारी की पल-पल समीक्षा कर रहे हैं। आज उन्होंने शिविर के आयोजन के संबंध में एक बैठक की तथा शिविर की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने बताया कि इस शिविर में तेलंगाना के साथ साथ अन्य क्षेत्रों के प्रतिभागी भी भाग ले रहे हैं। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है अहिंदी भाषी लोगों को साहित्यिक विधाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उनमें दक्षता लाई जाय। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक, सीसीईई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व समकुलपति प्रो. आरएस सर्राजु, प्रो. गंगाधर शेषराव चाटे, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं प्रो. विशाला शर्मा प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम सुदूर दक्षिण में मील का पत्थर साबित हो यही उद्देश्य है।

पुलिस के हत्थे चढ़े 250 क्विंटल पीडीएस चावल

भैंसा, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा शहर में पिछले कई दिनों से पीडीएस चावल की सप्लाई की जारही थी कई बार पुलिस ने छापे मारी की पर कोई भारी मात्रा में चावल नहीं मिला मंगलवार को एएसपी के आदेश पर पुलिस ने सक्त कदम उठाया और पुलिस को कमियाबी मिली। ग्रामीण पुलिस ने मुख्य मार्ग भैंसा से निजामाबाद लेजाते पीडीएस चावल ट्रक पकड़ा है भैंसा मंडल देगाव के करीब एस आई श्रीकांत ने कारवाई करते हुए ट्रक को डिप्टी तहसीलदार को सौंप दिया बताया गया की निजामाबाद निवासी शैक मोइज मिया नामक व्यक्ति इस ट्रक के सात धरे गए है।

गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा मकर संक्रांति पर श्री समरथ कामधेनु गौशाला जियागुडा में मेह तेरुंडा सेवा में शामिल गोपाल बलदावा, मनोज कुमार अग्रवाल व अन्य।

रेत माफिया पर पुलिस की नजर, बड़ी करवाई

निर्मल, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों ने मंगलवार को शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर डंप किए गए रेत रेत से भरे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। यहां तक कि संबंधित रेत ढेरों पर पुलिस की भी व्यवस्था की गई है। ऑटो नगर , भैंसा-बासर रोड और अन्य जगहों पर भारी मात्रा में जमा रेत के ढेरों पर पुलिस की मौजूदगी देखी गई। इस मामले पर जब तहसीलदार प्रवीण कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया तो उन्होंने कहा कि आरडीओ और एएसपी के आदेशानुसार शहर में अवैध रूप से भंडारित रेत स्टॉक को चिन्हित कर जब्त कर लिया गया है। भंडार की सूचना आरडीओ और खनन अधिकारियों को दी जाएगी। रॉयल्टी व अन्य ब्यौरे की जांच की जाएगी। आदित्य रेत भंडार अवैध पाया गया तो वरीय अधिकारियों के आदेशानुसार आगे की कार्रवाई की जायेगी। पेंडपाल्ली गांव से 4 टैक्टर को ग्रामीण पुलिस अवेध रूप से लेजाते जप्त किया ।

संयुक्त मदनूर मंडल में किसानों ने हिंदू पंच्यांगन के अनुसार मकर संक्राति के आवसर पर रबी फसल के खेत में माता लक्ष्मी की पूजा की।

स्वानंद बाबा आश्रम में मकर संक्रांति का भव्य आयोजन

ठाणे, 16, जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पू. स्वानंद बाबा सेवा न्यास द्वारा ठाणे के येऊर हिल्स स्थित प. पू. स्वानंद बाबा आश्रम में मकर संक्रांति का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर भजन की प्रस्तुति की गई। इस मौके पर पं. दुर्गाप्रसाद पाठक, प्रेम शुक्ल, विधायक निरंजन डावखरे, संजय केलकर, संजीव नाईक, रामदास महाराज, शांति शुक्ल, जाकिर अहमद, अनिल गलगली, उदय प्रताप सिंह, मनोज नाथानी, आचार्य पवन त्रिपाठी, राकेश पांडेय, मुन्ना पांडेय, वीरेंद्र सिंह, संजय धवन, पत्रकार आदित्य दुबे, अभय मिश्र, पुष्पराज मिश्र, अनिल पांडेय,सुरजीत सिंह, संजय सिंह, शैलेश पांडेय, राजकुमार मिश्र, अनिल मिश्रा, विपिंद्र गुड्डू पाठक, शिवसागर मिश्र, अरुण शुक्ला, संतोष पाठक आदि उपस्थित थे। शाम को अयोध्या में उद्घाटित होने वाले श्री राम मंदिर के उपलक्ष्य में आनंद महोत्सव का आयोजन वडाला स्थित रामलीला उत्सव समिति द्वारा किया गया था।

राज्य की आदिवासी अनुसूची में वर्तनी की त्रुटियों को सुधारने की मांग

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी संगठन, वलासा आदिवासुलु समैक्या ने राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन से अनुरोध किया कि वे तेलंगाना सरकार को राज्य की आदिवासी अनुसूची में वर्तनी की त्रुटियों को सुधारने के लिए एक समिति स्थापित करने का निर्देश दें। राज्यपाल को लिखे पत्र में संगठन सचिव वेड्डी भीमा ने बताया कि माओवादी हिंसा से बचने के लिए छत्तीसगढ़ से पलायन करने वाले गुट्टी कोया समुदाय को राज्य की जनजातीय अनुसूची में वर्तनी की त्रुटि के कारण तेलंगाना में जनजातीय प्रमाण पत्र नहीं मिल रहे हैं। भीमा ने कहा कि शेड्यूल में उन्हें शुद्दी कोयाश् के बजाय शुद्दा कोयाश् के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जिसे ठीक करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि यह सुधार विस्थापित गुट्टी कोया आदिवासी बच्चों को अपनी शिक्षा जारी रखने में सक्षम बनाएगा, क्योंकि उनके पास वर्तमान में जाति प्रमाण पत्र की कमी है।

माह की 18 तारीख को स्तरीय सामुदायिक बैठकें: अधिकारी

आसिफाबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एक बयान में कहा कि स्तरीय सामुदायिक बैठकें इस महीने की 18 तारीख को जिला केंद्र में जिला परिषद् कार्यालय भवन के बैठक हॉल में आयोजित की जाएंगी।इस माह की 18 तारीख को सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक लेवल सोसायटी-% (कार्य), लेवल सोसायटी-1 (योजना, वित्त), दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक लेवल सोसायटी-2 (ग्रामीण विकास), दोपहर 1.30 से 2.30 बजे तक लेवल सोसायटी-3 (कृषि), 3 से 4 बजे तक लेवल सोसायटी-4 (शिक्षा, चिकित्सा), 4 से 5 बजे तक लेवल सोसायटी-5 (महिला कल्याण), 5 से 6 बजे तक लेवल सोसायटी-6 (समाज कल्याण) उन्होंने बताया कि इसका आयोजन किया जायेगा। मानद सदस्य एवं संबंधित अधिकारी अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट के साथ समय से उपस्थित रहें।

वनस्थलीपुरम स्थित जाट समाज ट्रस्ट द्वारा भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष दूदाराम बाबल, सचिव बाबुलाल पूनिया, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की गल्प संध्या व कवि गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 589वीं मासिक पारंपरिक गल्प (कथा) संध्या डॉ. मोहन गुप्ता के आरोग्य अस्पताल, कैलाश डायग्नोस्टिक के सेलार सभागृह, मोजम जाही मार्केट के सभागृह में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रुतिकांत भारती ने की और गीतकार चंपालाल बैद, अतियब एजाज, ठाकुर दिनेश सिंह और अंजनी कुमार गोयल विशेष अतिथि थे। साहित्यिक गल्प (कथा) संध्या में नगरद्वय के कहानीकारों द्वारा अपनी कहानियों का पाठ किया गया। हिंदी में सर्वश्री बृहस्पति शर्मा ने कहानी मुर्गी हलाल, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने जीवन यात्रा, डॉ. एम. लक्ष्मणाचार्य ने आधा चाँद, उर्दू में डॉ. फरीदुद्दीन सादिक ने फेथफुल वीमेन, कन्नड़ भाषा की कहानी का हिंदी अनुवाद पत्थर दिल पिघल गया श्री डी. राघवेंद्र राव, मराठी कहानी का हिंदी में अनुवाद गुरु और शिष्य श्रीमती शोभा देशपांडे, तेलुगु कहानी का हिंदी में अनुवाद बंटी और बन्नी जी. परमेश्वर ने प्रस्तुत किया। कवि गोविंद अक्षय संचालन का भार संभाला। कवि गोष्ठी में कहानिकारों के साथ-साथ संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, सुहास भटनागर, पत्रकार सबील, अनिल कुमार गुप्ता, सुनील मिश्र, शिवकुमार तिवारी कोहिरी, राजकुमार यादव, अतियब एजाज, श्रीपूनम जोधपुरी, गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, दिनेश सिंह, चंपालाल बैद, सदानंद लाल गोगीकार, अंजनी कुमार गोयल, सुधा ठाकुर आदि ने काव्य पाठ किया। संयोजिका रत्नकला मिश्र ने धन्यवाद दिया।

कनकदुर्गा माता मंदिर बशीरबाग पर अयोध्या से आए अक्षत कलश की पूजा की गई। इसमें भाग लेती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, रूपा गुप्ता, रितु गोयल, वंदना पचारिया, संगीता जाजोदिया, शीतल बंसल, मीनाक्षी अग्रवाल एवं पवन भुवानिया।

संक्रांति अपने परिवार और दोस्तों के साथ पारंपरिक पतंगबाजी करते हुए बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव व अन्य।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सुमित पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

ग्रैंडस्लैम में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले 1989 के बाद पहले भारतीय

सिडनी, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में प्रवेश किया। साल 2021 में नागल को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी, लेकिन तब वह हार गए थे। वर्ल्ड रैंकिंग में 137वें नंबर के खिलाड़ी सुमित ने टूर्नामेंट के पहले राउंड में 2 घंटे 38 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में बुब्लिक को 6-4, 6-2, 7-6 से हराया।

1989 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम में किसी भारतीय मेंस सिंगल्स खिलाड़ी की किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पर यह पहली जीत है। इससे पहले, रमेश कृष्णन ने 1989 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में मैट्स विलेंडर को हराया था। बुब्लिक को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में 31वां सीड मिला है।

टूर्नामेंट के आयोजक तय करते हैं सीड

बड़े टेनिस टूर्नामेंट में सीडिंग का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रैंड स्लैम जैसे विंबलडन, यूएस ओपन, फ्रेंच ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन में सीड मिलती है। सीड किसी खिलाड़ी की ओवरऑल रैंकिंग न होकर किसी टूर्नामेंट में मिली रैंकिंग होती है। ये सीड टूर्नामेंट के आयोजक ही तय करते हैं। सीड खिलाड़ी की दुनिया में मौजूदा रैंकिंग से ही तय होती है। सीड एक टूर्नामेंट के लिए टेम्परारी तौर पर मिलती है।

टॉप सीड प्लेयर्स को मिलता है फायदा

जिस खिलाड़ी को टॉप सीड दी जाती है, उसे टूर्नामेंट में बेस्ट ड्रॉ (मैच) दिया जाता है, ताकि हाई सीडेड प्लेयर टूर्नामेंट के आखिरी तक पहुंचे। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में टॉप-3 मेंस सीड प्लेयर में नोवाक जोकोविच पहले, कार्लोस अल्कारेज दूसरे और डेनियल मेदवदेव तीसरे नंबर पर हैं।

क्वालिफायर्स राउंड में एक भी सेट नहीं हारे थे सुमित

नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वालिफायर्स के पहले दौर में फ्रांस के जेफ्री ब्लैंकेनॉक्स को 6-3, 7-5 से हराया था। वहीं दूसरे राउंड में ऑस्ट्रेलियाई एडवर्ड विंटर को 6-3, 6-2 से हराया था। वहीं फाइनल राउंड में स्लोवाकिया के एलेक्स मोल्कन को 6-4, 6-4 से हराकर 2021 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के मेन राउंड में जगह बनाई।

ऑस्ट्रेलियन ओपन का इतिहास

ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

बीसीसीआई ने सिलेक्शन कमेटी के लिए आवेदन मांगा

एप्लिकेशन जमा करने की आखिरी तारीख 25 जनवरी; किसे रिप्लेस किया जाएगा कन्फर्म नहीं

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मेंस सीनियर क्रिकेट टीम सिलेक्शन कमेटी के सदस्य के एक पद के लिए आवेदन मंगाए हैं। बीसीसीआई ने अपनी वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी है। इस आवेदन में अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाले मौजूदा पांच सदस्यीय पैनल में से किसे रिप्लेस किया जाएगा, यह नहीं बताया गया है। आवेदन भरने की आखिरी तारीख 25 जनवरी है।

बीसीसीआई के नियम के अनुसार, बोर्ड हर जोन (ईस्ट, वेस्ट नार्थ, साउथ और सेंट्रल) से एक चयनकर्ता चुनता है, जिसमें सबसे अनुभवी सदस्य को पैनल का अध्यक्ष बनाया जाता है, जो अभी अजीत अगरकर हैं। किसी भी चयनकर्ता का संयुक्त कार्यकाल पांच साल (जूनियर और सीनियर पैनल को मिलाकर) से अधिक नहीं हो सकता है।

चेतन शर्मा को फरवरी 2023 में एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद

पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद जुलाई में वेस्ट जोन से अगरकर को अध्यक्ष के रूप में शामिल किया गया था। फिलहाल अगरकर और सलिल अंकोला (वेस्ट), एस शरत (साउथ), एसएस दास (ईस्ट) और सुब्रोतो बनर्जी (सेंट्रल) चयन समिति में मौजूद हैं। यह संभव है कि बीसीसीआई समिति में नार्थ से किसी को रखना चाहेगा।

अगरकर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन

पूर्व तेज गेंदबाज अजित अगरकर को जुलाई 2023 में टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी का नया चेयरमैन बनाया गया था। बीसीसीआई ने लिखा था, 'अगरकर को टेस्ट मैचों में सीनियॉरिटी के आधार पर चीफ सिलेक्टर बनाया गया है।' पूरी खबर...

आवेदन करने के लिए जरूरी योग्यता

7 टेस्ट मैच खेले हो। 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हो। या 10 वनडे और 20 फर्स्ट क्लास मैच का अनुभव हो। आवेदन करने वाले खिलाड़ी के संन्यास को कम से कम पांच साल का समय बीत गया हो।

सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष को एक करोड़ रुपए सालाना मिलते हैं

राष्ट्रीय चयनकर्ता के पद के लिए आवेदन करने से अक्सर बड़े खिलाड़ी कतराते हैं, क्योंकि सैलरी कम होती है। बता दें कि सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष को एक करोड़ रुपए सालाना मिलते हैं, जबकि चार बाकी सदस्यों को 90 लाख रुपए सालाना दिए जाते हैं।

चेतन शर्मा को फरवरी में देना पड़ा था इस्तीफा

अगरकर ने 45 साल के पूर्व गेंदबाज ने पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा की जगह ली थी। चेतन शर्मा को फरवरी 2023 में एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस स्टिंग में वह भारतीय खिलाड़ियों और टीम चयन को लेकर गोपनीय जानकारी पर बात करते नजर आए थे।

एफआईएच ओलिंपिक क्वालीफायर : इटली पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत, अमेरिका से हारे थे पिछला मैच

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने हालांकि अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा है।

पहला मैच गंवाने के बाद दूसरे मैच में जीत दर्ज करके अपना अभियान पटरी पर लाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को यहां इटली की कम रैंकिंग वाली टीम पर बड़ी जीत दर्ज करके एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालिफायर के सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारत की

टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे पूल बी के अपने पहले मैच में 12वें रैंकिंग वाले अमेरिका से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने हालांकि अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। एशियाई खेलों के जरिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम के पास इस साल होने वाले ओलंपिक खेलों में जगह बनाने का यह आखिरी मौका है। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली तीन टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करेंगी। अमेरिका दो मैच में जीत दर्ज करके पूल बी में शीर्ष पर है जबकि भारत और न्यूजीलैंड के तीन-तीन अंक हैं। गोल अंतर में हालांकि भारतीय टीम न्यूजीलैंड से पीछे है।

रिटायरमेंट की सोच रहे थे हारिस रऊफ

कहा- फैंस के गुस्से ने दुखी किया; टेस्ट खेलने से मना करने के बाद हुई थी आलोचना

इस्लामाबाद, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पिछले महीने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने वाले थे। लेकिन परिवार, दोस्तों और बोर्ड से बात करने के बाद उन्होंने ये कदम नहीं उठाया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रऊफ फैंस के गुस्से और आलोचनाओं से दुखी थे।

दरअसल, रऊफ ने पिछले महीने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने से मना कर दिया था। इसके बजाय वह ऑस्ट्रेलिया में ही बिग-बैश लीग खेल रहे थे। जिसके बाद पाकिस्तानी फैंस ने सोशल मीडिया

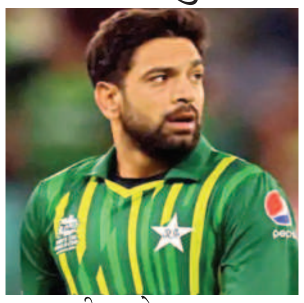

पर उनकी आलोचना करना शुरू कर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज की टीम अनाउंस करने से पहले पाकिस्तान के चीफ सिलेक्टर वहाब रियाज और टीम डायरेक्टर मोहम्मद हफीज ने रऊफ से बात की थी। जिसके बाद सिलेक्टर्स ने बताया कि रऊफ टेस्ट खेलने के लिए राजी हो गए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट खेलेंगे।

हालांकि रऊफ ने बताया कि उन्होंने कभी टेस्ट खेलने के लिए हां नहीं कहा था। उन्होंने फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण अपना नाम वापस लिया था।

टेस्ट सीरीज से नाम वापस लेने के बाद रऊफ ऑस्ट्रेलिया में ही बिग बैश लीग खेलते नजर आए। वह लीग में मेलबर्न स्टार्स टीम का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया में लीग खेलने के दौरान ही वह न्यूजीलैंड पहुंच गए। जहां रऊफ पाकिस्तान से होम टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज खेल रहे हैं।

प्रखर चतुर्वेदी ने कूच बिहार में बनाए नाबाद 404 रन

युवराज का 25 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, अंडर-19 टूर्नामेंट में 400+ बनाने वाले पहले खिलाड़ी

शिवमोग्गा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बल्लेबाज प्रखर चतुर्वेदी ने कूच बिहार ट्रॉफी के फाइनल में मुंबई के खिलाफ नाबाद 404 रन की पारी खेली। वे इस अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में 400+ रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

चतुर्वेदी ने युवराज सिंह का 25 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। युवराज ने 1999 में बिहार के खिलाफ एक मैच में पंजाब के लिए 358 रन बनाए थे। इसमें भारत के पूर्व कप्तान एम एस धोनी बिहार टीम का हिस्सा थे। .

शिवमोग्गा के केएससीए नेवले स्टेडियम में प्रखर की पारी की बदौलत मैच ड्रॉ रहा और कर्नाटक ने पहली पारी में 510 रन की बढ़त के आधार पर ट्रॉफी अपने नाम की। कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 खिलाड़ियों के लिए इंडिया का फर्स्ट क्लास डोमेस्टिक टूर्नामेंट है।

पारी के दौरान प्रखर ने 46 चौके लगाए

प्रखर पारी घोषित होने तक

नाबाद रहे। उन्होंने 638 गेंदों पर 46 चौके और तीन छक्के लगाए। उनकी मदद से कर्नाटक की टीम 223 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 890 रनों का विशाल स्कोर बनाने में कामयाब रही।

मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने भी 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों पर 22 रन बनाए। समित ने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी लिए।

टीम के हर्षिल धर्मानी पारी के दूसरे शतकवीर थे, जिन्होंने 228 गेंदों पर 19 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 169 रन बनाए। प्रखर ने दूसरे विकेट के लिए उनके साथ 290 रन जोड़े।

द्रविड़ के दोनों बेटे प्रोफेशनल क्रिकेटर

द्रविड़ के 2 बेटे हैं और दोनों ही प्रोफेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं। बड़े बेटे समित, जो इस साल की शुरुआत में 18 साल के हो गए, वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए खेले थे। दूसरी ओर, उनके छोटे बेटे अन्वय कर्नाटक अंडर-14 टीम के कप्तान हैं।

इंजर्ड केन विलियमसन पाकिस्तान सीरीज से बाहर

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दूसरे टी-20 में बैटिंग करने के दौरान विलियमसन की हैमस्ट्रिंग इंजरी उभर आई थी। जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटना पड़ा।

विलियमसन की जगह स्क्वॉड में विल यंग को शामिल किया, वहीं टिम सायफर्ट प्लेइंग-11 में केन की जगह खेलेंगे। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच टी-20 सीरीज में 3 मुकाबले बाकी हैं, इस दौरान टिम साउदी न्यूजीलैंड की कमान संभाल सकते हैं।

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच सीरीज का दूसरा टी-20 मुकाबला 14 जनवरी को हेमिल्टन में खेला गया।

मेसी बने फीफा फुटबॉलर ऑफ द ईयर: हालैंड-एमबापे को हराया

आइताना बोनमती बेस्ट विमेंस प्लेयर; पेप ग्वार्डिओला बेस्ट कोच

खेल डेस्क, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने फीफा के फुटबॉलर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीत लिया है। उन्हें पीएसजी और इंटर मियामी क्लब के साथ नेशनल टीम के लिए परफॉर्मेंस के आधार पर अवॉर्ड मिला। मेसी ने लगातार दूसरे साल यह अवॉर्ड जीता है।

स्पेन की आइताना बोनमती विमेंस फुटबॉल ऑफ द ईयर बनीं। वह बार्सिलोना के लिए क्लब फुटबॉल खेलती हैं। वहीं मैनचेस्टर सिटी के पेप ग्वार्डिओला को बेस्ट कोच का अवॉर्ड मिला।

हालैंड-एमबापे को हराकर जीते मेसी

फुटबॉलर ऑफ द ईयर की रेस में मेसी के साथ नॉर्वे के अर्लिंग हालैंड और फ्रांस के किलियन एमबापे भी थे। एमबापे को वोटिंग में 35 पॉइंट्स मिले और वह तीसरे नंबर पर रहे। हालैंड को मेसी के बराबर 48 पॉइंट्स ही मिले। टॉप पोजिशन टाई हो गई थी, तब टाई-ब्रेकर का इस्तेमाल किया गया।

मेंस नेशनल टीम के 13 कप्तानों ने मेसी को वोट किया, जबकि हालैंड को 11 कप्तानों के ही वोट मिले। टाई-ब्रेकर में 2 पॉइंट से आगे रहने के कारण मेसी को विजेता माना गया और उन्होंने लगातार दूसरे साल फुटबॉलर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीत लिया।

बोनमती ने एकतरफा अंदाज में जीता अवॉर्ड

स्पेन की आइताना बोनमती विमेंस फुटबॉलर ऑफ द ईयर बनीं। उन्हें वोटिंग में 52 पॉइंट्स मिले। कप्तान, कोच, मीडिया और फैंस सभी से उन्हें 13-13 पॉइंट्स मिले, जिस कारण वह पहले नंबर पर रहीं। बोनमती ने 2023 का विमेंस बैलन डी'ओर भी जीता था। फुटबॉल इंडस्ट्री में बैलन डी'ओर सबसे बड़ा इंडिविजुअल अवॉर्ड माना जाता है।

विमेंस में कोलंबिया की लिंडा काइसेडो 40 पॉइंट्स के साथ दूसरे और स्पेन की ही जेनिफर

हरमोंसो 36 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर रहीं। आइताना ने इसी साल बैलन डी'ओर, यूएफा प्लेयर ऑफ द ईयर, वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल और बेस्ट फीफा प्लेयर का अवॉर्ड जीता। वह एक ही साल में चारों अवॉर्ड जीतने वाली पहली प्लेयर बनीं।

गिलहर्म मद्गुगा का बाइसिकल किक गोल ऑफ द ईयर

ब्राजील के गिलहर्म मद्गुगा को पुस्कस अवॉर्ड मिला। ये अवॉर्ड साल का बेस्ट गोल मारने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। मुद्गुगा ने 27 जून 2023 को पेनल्टी बॉक्स के बाहर से बाइसिकल किक के जरिए गोल मारा था। इसे फीफा ने गोल ऑफ द ईयर घोषित किया।

मिडफिल्डर मद्गुगा ने सीरी-बी लीग में बोटाफोगो क्लब से खेलते हुए नोवोरिजोन्टिनो के खिलाफ गोल दागा था। गोल ऑफ द ईयर की रेस में पैराग्वे के जुलियो एन्सिको और पुर्तगाल के नुनो सांतोस भी थे। मद्गुगा पुस्कस अवॉर्ड जीतने वाले ब्राजील के तीसरे ही खिलाड़ी बने। उनसे पहले 2011 में नेमार और 2015 में वेंडेला लिरा भी इस अवॉर्ड को जीत चुके हैं।

एडरसन और मैरी ईर्प्स बेस्ट गोलकीपर

ब्राजील के एडरसन ने मेंस गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता। उन्हें 23 पॉइंट्स मिले। एडरसन मैनेचेस्टर सिटी क्लब के लिए भी गोलकीपिंग करते हैं। गोलकीपर कैटेगरी में बेल्जियम के थियाबॉट कर्टोइस 20 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं मोरक्को के यासिन बोनो ने 16 पॉइंट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

विमेंस गोलकीपर में इंग्लैंड की मैरी ईर्प्स बेस्ट रहीं। वह मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए क्लब फुटबॉल खेलती हैं। दूसरे नंबर की कॉम्पिटिटर से मैरी 14 पॉइंट्स आगे रहीं, उन्हें 28 पॉइंट्स मिले। जबकि स्पेन की कैटलिना कॉल (14 पॉइंट्स) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की मैकेंजी आरनोल्ड (12 पॉइंट्स) तीसरे नंबर पर रहीं।पेप ग्वार्डिओला बेस्ट कोच

मैनेचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप ग्वार्डिओला ने फीफा के कोच ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता। उन्हें 28 पॉइंट्स मिले और उन्होंने इटली के 2 कोच से आगे निकालकर पहला स्थान हासिल किया।

दूसरे नंबर पर लुसिआनो स्पालेटी (18 पॉइंट्स) और तीसरे नंबर पर सिमोन इन्जाघी (11 पॉइंट्स) रहे। स्पालेटी इटली के हेड कोच हैं, वहीं इन्जाघी सीरी-ए टीम में इंटर मिलान को मैनेज करते हैं।

सरिना वीगमैन बेस्ट विमेंस कोच

नीदरलैंड की सरिना वीगमैन ने विमेंस कोच ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता।

वह फिलहाल इंग्लैंड विमेंस टीम की कोच हैं। वीगमैन को वोटिंग में 28 पॉइंट्स मिले। इंग्लैंड की एमा हेस (18 पॉइंट्स) दूसरे और स्पेन की जोनाटन जिराल्डेज (14 पॉइंट्स) तीसरे नंबर पर रहीं।

ह्यूगो डेनियल फैन ऑफ द ईयर

अर्जेंटीना के ह्यूगो डेनियल टोटो इनिगेज को फीफा फैन अवॉर्ड मिला। टोटो अपने 2 महीने के बेटे के साथ अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए ग्राउंड पहुंचे थे।

मैच के दौरान टोटो बेटे को बोतल से दूध पिलाते नजर आए थे। उनके सपोर्ट और इंस्पिरेशनल स्टोरी को फीफा ने बेस्ट फैन कैटेगरी का अवॉर्ड दिया। वहीं ब्राजील मेंस टीम को फेयर प्ले अवॉर्ड मिला।

ब्राजील की मार्टा को स्पेशल अवॉर्ड

ब्राजील की मार्टा को फीफा का स्पेशल अवॉर्ड मिला। मार्टा ने ब्राजील के लिए 175 मैच में 115 गोल किए थे। उनके करियर अचीवमेंट्स को एसोसिएशन ने स्पेशल माना और 2025 से उनके नाम पर ही 'मार्टा अवॉर्ड' दिया जाएगा। विमेंस फुटबॉल में बेस्ट गोल करने वाली खिलाड़ी को ये अवॉर्ड मिलेगा।

सीएम रेवंत तेलंगाना में भारी निवेश आकर्षित करने पर दृढ़

हैदराबाद , 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा है कि राज्य सरकार विदेशों में निवेशकों से तेलंगाना में भारी निवेश आकर्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में अभियान की शुरुआत की। उद्योग और आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ रेवंत रेड्डी ने बैठक के हिस्से के रूप में कई प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। राज्य प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए कंपनियों के साथ बैठकों के दौरान आईटी, जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य क्षेत्रों में तेलंगाना की ताकत का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने पहले दिन डब्लूईएब के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे से मुलाकात की और उन्हें राज्य में निवेश के अवसरों के बारे में जानकारी दी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावोस में निवेशकों से मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में सत्ता संभालने वाली कांग्रेस सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में बताया और राज्य के त्वरित विकास को सुनिश्चित करने के लिए उद्योगपतियों को सरकार के साथ जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "सरकार स्थिर विकास और लोगों के जीवन स्तर में सुधार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

बैठक के बाद रेवंत रेड्डी की इथियोपिया के उप प्रधान मंत्री डेमेके मेकोनेन हसन के साथ बैठक हुई, जहां औद्योगिक विकास के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा अपनाए गए रोड मैप पर चर्चा की गई। तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने नैसकॉम अध्यक्ष देबजानी घोष से मुलाकात की और उन्हें कौशल विकास पर दिए गए जोर के साथ-साथ इस दिशा में अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में बताया। बैठक के दौरान रोजगार सृजन और ✎समेंट सुनिश्चित करने के लिए इंजीनियरों और स्नातकों के कौशल विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले ज्यूरिख हवाईअड्डे पर प्रवासी भारतीयों ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आये प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। रेवंत रेड्डी ने समावेशी और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में बताया और इस संबंध में एनआरआई की भागीदारी का स्वागत किया।

सीएम ने दिए क्षेत्रीय रिंग रोड परियोजना के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

हैदराबाद , 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हैदराबाद क्षेत्रीय रिंग रोड परियोजना के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया है। इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण तीन महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी बाधाओं को दूर कर जरूरी कदम उठाने का आदेश दिया। क्षेत्रीय रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया, जिसे बाहरी रिंग रोड से आगे बनाने की योजना थी, कुछ समय से लंबित है। भारत माला परियोजना चरण एक में 158.645 किलोमीटर तक क्षेत्रीय रिंग रोड (उत्तर) का निर्माण किया गया है। इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की आधी धनराशि तेलंगाना राज्य को वहन करनी होगी। अब तक 1935.35 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना है। अब तक 1459.28 हेक्टेयर जमीन का काम पूरा हो चुका है। पिछली सरकार की असहयोग प्रवृत्ति के कारण नौ माह तक इस परियोजना के भूमि अधिग्रहण में कोई प्रगति नहीं हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के समक्ष उठाए गए मुद्दों को हल करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह प्रोजेक्ट बंद कर दिया गया। जनता की सरकार बनने के बाद क्षेत्रीय रिंग रोड पर विशेष ध्यान दिया गया। पिछली सरकार की असहयोग प्रवृत्ति के कारण नौ माह तक इस परियोजना के भूमि अधिग्रहण में कोई प्रगति नहीं हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के समक्ष उठाए गए मुद्दों को हल करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह प्रोजेक्ट बंद कर दिया गया। जनता की सरकार बनने के बाद क्षेत्रीय रिंग रोड पर विशेष ध्यान दिया गया। सरकार राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए तेलंगाना को तीन समूहों में विभाजित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

संक्रांति सिर्फ त्योहार ही नहीं पर्यावरण को बचाने का संदेश भी : वेंकैया

संक्रांति का सन्देश साथी को सहायता, मूक पर दया भी

हैदराबाद , 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडु ने कहा कि बचपन में संक्रांति के दिन मेरे दादाजी के कहे शब्दों ने मुझे जीवन में मार्गदर्शन दिया।

इसलिए मैं त्योहारों को हर्षोल्लास से मनाने का संदेश देता रहता हूं। उन्होंने कहा कि मै लोगों को हर त्योहार पर एक अच्छा काम करने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। आज आप बच्चों से कुछ कहेंगे तो वह बात उनके मन में बैठ जाएगी। उन्हें हमारी संस्कृति, परंपराओं और हमारी भाषा के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। इसमें जो माहात्म्य है उसका वर्णन करना चाहिए। तभी हम नये भारत का निर्माण करने वाले युवाओं को तैयार कर सकेंगे। संक्रांति पर एक बार दादाजी द्वारा दी गई शिक्षा आज भी मुझे याद है उन्होंने कहा था कि सभी लोगों की आर्थिक स्थित एक जैसी नहीं होती है। त्योहारों के बहाने हमें एक दूसरे की मदद भी करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि "क्या आप जानते हैं कि हम त्योहार क्यों मनाते हैं... अपने लिए नहीं। साथी और अन्य लोगों की मदद करने के लिए। इस समय तक फसल घर आ गई है। हमें इसमें से कुछ हिस्सा साझा करना चाहिए। हमें उन लोगों को जानना चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए जो मुसीबत में हैं। अगर ईश्वर हमें हमारे लिए कुछ देता है, तो कुछ और भी देता है। साथी इंसानों की मदद करने के लिए। जैसे-जैसे आप मदद करते हैं, वह देता रहता है। इसलिए त्योहार का मतलब है कि सोचें कि आपने कितने लोगों की मदद की है। चार दिवसीय त्यौहार में मदद का संदेश दिया गया है । इसमें बुजुर्गों की सेवा, पशुधन, घरों की साफ सफाई के बारे में साफ तौर पर शिक्षा दी गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी की सेवाएं अनुकरणीय

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। कई वक्ताओं ने कहा कि दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी ने राजनीतिक कैरियर के दौरान देश को जो सेवाएं दीं, वे यादगार हैं और आज की पीढ़ी के राजनेताओं को उन्हें एक उदाहरण के रूप में लेना चाहिए। मंगलवार को जयपाल रेड्डी की जयंती के अवसर पर नेकलेस रोड स्थित

जयपाल रेड्डी मेमोरियल में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि तेलंगाना राज्य की उपलब्धि में जयपाल रेड्डी ने अहम भूमिका निभायी। केंद्रीय मंत्री के रूप में विभिन्न विभागों में जिम्मेदारियां संभालने वाले जयपाल रेड्डी ने राज्य को प्रदान की गई सेवाओं की सराहना की। उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसद के रूप में पहचाना गया और भ्रष्टाचार के किसी भी दाग से रहित व्यक्ति के रूप में उनकी प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि वह किसी भी मामले को सीधे निपटाते थे और उस समय के राजनीतिक नेताओं में उनका व्यक्तित्व दुर्लभ था। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, विधान सभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, राज्य के राजस्व और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, सिंचाई विभाग मत्युलु उत्तमकुमार रेड्डी, सड़क और भवन मंत्री कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी , राज्यसभा सदस्य के केशवराव, शहर की महापौर विजयलक्ष्मी, विधान परिषद के सदस्य, पूर्व संसद सदस्य, विधान परिषद के पूर्व सदस्य, जयपाल रेड्डी के परिवार के सदस्य और अध्यात्मवादी दैवज्ञ शर्मा और अन्य ने भाग लिया।

'भारत गौरव' ट्रेनों में 96 हजार पर्यटकों ने की यात्रा

हैदराबाद , 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने 'भारत गौरव' पर्यटक ट्रेनों के बैनर तले थीम-आधारित सर्किट पर पर्यटक ट्रेनों के संचालन की अवधारणा पेश की। इन थीम-आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेनों का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थानों को प्रदर्शित करना है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार वर्ष 2023 के दौरान, 96,491 पर्यटकों को लेकर भारत गौरव ट्रेनों की कुल 172 यात्राएँ संचालित की गईं, जो 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले देश भर के विभिन्न पर्यटन स्थलों को कवर करती हैं। इन ट्रेनों ने श्री राम-जानकी यात्रा जैसे प्रमुख पर्यटक सर्किटों अयोध्या से जनकपुर; श्रीजगन्नाथ यात्रा; "गर्वी गुजरात" यात्रा; अम्बेडकर सर्किट; उत्तर पूर्व यात्रा को कवर किया है। इन ट्रेनों में की जाने वाली यात्रा व्यापक टूर पैकेज के रूप में पेश की जाती है, जिसमें आरामदायक ट्रेन यात्रा और संबद्ध ऑनबोर्ड सेवाओं के साथ-साथ ऑफ-बोर्ड यात्रा और बसों द्वारा भ्रमण, होटल में रहना, टूर गाइड, भोजन, यात्रा बीमा आदि जैसी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। रेल मंत्रालय ने भारत गौरव ट्रेन योजना के तहत बेहतर गुणवत्ता वाले कोचों के साथ रेल-आधारित पर्यटन के प्रावधान के माध्यम से घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस जोर दिया है। यह घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की पहल 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'देखो अपना देश' के अनुरूप भी है।

डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ जीएचएमसी यातायात की समीक्षा की

हैदराबाद , 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ,तेलंगाना के डीजीपी रवि गुप्ता ने मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) क्षेत्र में यातायात स्थिति की समीक्षा की। बैठक में इंटेलिजेंस प्रमुख बी शिवधर रेड्डी, अतिरिक्त डीजीपी संजय कुमार जैन, साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू, हैदराबाद के अतिरिक्त आयुक्त विक्रम सिंह मान, हैदराबाद यातायात के अतिरिक्त आयुक्त विश्व प्रसाद, आईजी तरुण जोशी और अन्य मौजूद थे। बैठक के दौरान, डीजीपी ने जनता की सुविधा के लिए जीएचएमसी सीमा के भीतर यातायात को विनियमित करने और बढ़ाने के प्रभावी उपायों पर अधिकारियों से इनपुट मांगा। सिफ़ारिशों में दृश्य पुलिस व्यवस्था का कार्यान्वयन और यातायात कर्मियों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल था।ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों द्वारा एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए डीजीपी को जीएचएमसी सीमा में नए स्काईवॉक और फ्लाईओवर के आसपास यातायात की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने मुसी नदी क्षेत्र में पुलों की स्थिति, प्रस्तावित यातायात जागरूकता कार्यक्रम और एक प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था पर जोर दिया। जीएचएमसी के यातायात में और सुधार की आवश्यकता व्यक्त करते हुए, डीजीपी ने सार्वजनिक सुविधा के लिए विशेष उपायों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को दी गई अनुशंसाओं पर तत्परता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.